हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 16.10.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 82 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

घाटशिला उपचुनाव : झामुमो के सोमेश भाजपा के बाबूलाल से करेंगे दो-दो हाथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झामुमो ने घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए अपने प्रत्याशी के नाम का एलान कर दिया है। पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक में सर्वसम्मति से सोमेश सोरेन को उम्मीदवार बनाए जाने का फैसला लिया गया। सोमेश सोरेन, दिवंगत मंत्री और घाटशिला के पूर्व विधायक रामदास सोरेन के पुत्र हैं। रामदास सोरेन का हाल ही में निधन हुआ था, जिसके चलते यह सीट खाली हुई है। जनता के बीच उनकी पहुंच को ध्यान में रखते हुए सोमेश को प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय समिति की बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की मौजूदगी में यह निर्णय लिया गया। पार्टी का मानना है कि सोमेश अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं।

हेमन्त सोरेन ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर दी जानकारी

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने इसकी जानकारी सोशल अपने मीडिया हैंडल एक्स पर साझा भी की। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि आज रांची में झामुमो केंद्रीय समिति की बैठक में झामुमो परिवार के कर्मठ साथियों के साथ शामिल हुआ। केंद्रीय समिति की पूर्व की सभी बैठकों में स्मृति शेष दिशोम गुरुजी उपस्थित होते थे एवं उनका हम सबों के बीच होना झामुमो परिवार का संबल था, हमारा साहस था। आज हम गुरुजी के आशीर्वचन नहीं सुन पाए लेकिन उनका निर्देशन, उनका दिखाया रस्ता सदैव हमें संघर्ष पथ पर राह दिखाता रहेगा। आगामी घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए घाटशिला के लोगों के दिलों में बसने वाले महान आंदोलनकारी और मेरे अभिभावक स्वरूप स्व रामदास दा के बड़े बेटे, मेहनतकश युवा नेता सोमेश सोरेन को झामुमो ने अपना उम्मीदवार बनाया है। जैसे रिकॉर्ड जीत के साथ स्व रामदास दा को घाटशिला की जनता ने अपना आशीर्वाद दिया था, मुझे विश्वास है इस उपचुनाव में भी जनता अपना भरपूर स्नेह और आशीर्वाद देगी।

वहीं भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति ने बाबूलाल सोरेन को झारखंड के घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के लिए होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशी घोषित किया है। इस संबंध में बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने पत्र जारी कर दिया है। बाबूलाल सोरेन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के पुत्र हैं और इससे पहले भी वे घाटशिला सीट से विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। भाजपा की स्थानीय इकाई ने उनके नाम की आधिकारिक घोषणा कर दी है।

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में इस बार भी भाजपा और झामुमो के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना है। पिछली बार 2019 के विधानसभा चुनाव में बाबूलाल सोरेन को झामुमो के रामदास सोरेन ने पराजित किया था। उस चुनाव में रामदास सोरेन को 98,356 वोट मिले थे, जबकि बाबूलाल सोरेन को 75,910 वोट प्राप्त हुए थे।

चुनाव आयोग ने घाटशिला विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की तिथि की घोषणा कर दी है। यहां मतदान 11 नवंबर को होगा। मतगणना 14 नवंबर को होनी है, जबकि नामांकन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर है। चुनाव आयोग की ओर से यहां कुल 300 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। घाटशिला विधानसभा क्षेत्र एसटी के लिए आरक्षित है। इस क्षेत्र में कुल 2,55,823 मतदाता हैं, जिनमें पुरुष मतदाता 1,24,899 और महिला मतदाता 1,30,921 हैं, जबकि ट्रांसजेंडर मतदाता की संख्या तीन है। उल्लेखनीय है हाल ही में झामुमो विधायक रामदास सोरेन के निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी।

नरेन्द्र मोदी ने बिहार भाजपा कार्यकर्ताओं से किया आह्वान

जब हर बूथ मजबूत होगा, तभी सुशासन की सरकार फिर से बनेगी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नमो ऐप के माध्यम से बिहार के भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उन्हें राज्य में पूर्ववर्ती 'जंगलराज' की भयावह स्थिति की याद दिलाई और कहा कि युवाओं को यह बताना जरूरी है कि बिहार किस अंधेरे दौर से निकलकर आज विकास के पथ पर बढ़ा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने-अपने बूथों पर जाकर हर परिवार को केंद्र की योजनाओं के लाभों के बारे में जागरूक करें और उपलब्ध वीडियो व आंकड़ों को साझा करें। मोदी ने कहा कि जब हर बूथ मजबूत होगा, तभी सुशासन की सरकार फिर से बनेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के माध्यम से बिहार के भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर यह बताएं कि केंद्र सरकार की योजनाओं ने किस तरह से आम लोगों का जीवन आसान बनाया है। साथ ही, उन्होंने उन्हें यह भी याद दिलाया कि बिहार ने

जंगलराज और नक्सलवाद के भय से कैसे मुक्ति पाई है और उस व्यवस्था को फिर लौटने नहीं देना है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज बिहार के हर घर से एक ही आवाज सुनाई दे रही है– 'एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार, फिर से बनेगी सुशासन की सरकार'। यह बिहार की जनता के वोट की ताकत है जिसने राज्य को राजद और कांग्रेस की बुरी नजर से बचाया है, और यह फिर से होगा।'

उन्होंने कहा कि आज बिहार में बेहतर माहौल बना है और इसका सबसे बड़ा लाभ युवाओं को मिल रहा है। मोदी ने कहा, जो 18-25 साल के नौजवान हैं, उन्होंने वो दौर नहीं देखा जब शाम 7 बजे के बाद लोग घरों से निकलने से डरते थे, रेल की पटरियां उड़ाई जाती थीं और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाना भी मुश्किल था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे युवाओं को 'जंगलराज' के उस दौर की वास्तविकता से अवगत कराएं ताकि उन्हें आज के सुशासन की कीमत समझ में आए।

प्रधानमंत्री ने गयाजी के भाजपा कार्यकर्ता ओम प्रकाश कुमार से बातचीत के दौरान बिहार की बेहतर हुई कानून-व्यवस्था का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज बिहार में ऐसा शांतिपूर्ण वातावरण है कि चुनाव कवरेज के लिए दिल्ली से आने वाले पत्रकार भी रात में निःसंकोच रिपोर्टिंग कर सकते हैं जबकि पहले ऐसा सोचना भी मुश्किल था। मोदी ने कहा कि भाजपा की सफलता का आधार बूथ स्तर की ताकत है। उन्होंने कहा, मेरा बूथ, सबसे मजबूत- यह केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि हमारी जमीनी सफलता की सबसे मजबूत कड़ी है।

एक नजर

'महाभारत' में कर्ण बनकर मशहूर हुए अभिनेता पंकज धीर का निधन

मुंबई : मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। लोकप्रिय टीवी अभिनेता पंकज धीर, जिन्होंने दूरदर्शन के ऐतिहासिक धारावाहिक 'महाभारत' में कर्ण का यादगार किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी, अब इस दुनिया में नहीं रहे। 68 वर्षीय अभिनेता ने बुधवार की सुबह करीब साढ़े 11 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर ने पूरे इंडस्ट्री और उनके चाहने वालों को शोक में डाल दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंकज धीर पिछले कुछ समय से गंभीर रूप से बीमार थे। इसी साल मार्च में उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि परिवार की ओर से उस समय उनकी सेहत को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया था। पंकज धीर के निधन की पुष्टि उनके करीबी दोस्त और 'महाभारत' में अर्जुन का किरदार निभाने वाले फिरोज खान ने की। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, ये सच है कि पंकज अब इस दुनिया में नहीं रहे। मैंने अपना बहुत ही अच्छा दोस्त खो दिया है। वो न सिर्फ एक बेहतरीन कलाकार थे, बल्कि उससे कहीं ज्यादा एक शानदार इंसान थे। मैं गहरे सदमे में हूं और शब्द नहीं हैं कि क्या कहूं। वह वाकई एक अद्भुत व्यक्ति थे। पंकज धीर ने अपने लंबे करियर में टीवी और फिल्मों दोनों में दमदार भूमिकाएं निभाईं। 'महाभारत' में कर्ण के रूप में उनकी भावनात्मक और तीव्र अभिनय क्षमता ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया था।

रेल मंत्री ने किया भारत मंडपम में एशिया की सबसे बड़ी रेलवे प्रदर्शनी 'आईआरईई 2025' का उद्घाटन

एजेंसी

नयी दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को राजधानी के भारत मंडपम में एशिया की सबसे बड़ी रेलवे और परिवहन प्रदर्शनी- 16वीं अंतरराष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी (आईआरईई 2025) का उद्घाटन किया। यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी 17 अक्टूबर तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। आयोजन का मुख्य उद्देश्य रेलवे क्षेत्र में नवाचार, आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना है।

इस अवसर पर सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) और गति शक्ति विश्वविद्यालय के बीच कौशल विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा सीआईआई और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने संयुक्त रूप से 'ऑन द राइट ट्रैक' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें भारतीय रेलवे में हो रहे परिवर्तन और विकास की दिशा पर प्रकाश डाला गया है।

रेल मंत्री वैष्णव ने प्रदर्शनी के उद्घाटन सत्र में कहा कि आईआरईई, भारतीय रेलवे के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है, जिसमें करीब 15 देशों के उपकरण निमार्ता और बड़ी संख्या में एमएसएमई इकाइयां भाग ले रही हैं। यह समय है जब हमें अपने उपकरणों की गुणवत्ता, रेलवे के आधुनिकीकरण और नई तकनीकों के प्रयोग पर गंभीरता से पुनर्विचार करना होगा। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव हुए हैं। अब तक 35,000 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं। देश में 156 वंदे भारत एक्सप्रेस, 30 अमृत भारत और 4 नमो भारत ट्रेनें चल रही हैं, जो यात्रियों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय हैं। वर्तमान में भारतीय रेलवे प्रतिवर्ष लगभग 7,000 कोच तैयार कर रहा है। रेल मंत्री ने रेलवे की लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए पुश-पुल तकनीक अपनाने की दिशा में भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि भारत में लगभग 2,500 से 3,000 किलोमीटर लंबी यात्राओं के लिए यह तकनीक अत्यंत उपयोगी होगी। आने वाले वर्षों में सभी लंबी दूरी की ट्रेनों में इस तकनीक को शामिल किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में 127 से अधिक नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

कांकेर/सुकमा : छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों से लगातार आत्मसमर्पण की खबरें सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में बुधवार को कांकेर जिले के जंगलों से बाहर आकर कामतेड़ा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कैंप में 100 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमपर्ण किया है। इनमें बड़े कैडर के नक्सली राजू सलाम, कमांडर प्रसाद और मीना शामिल हैं। सभी नक्सली बस के जरिए कैंप पहुंचे हैं। सुरक्षा कारणों के चलते बीएसएफ कैंप में हाई अलर्ट जारी किया है। माड़ प्रभाग ने 15 अक्टूबर को आत्मसमर्पण की बात कही थी।

राजू सलाम डिवीजनल कमेटी मेंबर कंपनी नंबर 5 का कमांडर था। वह रावघाट एरिया में सक्रिय था। राजू सलाम कांकेर में पिछले 20 साल के बीच घटी सभी घटनाओं का मास्टरमाइंड रहा है। इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के मुख्यधारा में लौटने से इलाके में नक्सलवाद के खात्मे की उम्मीदें बढ़ गई हैं। आधिकारिक

सूत्रों ने बताया कि 100 से अधिक नक्सलियों के आत्मसमर्पण की यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। इसमें उच्चस्तरीय कमांडर और बड़ी संख्या में माओवादी शामिल हैं। फिलहाल, कांकेर पुलिस आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों की पहचान करने में जुटी हुई है। संभावना है कि इन्हें जल्द ही जिला मुख्यालय या संभागीय मुख्यालय में मीडिया के सामने पेश किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिला के पुलिस अधिकारियों के समक्ष 50 लाख के इनामी 27 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों में एक पर 10 लाख रुपये, तीन पर 8-8 लाख रुपये, एक पर 3 लाख रुपये, दो पर 2-2 लाख रुपये और नौ नक्सलियों पर 1-1 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस तरह कुल 50 लाख रुपये के इनामी नक्सलियों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है।

सुकमा पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पित सभी नक्सली कई घटनाओं में शामिल रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 2 हार्डकोर नक्सली भी शामिल हैं। 27 नक्सलियों में 10 महिलाएं और 17 पुरुष शामिल हैं।

नक्सलियों ने सुकमा जिला के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण, डीआईजी ऑफिस सुकमा द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश सिंह पायल, 203 कोबरा वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी गौरव कुमार, सीआरपीएफ 131 वाहिनी द्वितीय कमान अधिकारी अमित प्रकाश, सीआरपीएफ 217 वीं वाहिनी द्वितीय कमान अधिकारी विरेन्द्र कुमार, नक्सल ऑप्स. सुकमा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह, नक्सल ऑप्स. सुकमा उप पुलिस अधीक्षक मनीष रात्रे, निरीक्षक जगदीश पण्डा 216 वाहिनी सीआरपीएफ एवं पीसी. राजेश कुमार अतरा एसटीएफ सुकमा के समक्ष आत्मसमर्पण किया। सभी ने छत्तीसगढ़ शासन की "नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025" और नियद नेल्लानार (चलो गांव की ओर) योजना से प्रभावित होकर सरेंडर किया है।

इन सभी को सरकार की पुनर्वास व आत्मसमर्पण नीति के तहत 50,000- 50,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि के चेक प्रदान किए गए।

विजय सिन्हा ने लखीसराय सीट से तो तेजस्वी यादव ने राघोपुर सीट से किया नामांकन दाखिल

एजेंसी

पटना : बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को लखीसराय सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। विजय सिन्हा के नामांकन में भारतीय जनता पार्टी ने भी अपना दम खम दिखाया और सीएम से लेकर डिप्टी सीएम और केंद्रीय मंत्री को मैदान में उतार दिया। नामांकन के दौरान उनके साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी मौजूद रहे। नामांकन के बाद विजय सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जय जगद्धात्री मां बाला त्रिपुर सुंदरी, जय बाबा इन्द्रदमनेश्वर महादेव. बीते दो दशकों से निरंतर मिल रहा स्नेह, समर्थन और आशीर्वाद सचमुच अभिभूत करने वाला है। आपके समर्थन का संबल मुझे निरंतर कर्तव्य और सेवा के पथ पर आगे बढ़ने की शक्ति देता रहा है।

राजद के वरिष्ठ नेता और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने बुधवार को राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी रामबाबू बैठा के कार्यालय कक्ष में नामांकन पत्र दाखिल किया। मौके पर तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा, राघोपुर की जनता ने हम पर लगातार दो बार भरोसा किया है। जनता मालिक है। यह तीसरी बार है जब हमने राघोपुर से अपना नामांकन दाखिल किया है। हमें विश्वास है कि राघोपुर की जनता एक बार फिर हम पर भरोसा करेगी। हम सिर्फ सरकार नहीं बनाना चाहते, हम बिहार बनाना चाहते हैं।

मैथिली ठाकुर अलीनगर सीट से चुनाव लड़ेंगी, भाजपा ने जारी की दूसरी सूची

पटना : भारतीय जनता पार्टी ने गायिका मैथिली ठाकुर को अलीनगर विधानसभा सीट से मैदान पर उतारा है, जबकि पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा बक्सर से चुनाव लड़ेंगे। बुधवार को भाजपा द्वारा जारी की गई प्रत्याशियों की दूसरी सूची में दोनों का नाम शामिल है। गौरतलब है कि भाजपा ने आगामी चुनाव के लिए 12 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की है। सूची के अनुसार, राम चंद्र प्रसाद हायाघाट सीट से चुनाव लड़ेंगे, जबकि छोटी कुमारी और राकेश ओझा क्रमश: छपरा और शाहपुर से चुनाव लड़ेंगे। बीरेंद्र कुमार और महेश पासवान अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रोसरा और अगिआंव सीटों से चुनाव लड़ेंगे। रंजन कुमार मुजफ्फरपुर से और सुभाष सिंह गोपालगंज सीट से चुनाव लड़ेंगे।

अपराधियों ने दिनदहाड़े कारोबारी को मारी गोली, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के कटहल मोड़ पर अपराधियों ने दिनदहाड़े एक कारोबारी को गोली मार दी। गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घायल कारोबारी राधेश्याम साहू को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि राधेश्याम साहू हर दिन की तरह अपनी दुकान शांभवी इंटरप्राइजेज के पास खड़े थे। इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। दिनदहाड़े फायरिंग होने की वजह से थोड़ी देर के लिए कटहल मोड़ के पास अफरा-तफरी मच गई। राधेश्याम साहू को गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायल राधेश्याम को अस्पताल पहुंचाया। राधेश्याम साहू कटहल मोड़ पर छड़ और सीमेंट का कारोबार करते हैं। ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने बताया कि अज्ञात अपराधियों ने कारोबारी को गोली मारी है। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

बरही पुलिस की बड़ी सफलता, हथियार के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग जिले के बरही में चोरी, लुट एवं डकैती जैसे अपराध पर अंकुश लगाने को लेकर पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान में बरही पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना को लेकर हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि बीते देर रात्रि गुप्त सूचना मिली कि हजारीबाग की ओर से दो बाइक पर सवार होकर चार व्यक्ति हथियार से लैस होकर बरही की ओर से लूट करने के इरादे से आ रहे है। प्राप्त सूचना के सत्यापन पर देवचंदा मोड के पास बरही पुलिस बल के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान लगाया गया। चेकिंग के दौरान रात्रि करीब 10 : 10 बजे हजारीबाग की ओर से दो बाइक आती दिखाई दिया, जो पुलिस बल के द्वारा लगाए गए वाहन चेकिंग अभियान को देखकर देवचंदा मोड़ से करीब 100 मीटर पहले बाइक रोककर भागने का प्रयास करने लगे। जिसे पुलिस बल के सहयोग से दौड़ाकर पकड़ा गया।

गिरफ्तार व्यक्ति का नाम

संतोष मुंडा उम्र करीब 25 वर्ष पिता सीताराम मुंडा ग्राम गुरूडीह, थाना कटकमसांडी के पास से एक देशी पिस्टल, एक मैगजीन में दो गोली लोड तथा रियलमी का एक स्मार्टफोन बरामद किया गया है। वहीं दीनानाथ बेदिया उम्र करीब 34 वर्ष पिता दशरथ बेदिया, साकिन डाड, थाना कटकमसांडी जिला हजारीबाग निवासी के पास से एक देशी कट्टा, दो गोली 08 एमएम तथा काला रंग का अउए लिखा हुआ पैड मोबाइल, राहुल कुमार ठाकुर उम्र 27 वर्ष पिता धनेश्वर ठाकुर, साकिन सरौनी, थाना मुफ्फसिल, जिला हजारीबाग के पास से टूटा हुआ दो मोबाइल फोन जबकि तुलेश्वर प्रजापति उम्र 31 वर्ष पिता बाढ़ो प्रजापति, साकिन डाड़, थाना कटकमसांडी शामिल है।

बरामद किया गया समान

दो बाइक (हीरो स्प्लेंडर) जिसकी संख्या जेएच02बीटी एवं हीरो स्प्लेंडर जिसकी संख्या जेएच13एच 6072, एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, दो 08 एमएम का जिंदा कारतूस, दो 7.65 एमएम का जिंदा कारतूस एवं 03 पीस मोबाइल बरामद किया गया है।

छापेमारी दल में शामिल पुलिस अधिकारी

बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल, पु०नि० सह बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार, पु०आ ०नि० दीपक कुमार, पु०अ०नि० रूपलाल यादव, हवलदार मनोज मंडल, हवलदार मिथलेश सिंह, आरक्षी / 480 गंगा सिंह, आरक्षी/ 1545 संजीत कुमार यादव एवं सभी सभी बरही थाना सशस्त्र गार्ड समेत तकनीकी शाखा हजारीबाग शामिल है।

विधायक ने होम्योपैथिक क्लीनिक का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही धनबाद रोड स्थित थाना के नजदीक विधायक मनोज कुमार यादव ने होम्योपैथिक क्लीनिक का उद्घाटन किया। वहीं क्लीनिक के संचालक डॉ प्रवीण कुमार, सहयोगी पवन कुमार तथा शंकर बरनवाल ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि जिस तरह आज के समय में लोग तरह - तरह की बीमारियों से ग्रसित हो रहे है और एलोपैथ की दवा खाकर साइड इफेक्ट का शिकार हो रहे है। ऐसी स्थिति में होम्योपैथी इलाज एक अच्छा विकल्प होगा। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, आजसू नेता राज सिंह चौहान, भाजपा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी, बरही पश्चिमी मुखिया शमशेर आलम, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष कमल शंकर पंडित, विपिन सिन्हा, केदार यादव एवं बिनोद यादव समेत दर्जनों अन्य लोग मौजूद थे।

मिड-डे मील के चावल में मिली सल्फास की गोली, ग्रामीणों में हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चलकुशा : प्रखंड के अलगडीहा पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय भिखनाडीह में मंगलवार को मिड-डे मील के चावल में सल्फास की गोली मिलने का मामला सामने आया है। इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया है। मामले की जानकारी मिलते ही अभिभावकों ने अपने बच्चों को विद्यालय भेजना बंद कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में बच्चों को पहले भी खराब भोजन परोसा गया है। कुछ दिनों पूर्व बच्चों को सड़े हुए अंडे दिए गए थे, जिसका विरोध करने पर अंडे को फेंक दिया गया था। प्रभारी प्रधानाध्यापिका पार्वती देवी ने बताया कि चावल खराब हो रहा था, इसलिए विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के कहने पर कीड़ा मारने की दवा (सल्फास) चावल में रखी गई थी ताकि वह सुरक्षित रहे। इस पूरे मामले में चलकुशा बीडीओ अमृता सिंह ने कहा कि विद्यालय की जमीन पर अतिक्रमण को लेकर प्रधानाध्यापिका पार्वती देवी ने पहले आवेदन दिया था। दो दिन पूर्व ही उस भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया था। बैठक के दौरान विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष गीता देवी ने बताया था कि विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति नहीं के बराबर है, जिससे विवाद की स्थिति बनी हुई है। बीडीओ ने कहा कि हम पूरे मामले की जांच कराएंगे और दोषियों पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

हजारीबाग यूथ विंग ने ओल्ड एज होम में बुजुर्गों संग मनाई दीपावली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : दीपों का पर्व दीपावली खुशियों, उजालों और मानवता का प्रतीक है। जहां लोग अपने घरों को रोशनी से सजाते हैं, वहीं हजारीबाग यूथ विंग ने इस बार भी अपनी परंपरा को कायम रखते हुए ओल्ड एज होम के बुजुर्गों के बीच दीपावली का पर्व प्रेम, सम्मान और अपनत्व के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत सभी बुजुर्गों को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ देकर और उनका आशीर्वाद लेकर की गई। इसके बाद दीप उत्सव के महापर्व पर दीया प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव रितेश खण्डेलवाल ने किया। संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने उनके बीच हॉर्लिक्स, बिस्कुट, मिक्सचर, नहाने का साबुन, कपड़ा धोने का साबुन, मौजा, शॉल, तेल, भुजिया, पेस्ट जैसी आवश्यक वस्तुएँ वितरित कीं। बुजुर्गों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दूध, ब्रेड और ताजे फल भी परोसे गए। सभी सामग्री को बेहद सजी हुई टोकरी में सजाकर आदरपूर्वक भेंट किया गया, जिससे उनके चेहरों पर आत्मीय मुस्कान झलक उठी। उत्सव का माहौल उस वक्त और भी खुशनुमा हो गया जब संस्था के पूर्व उपाध्यक्ष एवं मार्गदर्शक विकास केसरी का जन्मदिन बुजुर्गों के आशीर्वाद के बीच मनाया गया। केक काटकर बुजुर्गों ने उन्हें आशीर्वाद दिया और इसके बाद दीपों की रोशनी और आतिशबाजी की फुलझड़ियां ने वातावरण को उल्लास से भर दिया। बुजुर्गों ने कहा कि यह पल उन्हें अपने घर की याद दिला गया मानो उनके अपने बच्चे ही उनके पास लौट आए हों। किसी के चेहरे पर खुशी की चमक थी, तो किसी की आँखें भावनाओं से नम थीं। संस्था के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने कहा कि हमारे लिए दीपावली का असली अर्थ यही है किसी के जीवन में खुशियों का दीप जलाना। जब बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान आई, वही हमारे लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद है।

मधुमक्खियों के हमले में छह लोग घायल, बरही अस्पताल में भर्ती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड क्षेत्र के दुलमाहा पंचायत के बुढीडीह मध्य विद्यालय के बगल एक पेड़ में मधुमक्खी छता बना कर रह रहे थे। बुधवार को किसी व्यक्ति द्वारा मधुमक्खियों की छत को पत्थर से मार कर मधुमक्खियों को उत्तेजित कर दिया। जिसके कारण मधुमक्खी इधर उधर भागने लगे। इसी दौरान सिंहपुर गांव के कुछ लोग करियातपुर से बाजार कर सिंहपुर गांव वापस लौट रहे थे। इसी दौरान जैसे ही राहगीर स्कूल के करीब पहूंचे त्यों ही इधर उधर घूमते मधुमखीयों ने लोगों पर अचानक हमला कर दिया।लोग इधर-उधर बचने के लिए भागने लगे फिर भी मधुमखीयों कुछ लोगों को अपने डंक से घायल कर दिया। आनन फानन में ग्रामीणों के मदद से इलाज के बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया जहां डाक्टरों के देखरेख में इलाज किया जा रहा है। घायलों में सुमन कुमार 21 वर्ष पिता संतोष कुमार, संतोष भुईयां 38 वर्ष पिता अर्जुन भुईयां, आशीष कुमार 17 वर्ष पिता राजेंद्र भुईयां, ऋषि कुमार 8 वर्ष पिता भोला पासवान, भोला पासवान 40 वर्ष पिता बंधु पासवान, सुंदरी देवी 35 वर्ष पति भोला पासवान तथा अन्य कई लोग शामिल हैं।

गोरिया करमा कृषि विश्वविद्यालय में किसानों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के गोरिया करमा स्थित गोरिया कर्मा कृषि प्रशिक्षण संस्थान में रबी फसलों के बीज उत्पादन बिषय पर अनुसूचित जाति परियोजना अंतर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य हजारीबाग जिले के किसानों को रबी फसलों की बीज उत्पादन तथा संरक्षण को बढ़ावा देने तथा वैज्ञानिक विधि द्वारा फसलों को बढ़ावा देना था। बुधवार को आईसीएआर-आईएआरआई के प्रमुख परिसर प्रभारी डॉ सनत कुमार महंता ने किसानों को रबी फसलों के बीज उत्पादन पर जोर देने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हजारीबाग जिले में बीज उत्पादन में नई क्रांति आ सकती हैं। उन्होंने कहा की एससीएसपी योजना के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोरिया करमा में आगे भी बागवानी, फसल, सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, मछली पालन, केंचुआ खाद, जैवउर्वरक उत्पादन, मशरूम की खेती, बीज उत्पादन, दलहनी फसल, मोटे अनाज, नई कृषि मशीनरी की तकनीके आदि विभिन्न विषयों पर अनुसूचित जाति के किसानों के लिए तीन दिवसीय एवं पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अगले 3 महीने होने हैं। साथ ही प्रधान वैज्ञानिक विशाल नाथ ने भी किसानों को रबी फसल के बीज उत्पादन से होने वाले फायदे के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे उनकी आमदनी ज्यादा अच्छी हो सकती हैं तथा उनके कृषि से होने वाली अच्छी आय के बारे में प्रेरित किया। कोर्स का संचालन परिसर प्रभारी डॉ सनत कुमार महंता तथा डॉ.विशाल नाथ के सफल निर्देशन में कोर्स समन्यवक डॉ आकाश ए वैज्ञानिक (बीज विज्ञान), डॉ कृष्ण प्रकाश,एससीएसपी नोडल अधिकारी, डॉ. पंकज कुमार सिन्हा, एवं कोर्स सहायक डॉ संतोष कुमार, डॉ हीमानी प्रिया,डॉ साहेब पाल, डॉ पवित्रा के.एन., श्री अरूण कुमार रजक द्वारा किया गया। 30 किसानों ने नवीन कृषि तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण का समापन एक फीडबैक सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव शिक्षण अनुभव के लिए प्रशंसा व्यक्त की साथ में ही कुछ छोटे कृषि उपकरण एवं गेहूं, सरसों, मक्का, सब्जी का बीज आदि का वितरण किया गया ।

एक नजर

तीन दिवसीय शुकर पालन प्रशिक्षण संपन्न

बड़कागांव : बड़कागांव पूर्वी पंचायत अंतर्गत भगवान बागी स्थित नकुल महतो के शुकर फॉर्म में तीन दिवसीय शुकर पालन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड के 25 शुकर पालकों ने भाग लिया ।जिसमें प्रशिक्षक नकुल महतो ने शुकरों के पालन से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां सुकर पलकों को दी। समापन के दिन सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शुकर पलकों प्रमाण पत्र दिया गया। नकुल महतो ने बताया कि प्रशिक्षण में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई जिससे शुकरो की रखरखाव पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। शुकर पालन से कई लोग अपनी जीविका चला रहे हैं परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। रोजगार के लिए शुकर पालन भी एक बेहतर विकल्प है। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से बाबू राम, सुरेंद्र उरांव, प्रेम कुमार नागवंशी, उमेश कुमार, समर्पण बागे, विजय हसदा, जोगिंदर हसदा, रामचंद्र गंझु, रूपेश कुमार, अभिषेक कुमार, तेजनाथ कुमार, अशोक भुईया, निराली कुमारी, रामचंद्र कुमार, मनोहर गंझु, अनिकेत टेटे, बासुकी पीयूष, सोलोमन, कृष्ण कुमार, नरेश गंझु, सुनील कछप वह अन्य उपस्थित थे।

संघ के आह्वान पर शिक्षकों ने की हड़ताल शिक्षा व्यवस्था ठप रही

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में संचालित बालिका उच्च विद्यालय बड़कागांव के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी गण संयुक्त शिक्षक संघर्ष मोर्चा संघ के आह्वान पर एकदिवसीय हड़ताल पर रहे। बताते चलें कि संयुक्त शिक्षक संघर्ष मोर्चा संघ के तत्वाधान में झारखंड राज्य के सभी वित्त रहित शैक्षणिक संस्थान 15 अक्टूबर 2025 दिन बुधवार को अपने विभिन्न मांगों को लेकर सभी शैक्षणिक संस्थानों को एक दिवसीय हड़ताल रखा गया था। वित्त रहित शिक्षण संस्थानों के शिक्षक एवं कर्मचारियों का मांग है कि 75 प्रतिशत अनुदान की राशि में बढ़ोतरी कर दिया जाए। साथ ही राज्य के सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए।

चलकुशा में हाथियों के आतंक से किसान बेहाल

चलकुसा : चलकुसा थाना क्षेत्र अंतर्गत सुदन पंचायत के ग्राम चंदनगुंडो में इन दिनों हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। हाथियों के झुंड रात होते ही गांवों एवं खेतों की ओर रुख कर जाते हैं। जिससे किसानों की लह लहाती धान की फसलें नष्ट हो रही हैं। चंदनगुंडो गांव के किसान महेंद्र यादव पिता स्व रामेश्वर यादव रामदेव यादव स्व एतवारी यादव, जितेंद्र यादव पिता त्रिवेनी यादव जागेश्वर यादव पिता एतवारी यादव बताया की लगभग 5 दिनों से यह समस्या बनी हुई है। वहीं लोगों का कहना है कि प्रत्येक रात को लगभग 9 से 10 बजे के बीच 30 से 35 हाथियों का झुंड गांव के आस-पास आ जाता है और खेतों में लगी फसल को रौंदकर नष्ट कर देता है। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि लोग रात में घरों से बाहर निकलने से भी डरते हैं। खेतों में रखवाली करने जाना तो दूर, कई परिवार अब किसी सुरक्षित जगह पर रात गुजारने को मजबूर हैं। हाथियों के हमले से सारी फसल बर्बाद हो गई। उन्होंने कहा कि हाथी न केवल फसल रौंद देते हैं, बल्कि जगह-जगह मिट्टी खोदकर खेतों को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

मवि खैरौन के 14 सामान्य कोटि के बच्चों के बीच साइकिल का किया गया वितरण

बरही : प्रखंड संसाधन केंद्र बरही में राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय खेरौन के सामान्य वर्ग के सभी छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया। इस वितरण कार्यक्रम में केदारूत पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विश्वेश्वर यादव, पंचायत समिति सदस्य, विकास सिंह, वरिष्ठ समाज सेवी प्रद्युमन सिंह एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक तुलसी कुमार दास के अलावे सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे। विद्यालय के कुल 14 छात्र - छात्राओं को साइकिल वितरण बी पी एम अरुण कुमार की उपस्थिति में किया गया ।इस कार्यक्रम में केदारूत मुखिया प्रतिनिधि विश्वेश्वर यादव ने कहा कि बच्चों को साइकिल मिलने से वे काफी उत्साहित हैं और उत्साह के साथ अध्ययन अध्यापन का कार्य करेंगे। साथ ही आने-जाने में जो समस्या थी वह अब दूर होगा। पंचायत समिति सदस्य ने इसे सरकार का एक अच्छा पहल बताया। जिससे बच्चों को विद्यालय तक पहुंचने में किसी तरह का कोई कठिनाई नहीं होगा। प्रधानाध्यापक के द्वारा बच्चों को संबोधित करते हुए कहा गया कि आप सभी प्रत्येक दिन विद्यालय आकर पठन-पाठन का कार्य करें और विद्यालय अपने गांव और अपने परिवार का नाम रौशन करें ।समाज सेवी प्रद्युमन सिंह ने बच्चों के भविष्य की मंगल कामना करते हुए कहा कि आप सभी अच्छे से पढ़ें और मेहनत करते हुए आगे बढ़े। आज जिन्हें साइकिल मिला उनमें से मयूर कुमारी, मेंहदी कुमारी, सृष्टि कुमारी, सुप्रिया कुमारी, पायल कुमारी, प्रतिविंद कुमार, सुमन कुमार, आनंद कुमार, पीयूष कुमार, शनी कुमार, अंजनी कुमारी, उज्जवल कुमार, रौशनी कुमारी, सिंपी कुमारी सहित सभी बच्चों के अभिभावक भी मौजूद रहे। आज विश्व हाथ धुलाई दिवस के मौके पर विद्यालय में सभी बच्चों के द्वारा हाथ धुलाई का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बेहतर शिक्षा के लिए शिक्षक अभिभावक के बीच समन्वय जरूरी : विजय यादव

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत विजैया पंचायत के गुडियो में संचालित माउंट ऑलिवेट स्कूल में अभिभावक सह शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में शामिल अभिभावकों ने विद्यालय के विधि व्यवस्था, पठन पाठन एवं शिक्षण व्यवस्था की सराहना की। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार यादव ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षक एवं अभिभावक के बीच संवाद का आदान प्रदान, आपसी समन्वय से बच्चों की शैक्षणिक विकास में काफी सहायक हो सकता है। गौरतलब हो कि यह विद्यालय विजैया एवं मलकोको सहित आस - पास के पंचायतों में सबसे बेहतरीन विद्यालयों में से एक है। इस तरह के आयोजन से निश्चित ही विद्यालय का शैक्षणिक माहौल सकारात्मक होगा। मौके पर माउंट ऑलिवेट स्कूल दिल्ली के इंचार्ज सुनील कुमार स्वर्णकार, शैक्षणिक प्रभारी राजदेव यादव, कार्यालय प्रभारी मुकेश कुमार यादव एवं रंजीत कुमार मौजूद थे। जबकि शिक्षकों में सोहन कुमार चंद्रा, इंद्रदेव शर्मा, दिलीप कुमार, सोनाली रॉय, अरुण कुमार, संतोष स्वर्णकार, भगवान प्रसाद, सत्येंद्र शर्मा, संदीप कुमार, संगीता कुमार, मनोवर अंसारी, सिंटू कुमार, नूतन कुमारी, सकलदेव यादव, रोहित राणा, नरेश कुमार, मुकेश, रविन्द्र, भूषण यादव, रानी कुमारी, यशोदा कुमारी, काजल कुमारी, शिवानी कुमारी एवं अमीषा कुमारी समेत सैकड़ों अभिभावक मौजूद थे।

अशोक साहू भारतीय जागृति मिशन के हजारीबाग जिला प्रधान महासचिव मनोनीत

बड़कागांव : भारतीय जागृति मिशन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र साव ने बड़कागांव नापो खुर्द निवासी अशोक साहू को हजारीबाग जिला प्रधान महासचिव मनोनीत किया है। इस अवसर पर अशोक साहू ने कहा कि भारतीय जागृति मिशन का गरीब शोषण वंचित पीड़ित लोगों की सेवा ही मुख्य लक्ष्य है। यह संगठन से लोग लगातार जुड़ रहे हैं। और गरीबों को मदद करना बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ने का काम किया जा रहा है इसीलिए भारतीय जागृति मिशन पूरे जोर से पूरे प्रदेश में काफी तेजी से विस्तार हो रहा है। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से बैजनाथ कुमार साह, बेचन साहू, राजकुमार साहू, ढलन साहू, हरि साहू, जानकी साहू, पदम साहू, अरविंद साहू, डूबा साहू, धनु साहू, रोहन साहू, कलेश्वर साहू, कुंज बिहारी साहू ,गणेश प्रसाद, मिथलेश साहू, मोहन साहू, कृष्णा साहू, जगत नंदन प्रसाद गुप्ता अन्य लोग शामिल हैं।

रामकृष्ण मिशन विवेकानंद यूनिवर्सिटी के छात्रों ने चलाया जंगल बचाओ अभियान

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के कांडतरी गांव में रामकृष्ण मिशन विवेकानंद यूनिवर्सिटी के कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग के छात्रों द्वारा जंगल बचाओ अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को जंगलों के महत्व के बारे में जागरूक करना था। छात्रों ने ग्रामीणों को बताया कि पेड़ हमारे जीवन के लिए कितने आवश्यक हैं। यह न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं बल्कि जलवायु को भी संतुलित रखते हैं। जंगलों की कटाई से पर्यावरण में असंतुलन पैदा होता है। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे पेड़ काटने से बचें और अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने नारे लगाए जंगल बचाओ, जीवन बचाओ तथा पेड़ लगाओ, धरती सजाओ। गाँव की महिलाएँ, युवा और बच्चे इस अभियान में शामिल हुए। सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि वे अपने आस-पास के जंगलों की रक्षा करेंगे और हर वर्ष वृक्षारोपण करेंगे। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से कांडतरी वन समिति अध्यक्ष तूलेश्वर महतो, शिक्षक कुलेश्वर महतो, आशा कुमारी, मनीषा कुमारी, शिमला कुमारी और दिव्या मेहता उपस्थित थे।

एक नजर

झारखंड के 14 जिलों में 16 से छाए रहेंगे बादल

रांची: झारखंड के 16 जिलों में गुरुवार और शुक्रवार से आंशिक बादल छाए रहेंगे। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी।
विभाग के अनुसार राज्य के जिन जिलों में आंशिक बादल छाए रहेंगे उनमें राज्य के मध्यवर्ती जिले रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, बोकारो, गुमला, धनबाद, कोडरमा और लोहरदगा के अलावा राज्य के पश्चिमी जिले गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार शामिल हैं। 18 अक्टूबर को मौसम साफ रहेगा। इसके बाद 19 और 20 अक्टूबर को फिर से राज्य के कई जिलों में बादल छाए रहने की संभावना है। हालांकि इस दौरान मौसम शुष्क रहेगा और बारिश की संभावना नहीं है।
वहीं विभाग ने अगले पांच दवर्ष नों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में किसी प्रकार के बड़े बदलाव की संभावना से इंकार किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान झारखंड में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 34 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 17.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।
बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा। सुबह में हल्की ठंड रही दोपहर में धूप में तल्खी महसूस की गई।

छठ की तैयारी: तालाबों के पास से हटाए गए अवैध ठेले व दुकानें

रांची: छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए रांची नगर निगम ने शहर के अलग-अलग छठ घाटों और तालाबों के पास अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। निगम की टीमों ने तालाबों के आसपास बने अवैध ठेले, गुमटियों और दुकानों को हटाया और जगह-जगह सफाई का काम भी किया। आज का अभियान अरगोड़ा तालाब, जेल तालाब, चडरी तालाब, करमटोली तालाब, बनस तालाब और बड़ा तालाब के पास चलाया गया। निगम ने साफ कहा है कि दोबारा अगर किसी ने वहां दुकान या ढांचा लगाया, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, तालाबों में कचरा या गंदगी डालने वालों पर भी निगरानी रखी जा रही है।

आदिवासियों के अस्तित्व पर खतरा, सरकार से चेतावनी : नायक

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने सारंडा जंगल को वन्यजीव अभयारण्य घोषित करने के फैसले पर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने इसे आदिवासियों की मां की गोद पर कब्जा और आत्मा का अपहरण करार देते हुए हेमंत सरकार और सुप्रीम कोर्ट को चेतावनी दी है। सारंडा, एशिया का सबसे विशाल सागवान वन, हो, मुंडा, उरांव जैसे आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक धड़कन है। सुप्रीम कोर्ट के 8 अक्टूबर 2025 के आदेश और झारखंड कैबिनेट के 14 अक्टूबर के फैसले से 31,486 हेक्टेयर क्षेत्र को अभयारण्य बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई, जिससे 50 राजस्व गांवों और 10 वन गांवों में रहने वाले 1 लाख से अधिक आदिवासियों की आजीविका, संस्कृति और धार्मिक स्थल खतरे में हैं।

कुड़मी की एसटी मांग का विरोध 17 को हरमू से शुरू करेंगे आदिवासी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 17 अक्टूबर को होने वाली आदिवासी हुंकार महारैली में विभिन्न जिलों से लोग पहुंचेगे। कुड़मियों की एसटी मांग के विरोध में रांची महानगर से हजारों लोग हरमू मैदान पहुंचेंगे। यहां से पैदल मार्च करते हुए प्रभात तारा मैदान में एकजुट होंगे और जनसभा में तब्दील हो जाएगा। जहां आदिवासी हुंकार महारैली का बिगुल फूंका जाएगा। इस रैली में खूंटी, तोरपा, बुंडू और सिमडेगा के सरना धर्मावलंबियों पुराने विधानसभा मैदान में जमा हो कर प्रभात तारा मैदान पहुंचेंगे। वहीं, बेड़ो, मांडर ,रातु लोहरदगा, गुमला और कांके के लोग नया विधानसभा के मैदान में जमा हो कर पैदलयात्रा कर प्रभात तारा मैदान, धुर्वा पहुंचेंगे।
कुड़मी समुदाय आदिवासी बनते हैं तो आदिवासियों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएंगे वक्ताओं ने कहा कि कुर्मी/कुड़मी समुदाय के नेता फर्जी इतिहास एवं फर्जी संस्कृति, सभ्यता बना कर अपने ही समाज के लोगों को दिग्भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। इसके साथ ही आदिवासी समाज के अधिकारों पर हमला करने के लिए आदिवासी बनाने की मांग कर रहे हैं। झारखंड के कुड़मियों की मांग कहीं से भी जायज नहीं है। वक्ताओं ने कहा कि अगर ये कुड़मी आदिवासी बन गए तो आदिवासियों का हक अधिकार, आरक्षण, जमीन सब कुड़मियों के हाथों लूटा जाएगा। कुर्मी\कुड़मी समुदाय आदिवासी बनते हैं तो आदिवासियों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। कुड़मी समाज का आंदोलन जबतक रुकेगा नहीं तब तक हमारा भी आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। मौके पर संदीप तिर्की, पवन तिर्की, राहुल तिर्की, आकाश तिर्की, नारायण उरांव, हेमंत गाड़ी, प्रतीत कच्छप, संगीत कच्छप, पंकज उरांव, अनुज हेमरोम, कालिक गाड़ी, राविंदर भगत, श्याम लाल पाहन समेत अन्य शामिल थे।

रांची में स्थानीय युवाओं व महिलाओं के लिए 'उद्यमिता संवाद' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिला प्रशासन और पलाश की ओर से आज नगर निगम सभागार में उद्यमिता विकास पर एक दिवसीय संवाद कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम का मकसद था -स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करना। कार्यक्रम में रांची के अलग-अलग प्रखंडों से आए स्वयं सहायता समूहों और छोटे उद्यमियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में अधिकारियों ने बताया कि सरकार की योजनाएं जैसे PMFME और PMEGP से लोग सरकारी मदद लेकर अपना कारोबार बढ़ा सकते हैं।

इस मौके पर 6 सफल उद्यमियों ने अपनी कहानियां सुनाई – गॉडविन लकड़ा, ओहामंती मिन्ज, मिथिलानी, पुनीत मिन्ज, विमाया, पुनम दीदी, इनकी कहानियां सुनकर बाकी प्रतिभागी काफी प्रेरित हुए। कार्यक्रम के लिए 215 लोगों ने आवेदन दिया था, जिनमें से 100 उद्यमियों को चुना गया। इन्हें प्रशिक्षण और पूरी मदद दी जाएगी ताकि वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने कहा कि उद्यमिता आत्मनिर्भर बनने का सबसे अच्छा रास्ता है। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि रांची के युवा और महिलाएं खुद का रोजगार शुरू करें और दूसरों को भी रोजगार दें।

एचईसी मजदूरों को भड़काने में लगे हैं कुछ नेता : भवन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हटिया मजदूर यूनियन के तत्वावधान में बुधवार को एफएफपी बिल्डिंग शेड में बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में स्थायी और सप्लाई मजदूर शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने की और संचालन महामंत्री हरिराम रजवार ने किया। बैठक में भवन सिंह ने कहा कि सप्लाई मजदूर संघर्ष समिति न तो निबंधित संस्था है और न ही मान्यता प्राप्त संगठन है। इनके नेता मजदूरों की समस्याओं को सुलझाने के बजाय मजदूरों को भड़काने में लगे हैं। यदि वे वास्तव में मजदूरों का भला चाहते, तो झारखंड में डीए लागू कराने, एएल छुट्टी और बोनस दिलाने जैसी मजदूरों की समस्याओं को दूर करने की पहल करते। उन्होंने कहा कि कुछ नौसिखिए नेता मजदूरों की भावनाओं से खिलवाड़ कर रहे हैं, जबकि जीत केवल एकता और हटिया मजदूर यूनियन के अनुभवी नेतृत्व के तहत संघर्ष से ही संभव है। उन्होंने कहा कि सप्लाई मजदूरों की सात सूत्री मांगें, जिनका समझौता 2010 एवं 2011 में हुआ था, तत्काल प्रभाव से पुनः लागू की जाएं। ये लाभ वर्षों से मिलते रहे हैं, पर संघर्ष समिति के कुछ नेताओं ने प्रबंधन से मिलीभगत कर इन्हें बंद करा दिया है। यूनियन इन्हें पुनर्स्थापित करने के लिए कार्रवाई करेगी। महामंत्री हरिराम रजवार और वरिष्ठ नेता हरेंद्र प्रसाद ने कहा कि सभी मांगों को लेकर त्योहरों के बाद एचईसी परिसर में आमसभा कर आंदोलन की घोषणा की जाएगी। बैठक में 18 बैच प्रमोशन, पीएफ, पे-स्लीप, डीए और बोनस की सुविधा दिलाने सहित अन्य मांगों को पूरा कराने की दिशा में कार्रवाई करने पर सहमति बनी।

झारखंड में अपराधियों का तांडव पुलिस बनी है मूकदर्शक : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में लगातार बढ़ते आपराधिक घटनाओं को लेकर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर निशाना साधा है। उन्होंने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर जनता को सुरक्षा प्रदान करने में पूरी तरह नाकाम रहने और पुलिस पर वसूली में व्यस्त रहने का आरोप लगाया। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि राजधानी रांची के कटहल मोड़ पर दिनदहाड़े सीमेंट कारोबारी राधेश्याम साहू पर हुई गोलीबारी ने यह साबित कर दिया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। अपराधी खुलेआम तांडव मचा रहे हैं, जानलेवा हमले और गोलीबारी कर व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं, लेकिन हमारा पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।
मरांडी ने कहा कि लगातार कारोबारियों पर हो रहे हमलों से व्यावसायिक समुदाय में भय और असुरक्षा का माहौल गहराता जा रहा है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि झारखंड में अब कारोबार करना खतरे से खाली नहीं रहा है। जब राजधानी ही असुरक्षित है, तो प्रदेश के बाकी हिस्सों की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धनबाद, बोकारो, हजारीबाग और जमशेदपुर जैसे शहरों में अपराधी भयादोहन करने लिये फायरिंग कर आतंक फैलाए हुए हैं। व्यवसायी से लेकर डॉक्टर और इंजीनियर तक भयादोहन के शिकार बनाये जा रहे हैं। ऐसा लगता है इस धंधें का हिस्सेदार भी पुलिस और सत्ता में बैठे लोग हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार जनता को सुरक्षा प्रदान करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। कानून-व्यवस्था संभालने के बजाय पुलिस वसूली में व्यस्त है। अपराधियों को कांड करने की खुली छूट मिली हुई है, जिससे आम जनता और व्यापारी वर्ग भयभीत है। मरांडी ने राज्य सरकार से तत्काल अपराधियों की गिरफ्तारी और प्रदेश में सुरक्षा-व्यवस्था को दुरुस्त करने की अपील की।

काली पूजा को लेकर रांची नगर निगम की तैयारियां शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : दुर्गा पूजा के सफल आयोजन के बाद अब रांची में काली पूजा की तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रशासक सुशांत गौरव के निर्देश पर रांची नगर निगम की टीम शहर भर में सफाई और अन्य जरूरी काम कर रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

पूजा समितियों से लगातार संपर्क

नगर निगम की टीम शहर की लगभग 70 काली पूजा समितियों से लगातार संपर्क में है। समितियों की जरूरतें और सुझाव लेकर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। आज निगम की टीम ने कॉसमॉस यूथ क्लब, श्री श्री काली पूजा समिति, तूफान क्लब, अग्रदूत क्लब, कांके रोड समिति, अमर ज्योति समिति, डोरंडा समिति समेत कई आयोजकों से मुलाकात कर सहयोग दिया।

चल रहे हैं ये प्रमुख काम

पूजा पंडालों और आसपास के इलाकों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। कूड़े का उठाव, ब्लीचिंग पाउडर छिड़काव, घास की कटाई, नालियों की सफाई का काम जारी है। स्टोन डस्ट और जेएसबी मशीन से पंडालों तक जाने वाले रास्तों को समतल किया जा रहा है। पथ बत्तियों की खराबियों को ठीक किया जा रहा है। सभी टॉयलेट और सुलभ शौचालयों की सफाई की जा रही है।

बीआईटी मेसरा के 35वें दीक्षांत समारोह ने इसरो चीफ की मौजूदगी में भावी लीडर्स को किया प्रेरित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान-बीआईटी मेसरा ने जोश और उत्साह के बीच अपने 35वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया, जहां 1400 से अधिक प्रतिभाशाली छात्रों को डिग्री दी गई। इसरो के चेयरमैन डॉ वी नारायणन इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, उन्होंने छात्रों को वैज्ञानिक उत्सुकता, निरंतर लर्निंग एवं देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। सभा को सम्बोधित करते हुए डॉ वी नारायणन ने कहा, ह्यह्यआप अपनी पेशेवर यात्रा की शुरूआत करने जा रहे हैं, ऐसे में जरूरी है कि आप सहानुभूति, आपसी सहयोग एवं प्रयोजन के सिद्धान्तों को याद रखें, ये सिद्धान्त जीवन में सफलता पाने के लिए बेहद जरूरी हैं। आपने इस प्रतिष्ठित संस्थान में जो ज्ञान एवं मूल्य हासिल किए हैं, उनका सदुपयोग कर जीवन में बदलाव लाएं और दुनिया की मुश्किल चुनौतियों को हल करने का प्रयास करें। आप सभी को बधाई, अनंत अवसरों से युक्त उज्जवल भविष्य आपके सामने है। दीक्षांत समारोह की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई, जिसके बाद संस्थान की प्रार्थना हुई। समारोह के दौरान संस्थान की अकादमिक उत्कृष्टता एवं विरासत का जश्न मनाया गया। दीक्षांत समारोह एक अकादमिक यात्रा का समापन नहीं बल्कि आजीवन उत्सुकता एवं इनोवेशन की शुरूआत है। आज दुनिया को ऐसे लीडरों की जरूरत है जो स्पष्टता के साथ सोच सकें, अखंडता के साथ काम कर सकें और प्रयोजन के साथ निर्माण कर सकें। मुझे विश्वास है कि बीआईटी मेसरा के छात्र इस बदलाव में अग्रणी रहेंगे, अपने ज्ञान एवं कल्पनाशीलता का उपयोग कर प्रगतिशील एवं समावेशी भविष्य को आकार देंगे। श्री सीके बिरला, चांसलर, बीआईटी मेसरा और चेयरमैन सीके बिरला ग्रुप ने कहा। इस अवसर पर संस्थान के वाईस चांसलर और प्रोफेसर इंद्रानिल मन्ना ने सालाना गतिविधि रिपोर्ट पेश की तथा अनुसंधान, इनोवेशन एवं विश्वस्तरीय साझेदारियों में बीआईटी मेसरा की प्रमुख उपलब्धियों पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि संस्थान नए बेंचमार्क स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उद्योग जगत के लीडरों एवं भविष्य के लिए तैयार पेशेवरों का निर्माण कर रहा है। बीआईटी मेसरा में हमारा मानना है कि शिक्षा सिर्फ ज्ञान प्राप्त करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अखंडता एवं दृढ़ विश्वास के साथ नेतृत्व करने के बारे में है। हमारे ग्रेजुएट्स पेशेवर दुनिया में कदम रख रहे हैं, मुझे विश्वास है कि वे समुदायों और उद्योगों में सकारात्मक बदलाव लेकर आएंगे।

संक्षिप्त खबरें

डीएवी बरियातु के विद्यार्थियों ने किया खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

रांची : खेलो झारखंड के तत्वावधान में राज्यस्तरीय विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में परचम लहराकर डीएवी बरियातु की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए पात्रता हासिल की है। सातवीं कक्षा की अक्षरा ने अंडर-17 शतरंज और 11वीं कक्षा की नंदिता सेन ने अंडर-17 बैडमिंटन प्रतियोगिता जीतकर स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने की पात्रता हासिल की है। प्रशिक्षण के बाद बेहतर प्रदर्शन के आधार पर इनके राष्ट्रीय स्तर पर शामिल होने की प्रबल संभावना है। विद्यालय की इस सफलता में चार चांद लगाने का कार्य प्री-प्राइमरी के विद्यार्थियों ने किया। चिन्मय मिशन की ओर से आयोजित गीता पाठ प्रतियोगिता में यूकेजी के प्रभाकर कुमार ने ग्रुप ए में और पहली कक्षा के दीक्षांत त्रिपाठी ने ग्रुप बी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मिश्रा ने विजेता और उनके अभिभावक और शिक्षकों को बधाई दी और अगले चरण में उनकी सफलता के लिए उन्हें प्रेरित किया।

हमर अधिकार मंच का हुआ गठन, दीपेश निराला बने अध्यक्ष

रांची : रांची में बुधवार को आम लोगों के अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 में विस्तृत अधिकारों पर जागरूकता और उनके क्रियान्वयन एवं आम लोगों को न्याय प्राप्त करने में सुविधा देने के उद्देश्यसे हमर अधिकार मंच का गठन किया गया। हमर अधिकार मंच के गठन और पंजीकरण की प्रक्रिया भीम जिला अवर निबंधक कार्यालय में संपन्न हुई। हमर अधिकार मंच के अध्यक्ष दीपेश निराला ने बताया कि हमर अधिकार मंच का गठन का मुख्य उद्देश्य नागरिक अधिकारों पर चर्चा, संवाद और जागरूकता प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि संविधान के भाग-3 हमें मौलिक अधिकार देता है और मानव अधिकार के लिए मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 लागू है। पूरे भारतवर्ष से सदस्यों को आमंत्रित कर 51 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति का गठन कर जल्द हमर अधिकार मंच का विस्तार किया जाएगा। हमर अधिकार मंच के गठन कार्यक्रम में रांची सहित गढ़वा, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गिरिडीह, धनबाद सहित झारखंड के 24 जिलों से कुल 25 सदस्यों ने भाग लिया। इसमें अध्यक्ष दीपेश निराला, उपाध्यक्ष रेणुका तिवारी, महासचिव उमाशंकर सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद जैन बेगवानी और सचिव अंकित अग्रवाल शामिल हुए। इस दौरान पूर्वी सिंहभूम से अनूप श्रीवास्तव, सरायकेला-खरसावां से रश्मि भेंगरा, लोहरदगा से शकील अख्तर और प्रदीप राणा, गिरिडीह से चंद्रदेव बरनवाल चंद्रू, गढ़वा से पवन कुमार केसरी, पलामू से प्रियब्रत प्रसाद, धनबाद से सूर्य प्रकाश, लातेहार से नवल किशोर लाल, रांची से मीना कुमारी, जूही चौधरी, दिलीप कुमार, अरविंद कुमार मिश्रा, दीनबंधु कुमार, मनीष बक्शी, संतोष मृदुला, आशीष जायसवाल, बिरेंद्र नगडूवार, ओमप्रकाश उपाध्याय, शाहिद आलम, राजकुमार, दलबीर सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रांची के विभिन्न इलाकों में 16 अक्टूबर को बिजली रहेगी गुल

रांची: राजधानी रांची में गुरुवार को विद्युत शक्ति उपकेंद्र पॉलीटेक्निक में मीटरिंग यूनिट लगाने से संबंधित कार्य किया जाएगा, जिसकी वजह से विद्युत शक्ति उपकेंद्र पॉलीटेक्निक से निकलने वाले 11 केवी के सभी फीडर की विद्युत आपूर्ति अलग-अलग समय में डेढ़ घंटे के लिए बाधित रहेगी। यह जानकारी बुधवार को बिजली विभाग की ओर से दी गई। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रांची के जिन इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी, उनमें 11 केवी मेन रोड में सुबह आठ बजे से 9.30 बजे तक, 11 केवी बासरटोली में सुबह 9.30 बजे से 11.00 बजे तक, 11 केवी सुजाता में सुबह 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक, 11 केवी चर्च रोड में दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 2:00 तक और 11 केवी पथलकुदवा में दोपहर दो बजे से दोपहर 3.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

लंबित स्कॉलरशिप को लेकर आइसा ने केंद्र सरकार की चुप्पी पर उठाए सवाल

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में आज ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन द्वारा स्कॉलरशिप के लंबित मुद्दों को लेकर एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में ई-कल्याण योजना के तहत वर्षों से लंबित छात्रवृत्तियों की स्थिति पर चिंता जताई गई और इसे सामाजिक न्याय और शिक्षा के अधिकार पर हमला बताया गया। आइसा झारखंड की राज्य अध्यक्ष विभा पुष्पा दीप ने कहा कि SC, ST और BC वर्ग के छात्र, विशेषकर झारखंड के दूरदराज इलाकों से आने वाले विद्यार्थी, स्कॉलरशिप न मिलने के कारण शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की उदासीनता के चलते सैकड़ों छात्र या तो पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हैं या भारी ऋण लेकर अपनी शिक्षा जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने स्कॉलरशिप के लिए अपनी हिस्सेदारी जारी कर दी है, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से अब तक कोई राशि नहीं आई है। सरकार गरीब छात्रों की मदद करने के बजाय उन्हें सस्ता श्रमिक बनाने पर तुली हुई है।

डीवीसी केटीपीएस फेज-दो में सिविल क्वालिटी टेस्टिंग प्रयोगशाला का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डीवीसी कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन फेज-II में सिविल क्वालिटी टेस्टिंग प्रयोगशाला का उद्घाटन मनोज कुमार ठाकुर, मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख द्वारा किया गया। इस अवसर पर मनस नस्कर, महाप्रबंधक , अजय कुमार, उप महाप्रबंधक, तथा मनोज कुमार, उप महाप्रबंधक, भी उपस्थित थे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर बीएचईएल और डीवीसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे। सिविल क्वालिटी लैब की स्थापना थर्मल पावर प्लांट में सिविल निर्माण कार्यों की गुणवत्ता नियंत्रण और आश्वासन प्रणाली को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सिविल क्वालिटी प्रयोगशाला का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी सिविल निर्माण कार्य – जैसे फाउंडेशन, स्ट्रक्चर, सड़कें, भवन, जलाशय संरचनाएँ, कूलिंग टॉवर तथा अन्य महत्वपूर्ण अवसंरचनाएं – निर्धारित गुणवत्ता मानकों और डिजाइन विशिष्टताओं के अनुरूप हों। यह प्रयोगशाला निर्माण, रखरखाव और पुनर्निर्माण के सभी चरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्य उद्देश्य:
सभी निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एवं नियंत्रण रखना। संबंधित IS कोड्स / इक्र मानकों तथा परियोजना विशिष्टताओं के अनुपालन की पुष्टि करना। ऑडिट, सतर्कता एवं सुरक्षा उद्देश्यों के लिए गुणवत्ता अभिलेखों का संधारण। मिक्स डिजाइन, मिट्टी परीक्षण एवं सामग्री अनुमोदन प्रक्रियाओं में तकनीकी सहयोग प्रदान करना।

एक नजर

खुंटरी जंगल से एल्युमिनियम तार चोरी करते दो गिरफ्तार

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत खुंटरी महाकाल पेट्रोल पंप के पास जंगल झाड़ी क्षेत्र में पुलिस ने चोरी के एल्युमिनियम तार के साथ दो अभियुक्तों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मंगलवार देर शाम थाना प्रभारी बिपिन चंद्र महतो के नेतृत्व में की गई। जानकारी के मुताबिक थाना के स0अ0नि0 इमानुएल मुर्मू सशस्त्र बल के साथ संध्या गश्ती में थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि एक पिकअप वाहन संदिग्ध रूप से जंगल की ओर खड़ा है। सूचना पर तत्परता दिखाते हुए थाना प्रभारी जरीडीह ने दल-बल के साथ मौके पर पहुँचकर घेराबंदी की और छापामारी की कार्रवाई की।पुलिस ने मौके से दो व्यक्तियों– बैजनाथ मुर्मू और महानंद मांझी को गिरफ्तार किया। उनके पास से एक महिंद्रा पिकअप , चार बंडल एल्युमिनियम एक्सटेंशन तार, एक लोहे काटने वाला कटर, एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल तथा एक सीएमएफ कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। इन्हें बीएसपीएल कंपनी के रखे गए तार चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। थाना जरीडीह पुलिस ने दोनों आरोपितों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

वाहन जांच अभियान चलाकर डीटीओ ने वसूली 1 लाख 17 हजार रुपये का जुर्माना

बोकारो : राष्ट्रीय राज्यमार्ग 32 पर चास प्रखंड अंतर्गत पुपुनकी टॉल प्लाजा पर जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज द्वारा बुधवार को चलाए गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान कुल 14 वाहनों से 1 लाख 17 हजार रुपए का जूमार्ना लिया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज द्वारा जांच अभियान चलाकर मोटरवाहन अधिनियम के विभिन्न नियमों के उल्लंघन में कुल 14 वाहन से 1 लाख 17 हजार रुपए जुमार्ना वसूला गया। डीटीओ के नेतृत्व में अभियान के तहत कुल 47 वाहनों की जांच की गई, जिसमें फिटनेस सर्टिफिकेट, रिफ्लेक्टिव टेप, ओवर लोडिंग, इंश्योरेंस फेल एवं टैक्स फेल होने को लेकर 14 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जुमार्ना वसूला लिया गया।

तुपकाडीह के काली मंदिर में शुरू हुई भव्य पूजा की तैयारियां

बोकारो : तुपकाडीह के जागृति नगर स्थित श्री श्री सार्वजनिक काली मंदिर में इस वर्ष भी मां काली पूजा उत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। वर्ष 1980 में निर्मित इस मंदिर में हर साल श्रद्धालु बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। गांव के स्थानीय निवासी सीताराम महतो ने बताया कि मंदिर की स्थापना दिवंगत अघनु महतो, आहलाद महतो, हरि महतो, झुण्डल महतो, नेमचंद महतो और सुकर महतो की पहल पर एक छोटी प्रतिमा स्थापित कर की गई थी, जो अब एक भव्य परंपरा बन गई है। इस वर्ष मंदिर का पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है। आयोजन समिति के सदस्य बिरेन्द्र महतो ने बताया कि वर्तमान में मंदिर की रंगाई-पुताई और मूर्ति निर्माण का कार्य जारी है तथा श्रद्धालुओं और ग्रामवासियों से सहयोग स्वरूप अनुदान एकत्र किया जा रहा है। आस्था का केंद्र बना यह मंदिर आसपास के गांवों—खुटरी, मानगो, तांतरी, कनारी और कुंडोरी—से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

पोक्सो एक्ट के आरोपी आकाश मुंडा रिहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के विशेष न्यायाधीश सह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवेश कुमार त्रिपाठी की अदालत ने आज पोक्सो एक्ट के तहत दायर मामले पोक्सो 45/2024 में विचारण के पश्चात साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। यह फैसला पोक्सो एक्ट के विशेष कोर्ट ने सुनाया, जिसमें मुंडा के वरीय वकील रणजीत गिरि द्वारा पेश किए गए तर्कों को सही ठहराते हुए रिहा करने का आदेश दिया। आकाश मुंडा शिक्षक पर आरोप था कि एक नाबालिक लड़की को भागने का आरोप लगा था। घटना का पृष्ठभूमि घटना अप्रैल 2024 की है, जब बोकारो के एक आवासीय इलाके में एक नाबालिक लड़की ने आकाश मुंडा पर पोक्सो एक्ट की धारा 8 और 12 एवं 363/366ए आई पी सी के तहत सेक्टर 12 थाना कांड संख्या 48/24 शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने तुरंत मुंडा को गिरफ्तार कर लिया था और मामला विशेष अदालत में विचाराधीन था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य जुटाए थे, लेकिन मुंडा के बचाव पक्ष के वकील रणजीत गिरि ने दावा किया कि मामला बनावटी था और भयादोहन करने के नियत से किया गया था। बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में निर्दोष को सजा नहीं दी जा सकती। साक्ष्यों की समीक्षा के बाद रिहा कर दिया गया। इस फैसले के बाद आकाश मुंडा के परिवार ने खुशी जाहिर की। उनके भाई महेश मुंडा ने कहा, हमारा भाई निर्दोष है। यह फैसला न्याय की जीत है। सनद रहे कि पोक्सो एक्ट 2012 में लागू हुआ था, जो नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों को रोकने के लिए बनाया गया।

डॉ राजेन्द्र प्रसाद स्कूल में रोबोटिक्स लैब का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डॉ राजेन्द्र प्रसाद स्कूल सेक्टर 9 रानीपोखर में बुधवार को रोबोटिक्स लैब का उदघाटन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बोकारो रेलवे के क्षेत्रीय रेल प्रबंधक विनीत कुमार ने रोबोटिक्स लैब समेत इंगलिश लैंग्वेज लैब का विधिवत उदघाटन किया। उन्होंने कहा रोबोटिक्स लैब से स्कूली छात्र काफी लाभान्वित होंगे। इस रोबोटिक्स लैब के माध्यम से स्कूली छात्र-छात्राएं नए नए चीज बनो को सीख सकेंगे। रोबोटिक्स लैब में शिक्षकों के सहयोग से छात्रों की ओर से बनाए गए ड्रोन के बारे में उन्होंने कई प्रश्न किए जिसे छात्रों ने अपने तरह से उत्तर भी दिया। इस पर उन्होंने कहा इस ड्रोन के माध्यम से जिस जगह पर लोग जा नहीं सकेंगे उससे वे पहुंच सकेंगे। साथ ही एग्रीकल्चर के क्षेत्र में भी इसका उपयोग आसानी से किया जा सकेगा। उन्होंने स्कूल में आने जाने में हो रही कठिनाई को लेकर इसका निवारण जल्द करने का आश्वासन दिया। इंगलिश लैंग्वेज लैब का भी उदघाटन करते हुए उन्होंने कहा इससे अब छात्रों को अग्रेजी बोलने में काफी आसानी होगी। स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार ने एआरएम का स्वागत करते हुए कहा रोबोटिक्स लैब के शुरू होने से अब छात्र-छात्राएं इसका भरपूर लाभ ले सकेंगे। इसके अतिरिक्त कंप्युटर लैब में इंगलिश लैंग्वेज लैब का भी उदघाटन किए जाने से अब छात्र अंग्रेजी को अच्छी तरह से बोलना व पढ़ना सीख सकेंगे। मौके पर स्कूल के उप प्राचार्य आलोक चतुर्वेदी, शिशु भारती स्कूल के प्राचार्य शशिकांत देव,प्रभारी बिंदु सिंह, सरिता सिन्हा, गीता सिंह, वीणा कुमारी, राखी कुमारी, साक्षी कुमारी, अन्नु सिंह, विश्वजीत शर्मा, रोहित पाण्डेय, रीता पांडेय समेत अन्य शामिल रहे।

ग्रिजली विद्यालय में पूर्व छात्र मिलन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : ग्रिजली विद्यालय के सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह उत्साह और आत्मीयता के साथ सम्पन्न हुआ। यह आयोजन पुराने छात्रों के पुनर्मिलन का अवसर तो बना ही, साथ ही वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का माध्यम भी रहा।कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत सत्र से हुई, जिसके पश्चात पूर्व छात्रों ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर वर्षों में हुए विकास कार्यों की सराहना की।दीप प्रज्वलन का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक अविनाश सेठ एवं मनीष कापसीमे, सीईओ प्रकाश गुप्ता, सीओओ तनिष्क सेठ, वरिष्ठ समन्वयक विजय कुमार सिंह एवं जितेन्द्र चौधरी, सेवा प्रकोष्ठ समन्वयक सुधांशु कुमार, सीसीए कोऑर्डिनेटर आर.आर. सिंह, तथा गोसा के पदाधिकारी आलोक कुमार, सीमा कुमारी और योगेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।कक्षा ग्यारहवीं की छात्राएँ नेहा और रिया कुमारी ने शिक्षिका मनीषा चंद्रा के निर्देशन में मंच संचालन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में स्वागत गीत जिविका एवं समूह, वाद्य संगीत अर्णव एवं समूह, योग प्रदर्शन आदित्य एवं समूह, गरबा नृत्य लिपी एवं समूह, तथा डांडिया नृत्य शंभवी, श्रेष्ठा, दक्षिता, सिद्धि, अवंतिका, रिया, डॉली और अनुष्का द्वारा प्रस्तुत किया गया। टॉक-बैक सत्र में पूर्व छात्रों गुर्नीत छाबड़ा और चंदन कुमार ने अपने विचार साझा किए। गुर्नीत छाबड़ा ने कहा कि, ग्रिजली विद्यालय ने हमें केवल शिक्षा नहीं दी, बल्कि जीवन के हर मोड़ पर आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। आज मैं जो भी हूँ, उसमें इस संस्थान का अमूल्य योगदान है। वहीं चंदन कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प ही सफलता की कुंजी है। विद्यालय में सीखे अनुशासन और मूल्यों ने मेरे जीवन को दिशा दी है।

भारत के मिसाइल मेन ए पी जे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति सह राष्ट्र के महान वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद् डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम जी की जयंती आंतरिक गुणवता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में श्रद्धाभाव से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ मृदुला भगत सहित सभी सहायक प्राध्यापक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी द्वारा पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ मृदुला भगत ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ कलाम प्रत्येक भारतीय के लिए आदर्श हैं जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानवता की सेवा हेतु समर्पण के साथ राष्ट्र के विकास हेतु विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं शैक्षणिक योगदान दिया है युवा वर्ग को उनके पदचिन्हों पर चलकर अपना भविष्य का को उत्कृष्ट बना सकते हैं। महाविद्यालय के आंतरिक गुणवता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ मनीष कुमार पासवान ने कहा कि ए पी जे अब्दुल कलाम न केवल महान वैज्ञानिक थे, बल्कि एक महान शिक्षक के साथ प्रसिद्ध लेखक भी थे। उन्होंने सदैव युवावर्ग को कड़ी मेहनत के बल पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी साथ ही कहा कि कठिन परिश्रम, ईमानदारी और लक्ष्य के प्रति समर्पण से कोई भी असंभव कार्य संभव किया जा सकता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक डॉ रविकांत तिवारी, डॉ पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ पवन कुमार, डॉ गौतम, डॉ पूजा कुमारी, मनीष कुमार सिन्हा, खुशबू कुमारी सिन्हा, संजीत कुमार, सीताराम यादव एवं चुन्नु कुमार सहित सभी शिक्षेकेतर कर्मचारी सूचित कुमार, दीपक कुमार पाण्डेय, आलम मुख्तार, सुधीर साव, विवेक कुमार एवं ओंकार कुमार आदि उक्त अवसर पर उपस्थित रहे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत "जागृति" क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत बी एस एल के कार्मिकों के लिए "सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी" विषय पर जागृति क्विज प्रतियोगिता का आयोजन मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में किया गया. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक विकास मनवटी के साथ मुख्य महाप्रबंधक सुश्री नीता बा, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ ज्ञानेश झा तथा सतर्कता विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में कुल 32 टीमों के 64 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। अधिशासी निदेशक विकास मनवटी ने सभी को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी और संबोधित किया। जागृति क्विज प्रतियोगिता में क्विज मास्टर के रूप में आनंद राज, सहायक महाप्रबंधक तथा शुभम वर्मा, वरीय प्रबंधक उपस्थित थे। क्विज प्रतियोगिता का उद्देश्य सभी प्रतिभागियों के बीच संगठन की प्रणाली एवं प्रक्रिया, आचार एवं नीति, शासन, आचरण नियम, साइबर सुरक्षा, क्रय, इस्पात ब्यवसाय, रिश्वत विरोधी प्रबंधन प्रणाली, नैतिकता और सतर्कता संबंधी विषय पर जागरूकता का प्रसार करना था। क्विज प्रतियोगिता जागृति में शुभम, वरीय प्रबंधक और अमन कुमार मिश्रा, वरीय प्रबंधक की टीम को प्रथम, डी चौधरी, महाप्रबंधक और राजीव गौतम, महाप्रबंधक की टीम को द्वितीय तथा सुश्री प्रेरणा कुमारी, वरीय प्रबंधक और सुश्री जी स्नेहा राजू, वरीय प्रबंधक की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के सभी विजेताओं को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा. क्विज प्रतियोगिता जागृति में कार्यक्रम का सञ्चालन सुश्री सौम्या खाटी, प्रबंधक तथा धन्यवाद ज्ञापन वरीय प्रबंधक सुश्री चित्रा पराशर के द्वारा किया गया।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी करवाई मानव तस्करी का प्रयास विफल, धर्मेंद्र मांझी गिरफ्तार

बोकारो: मंडल सुरक्षा आयुक्त आद्रा ओम प्रसाद मोहंती के निर्देश पर बोकारो आरपीएफ पोस्ट कमांडेंट संतोष कुमार के नेतृत्व में 13 अक्टूबर को बोकारो स्टेशन पर चलाए गए विशेष अभियान में मानव तस्करी का मामला उजागर हुआ। टीम में एसआई अरुणा उरांव, एचसी डी.के. सॉ, सीटी विष्णु, एलसी सुषमा, सीआईबी यूनिट आद्रा के एचसी एन.के. मंडल, सीटी अटल कुमार, एलपीएस बालीडीह और चाइल्ड हेल्प डेस्क बोकारो के सदस्य शामिल थे।शाम 6:12 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर पहुंचे ट्रेन संख्या 17322 (जसीडीहझ्रवास्को-द-गामा एक्सप्रेस) के जनरल कोच की जांच के दौरान दो नाबालिग लड़के संदिग्ध हालात में पाए गए। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम सिंटू कुमार (17) और बीरबल कुमार (16), निवासी ग्राम निजुवारा, थाना कैरा, जिला जमुई (बिहार) बताया।दोनों ने खुलासा किया कि वे अपने गांव के धर्मेंद्र मांझी (32) के साथ सिकंदराबाद जा रहे थे, जहां उन्हें काम दिलाने और जेब खर्च के लिए 200 रुपये दिए गए थे। जांच में पता चला कि धर्मेंद्र मांझी बच्चों को माता-पिता की जानकारी के बिना बंधुआ मजदूरी के लिए ले जा रहा था और इस काम के बदले कमीशन प्राप्त करता है।आरपीएफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए धर्मेंद्र मांझी को गिरफ्तार कर दोनों नाबालिगों को सुरक्षित अभिरक्षा हेतु चाइल्ड हेल्प डेस्क बोकारो को सौंप दिया। धर्मेंद्र मांझी के खिलाफ जीआरपी पोस्ट बोकारो में मामला संख्या 19/25 दिनांक 14.10.2025 दर्ज कर धारा 137(2)/143/144 बीएनएस एवं 3/4 बंधुआ मजदूरी प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत रांची में न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

अबुआ आरोग्य मेला में प्रखंड विकास पदाधिकारी का निरीक्षण

कोडरमा : मरकच्चो उपायुक्त कोडरमा के निदेशानुसार प्रखंड मरकच्चो के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरकच्चो में अबुआ स्वास्थ्य मेला का आयोजन सोमवार से प्रारंभ हुआ। इस मेले में दिन बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो के द्वारा निरीक्षण किया गया एवं आवश्यक निदेश देते हुए लोगों से अपील की कि मेले में ज्यादा से ज्यादा मरीज भाग ले एवं मेले का फायदा उठाए। इस मेले का एक मात्र उद्देश्य स्वास्थ्य सुविधा का लाभ ग्राम स्तर तक पहुंचाया जाना है।मेले का आयोजन दिनांक 13/10/2025 से 18/10/2025 तक किया जाएगा। दिनांक 15/10/2025 को बाल रोग चिकित्सा के लिए डॉ नीरज चंद एवं प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डॉ मोनिका मिश्रा उपस्थित रहे।मेले का आयोजन पूर्वाह्न 9:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक होगा। इस मेले मे बुधवार को कुल 226 मरीजों का इलाज किया गया। जगहों के चौक चौराहों पर दो पहिया वाहनों सहित चार पहिया वाहनों की जांच की गई, जिसमें हेलमेट, रजिस्ट्रेशन, पॉल्यूशन, लाइसेंस, सीट बेल्ट, रिफलेक्टिव टेप सहित अन्य की जांच की। इस दौरान दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के साथ चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने का निर्देश भी दिया गया।

डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बोकारो : सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के उपलक्ष्य में चल रहे तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा बुधवार को डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-09 /ए, में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के 70 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों सतर्कता, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार मुक्त भारतद्द विषय पर अपने विचारों को रंगों के माध्यम से रचनात्मकता के साथ सुंदर और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बीएसएल के ज्ञानेश झा, मुख्य महाप्रबंधक एवं एसीवीओ, शनि रंजन, सहायक महाप्रबंधक के साथ सुनील कुमार, प्राचार्य एवं सतर्कता विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित थे। विद्यालय के शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की और इसे बच्चों में नैतिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास बताया। कार्यक्रम का आयोजन सतर्कता विभाग की टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम के विजेताओं को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम का सञ्चालन डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-09 /ए के विद्यार्थियों के द्वारा किया गया।

200 करोड़ के जीएसटी फजीर्वाड़े में व्यापारी गया जेल

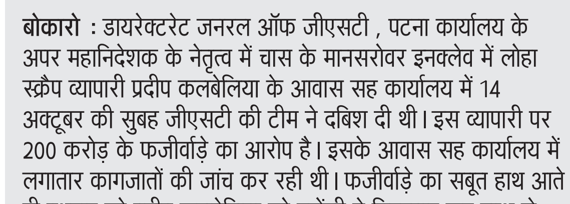

बोकारो : डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी , पटना कार्यालय के अपर महानिदेशक के नेतृत्व में चास के मानसरोवर इनक्लेव में लोहा स्क्रैप व्यापारी प्रदीप कलबेलिया के आवास सह कार्यालय में 14 अक्टूबर की सुबह जीएसटी की टीम ने दबिश दी थी। इस व्यापारी पर 200 करोड़ के फजीर्वाड़े का आरोप है। इसके आवास सह कार्यालय में लगातार कागजातों की जांच कर रही थी। फजीर्वाड़े का सबूत हाथ आते ही बुधवार को प्रदीप कलबेलिया को एजेंसी ने गिरफ्तार कर साथ ले गई। इस टीम को लीड करने वाले अधिकारी ने बताया कि प्रदीप के दो सहयोगियों अवनीत और फैसल को 14 जुलाई को ही हिरासत में लिया जा चुका है। इन पर आरोप है कि ये फर्जी शेल कम्पनियों के द्वारा 200 करोड़ की इसने हेराफेरी कर करीबन 45 करोड़ रुपए जीएसटी का गबन किया है। एजेंसी के सूत्रों की माने तो यह एक बड़ा घोटाला है जिसने शेल कंपनी की सिंडिकेट काम कर घपले को अंजाम दे रही थी। संभावना है कि इसकी जांच में कई सफेदपोशों के नाम शामिल हो।

हजारीबाग में आज जलेगा देशभक्ति का दीप हजारों दीयों से सजेगा शहीद स्मारक परिसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : दीपावली से ठीक पहले, देश के वीर अमर शहीदों की शहादत को नमन करने और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए हजारीबाग में लगातार 9वें साल भव्य कार्यक्रम आपका एक दीया शहीदों के नाम का आयोजन आज 16 अक्टूबर 2025, गुरुवार को किया जा रहा है। स्थानीय हजारीबाग परिषद के सामने स्थित शहीद स्मारक परिसर में शाम 4:30 बजे से यह भावपूर्ण कार्यक्रम शुरू होगा। जहाँ हजारों दीया एक साथ 5:30 बजे जलेगा और यहां शौर्य और राष्ट्रप्रेम का उजास फैलेगा । आयोजन समिति से जुड़े सांसद मनीष जायसवाल के

लोकसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया कि इस वर्ष भी कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मूक-बधिर और दिव्यांग बच्चों द्वारा भावनाओं के रंगों से तैयार किए गए आकर्षक दीये होंगे, जिन्हें सामूहिक रूप से जलाकर शहीदों को याद किया जाएगा। रंजन चौधरी ने बताया कि शहीदों को श्रद्धांजलि देने हेतु हजारीबाग का सुप्रसिद्ध आरंभ बैंड अपने कलाकारों के साथ विशेष देशभक्ति तरानों की प्रस्तुति देगा। इसके अतिरिक्त कई नन्हें बाल कलाकार और स्कूली बच्चे भी देशभक्ति गीत संगीत की मनोहारी प्रसुति देंगे जिससे शहीद स्मारक परिसर देशभक्ति जोश से गुंजायमान हो उठेगा। कार्यक्रम के आयोजनकर्ता के रूप में अजय कुमार साहू, किशोरी राणा, रंजन चौधरी, प्रोफेसर शंकर चंद्र पाठक (पूर्व विधायक प्रतिनिधि) और युवा पत्रकार रवि कुमार शामिल हैं। इसके आयोजन से जुड़े रहें स्वर्गीय विजय कुमार को भी आयोजनकर्ताओं द्वारा याद किया जा रहा है। आयोजनकताओं ने बताया कि कार्यक्रम से पूर्व शहीद स्मारक स्थल की विशेष साफ-सफाई की जाती है, जिसमें नगर निगम और झील सफाई समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। रंजन चौधरी ने हजारीबाग वासियों से अपील की है कि इस भावपूर्ण और गरिमामयी कार्यक्रम में सम्मिलित होकर देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को अंतर्मन से श्रद्धांजलि अर्पित करें, वहीं यह संकल्प भी लें कि इस दीपावली पर अपने-अपने घरों में अमर शहीदों की याद में एक दीया अवश्य जलाएँगे। कार्यक्रम में देशभक्ति थीम पर बने सेल्फी प्वाइंट और रंगोली भी आकर्षण का केंद्र होंगे। पूरे शहीद स्मारक स्थल को आकर्षक रूप से सजाया जाएगा।

एक नजर

सोने-चांदी के गहने और नकद 78 हजार की चोरी

हजारीबाग : सदर थाना क्षेत्र के कानी बाजार न्यू कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। पीड़ित आदित्य कुमार सिन्हा ड्यूटी पर गए थे, तभी अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के गहने और नकद 78 हजार रुपये और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज चुरा लिए। घर लौटने पर टूटे-फूटे सामान और खाली कमरे को देखकर परिवार सदमे में हैं। घटना के समय उनके परिवार के अन्य सदस्य शिवपुरी अपने नानी के घर गए हुए थे। पीड़ित ने सदर थाना हजारीबाग में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से तुरंत कार्रवाई कर चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

बच्ची के गले में फंसा दो रुपये का सिक्का डॉक्टर ने बचाई जान

पलामू : जिले के हुसैनाबाद के अनुमंडलीय अस्पताल में मंगलवार को एक आठ वर्षीय बच्ची की जान डॉक्टर की तत्परता और कुशलता से बच गई। हुसैनाबाद शहर के इस्लामगंज मोहल्ले के स्व. सगीर आलम की पुत्री आठ वर्षीया पुत्री सबरीन परवीण खेलते समय गलती से दो रुपये का सिक्का निगल गई, जो उसके गले में फंस गया। बच्ची को सांस लेने में कठिनाई होने लगी, तो परिजन आनन फानन में उसे लेकर अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचे। उस समय आपातकालीन ड्यूटी पर डॉ. विकास कुमार मौजूद थे। उन्होंने एक घंटे तक प्रयास किया, लेकिन सिक्का निकल नहीं पाया। इस बीच अनुमंडलीय अस्पताल में ही कार्यरत डा. मंजूर आलम से संपर्क किया गया। उन्होंने तत्काल अस्पताल पहुंचकर गले का एक्स-रे कराकर सिक्का निकालने का प्रयास शुरू किया। मात्र दो मिनट के भीतर उन्होंने सफलतापूर्व गले से सिक्का निकाल दिया।

संक्षिप्त खबरें

मुरी ओपी में नए थाना प्रभारी राहुल कुमार मेहता ने संभाली जिम्मेदारी

सिल्ली : मुरी ओपी में नए प्रभारी के रूप में राहुल कुमार मेहता ने आपना योगदान दिया ।वे पूर्व में बुंडू थाना में पदस्थापित थे ।योगदान देते हुए उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा की क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करना एवं क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाना साथ ही साथ ग्रामीणों के साथ व्यवहार पूर्वक पेश आना और उनकी समस्या को त्वरित समाधान करना। इसके पूर्व में गगन कुमार ठाकुर मुरी ओपी में पदस्थापित थे जिनका स्थानांतर रांची हो गया है।

रेलवे क्रॉसिंग 20 बी 3 पर मेंटेनेंस कार्य के कारण 45 मिनट तक बंद, यातायात प्रभावित नहीं

सरिया : वरीय अनुभाग अभियंता रेल पथ (पूर्व मध्य रेलवे) हजारीबाग रोड द्वारा पूर्व से जारी आदेश के अनुसार बुधवार को 11:30 बजे से लेकर 1:30 तक रेलवे गुमटी 20 बी 3 टी बंद रहने की घोषणा किया गया था. जिसे लेकर रांची देवघर दुमका मार्ग पर सामान्य दिनों की अपेक्षा वाहनों का परिचालन कम हुआ। बाबजूद स्थानीय प्रशाशन द्वारा रेलवे फाटक पर लगने वाले भयंकर जाम की समस्या को देखते हुए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया गया था ।मेंटेनेंस का कार्य 11:30 बजे से 1:30 बजे के बीच रेलवे क्रॉसिंग के बंद रहने की घोषणा की गई थी। परंतु यह कार्य दोपहर 1:15 से लेकर 2:00 बजे दिन के बीच संपन्न हो गया ।इस संबंध में वरीय अनुभाग अभियंता रेल पथ (हजारीबाग रोड) आलोक कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा जिस उद्देश्य से रेलवे फाटक को दोपहर 2 घंटे तक बंद रखने की घोषणा की गई वह उद्देश्य महज 45 मिनट के अंदर ही कर लिया गया ।इस दौरान कुछ घंटे तक के लिए ही फाटक कुछ दूरी पहले पूर्व दिशा में रेलवे ट्रैक पर कार्य होने के कारण प्रभावित रहा ।जिसके कारण रेलवे फाटक दिन भर सामान्य स्थिति में चला और लोगों का सुगमता पूर्वक आना जाना लगा रहा। हालांकि संभावित जाम की समस्या से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन तत्पर रही। दो पहिया वाहन रेलवे अंडर ब्रिज से होकर आवागमन करते रहे। लगातार तीन दिनों तक रेलवे मेंटेनेंस कार्य को लेकर कुछ समय के लिए बाधित हुई आवागमन को लेकर रेलवे अधिकारियों ने खेद प्रकट किया है।

जनता दरबार में पहुंचे लोगों की समस्याएं डीसी ने 15 दिनों में दूर करने का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : उपायुक्त समीरा एस ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में साप्ताहिक जनता दरबार लगाकार विभिन्न प्रखंडों से आये लोगों की समस्याओं सुनी। उपायुक्त ने मौके पर ही संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवेदनों की प्रति अग्रसारित करते हुए त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई 15 दिनों के भीतर करने की बात कही। मनातू से आयी विधवा महिला ने बताया कि गरीबी के कारण उनके पति गुड्डू यादव दो माह पहले रोजगार की तलाश में हिमाचल प्रदेश गये थे। 27 सितंबर को हिमाचल प्रदेश में ही उनकी मृत्यु हो गयी। इस क्रम में गांव के लोगों से ही कर्ज लेकर उनके शव को मनातू लाकर दाह-संस्कार किया गया। उनके पति के आय से ही उनका घर-बार चलता

था। उसपर कर्ज वापस करने का भी दवाब है। उन्होंने डीसी से श्रम प्रावधानों के अनुरूप मुआवजा राशि देने का अनुरोध किया। इसी तरह राहुल प्रसाद ने डीसी के समक्ष अबुआ आवास की राशि किसी दूसरे व्यक्ति के खाते में भेजे जाने की शिकायत की। चैनपुर से आये गौरव कुमार पांडेय ने बताया कि वे पीएम कुसुम योजना के लाभुक हैं। वर्ष 2022 में उन्हें इसका लाभ दिया गया था, लेकिन वेंडर ने अब तक उनके खेत में सोलर पंप नहीं लगाया गया है। इसी तरह विभिन्न अंचलों से पहुंची महिलाओं ने मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना का पैसा नहीं मिलने के संबंध में आवेदन दिया ।इन सभी आवेदनों को जांच के लिए सामाजिक सुरक्षा के यहां भेज दिया गया। जनता दरबार में भूमि विवाद, सार्वजनिक रास्ता रोकने, अयोग्य लाभुकों को पीएम आवास दिये जाने, दाखिल खारिज, राजस्व, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति, पेयजल, शिक्षा, कल्याण विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त किये गये।

कुरमी को आदिवासी का दर्जा देने की मांग के विरोध में समिति ने निकाली रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : कुरमी समाज को आदिवासी का दर्जा देने की मांग का लगातार आदिवासी संगठनों की ओर से विरोध किया जा रहा है। इसी क्रम में झारखंडी आदिवासी बचाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ ने बुधवार को मेदिनीनगर में जन आक्रोश रैली निकाली। रैली में कुरमी समाज के विरोध में प्रदर्शन किया गया। महासंघ से जुड़े महिला-पुरूष अपने हाथों में विरोध स्वरूप लिखे गए नारों से संबंधित तख्तियां लिए हुए थे। कार्यक्रम में आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो और विधायक जयराम महतो का पुरजोर विरोध किया गया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि कुरमी आदिवासी नहीं हैं और बनने भी नहीं देंगे। यदि राज्य और केन्द्र सरकार आदिवासियों का हक छिनकर कुरमी को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने का प्रयास करेगी तो सरकार की कुर्सी छीन लेंगे।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

ई– अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– RDSPL/SD/HZB/11/2025-26

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

ग्रुप सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या /पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	RDSPL/SD/ HZB/11/2025-26	डाड़ी	प्राथमिक विद्यालय, होन्हेमोढ़ा में चार अतिरिक्त कमरे का निर्माण एवं उन्नयन कार्य।	7187400.00	143800.00	10000.00	08 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 29.10.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 29.10.2025 से दिनांक 07.11.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –08.11.2025 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430154806
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR 364169 Rural Development(25-26)#D

संत माईकल +2 स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : मुरी 15 अक्टूबर को संत माईकल +2 स्कूल, मुरी में रंगोली एवं दीप जलाओ दीप सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।प्रतियोगिता को लेकर विद्यार्थीओ में काफी उत्साह नजर आया। इस प्रतियोगिता में कक्षा तृतीय से बारहवीं तक के छात्र एवं छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया जिसमें चार ग्रुप बनाए गए थे। डॉ. भीमराव अंबेदकर ग्रुप, भगत सिंह ग्रुप,स्वामी विवेकानंद ग्रुप एवं डॉ ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ग्रुप सभी ने अपने कला कौशल का परिचय दिया। इसमें बच्चों ने खूबसूरत एवं तरह तरह के सुंदर डिजाइनो से परिपूर्ण रंगोली बनाए । इस प्रतियोगिता के लिए निर्णायक मंडली का भी गठन किया गया था जिसमें शिक्षिका मनीषा सिंह, वंदना कुमारी, मंजू कुमारी एवं आस्था साहु मुख्य रूप से सम्मिलित थे।

विद्यालय के निर्देशक राकेश कुमार ने रंगोली का निरक्षण कर बच्चो का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से न केवल रुचि बढ़ती है बल्कि बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा का भी निखार होता है। विद्यालय के प्राचार्य सि. एल. प्रजापति ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की एवं कहा कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विभिन्न कलाओं का विकास करना है। विद्यालय के प्रबंधक डॉ रूपेश कुमार ने सभी शिक्षको को इस तरह के प्रतियोगिता का आयोजन करने के लिए और बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिए एवं कहा कि भविष्य में भी कला के प्रति रुचि का प्रोत्साहन करते रहना है, रंगोली भारत की प्राचीन संस्कृति हैं और हमारा उद्देश्य अपनी संस्कृति और परंपरा से बच्चों को जोड़े रखना है। मौके पर सभी शिक्षिक शिक्षिकाए एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

सीआरआई कंपनी के डुप्लीकेट सामान बरामद, दो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के शहर थाना क्षेत्र में पुलिस और सीआरआई कंपनी के पदाधिकारियों ने डुप्लीकेट सामान बेचे जाने को लेकर संयुक्त कार्रवाई की। इस क्रम में छह लाख रुपये के नकली सामान बरामद किए गए। डुप्लीकेट सामान बेचने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। नकली (डुप्लीकेट) सामानों में 89 बंडल (950 मीटर) तार और 81 समरसेबल पंप स्टार्टर शामिल है। छापेमारी शहर के कन्नी राम चौक स्थित भारत मशीनरी और बेलवाटिका चौक पर स्थित मॉडर्न लाइफ स्टाइल दुकान के गोदाम में की गई। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि विनोद कुमार तिवारी ने बुधवार को बताया कि कंपनी को पिछले कई महीनों से ग्राहकों से शिकायत मिल रही थी कि बाजार में सीआरआई के नाम पर डुप्लीकेट तार और मोटर स्टार्टर बेचे जा रहे हैं। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को मेदिनीनगर भेजकर तीन महीने तक गुप्त जांच कराई। जांच के बाद कंपनी ने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और संयुक्त टीम ने दोनों दुकानों पर छापेमारी की। नकली प्रोडक्ट न केवल ग्राहकों को आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि उनकी सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा साबित हो सकते हैं। बिजली से जुड़े उपकरणों में नकली सामान का इस्तेमाल शॉर्ट सर्किट और आगजनी की घटनाओं को जन्म दे सकता है। शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने बताया कि सीआरआई लिमिटेड कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि विनोद तिवारी की ओर से दिए गए आवेदन पर शहर थाना क्षेत्र के कुंड मोहल्ला निवासी राहुल कुमार राज और दो नंबर टाउन निवासी दीपक कुमार पांडेय मामला दर्ज कराया गया है। दिल्ली स्थित कंपनी को सूचना प्राप्त हुई कि पलामू में कंपनी के नाम पर डुप्लीकेट सामान बेचे जा रहे हैं। इसके बाद कंपनी के आग्रह पर कार्रवाई की गयी।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)

-:: अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना ::-

खूँटी जिले के मुरहू प्रखण्ड के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र/छात्राओं की प्रतिभा में संवर्धण एवं विद्यार्थियों के मौलिक विकास हेतु प्रतिष्ठित पुस्तक प्रकाशकों/आपूर्तिकर्त्ताओं/पुस्तक विक्रेताओं से ज्ञानोपयोगी पुस्तकों के क्रय/आपूर्ति हेतु निम्न प्रकार मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र	निविदा का प्रकार	विद्यालयों की संख्या	पुस्तकों की संख्या	प्राक्कलित राशि	प्रतिभूति राशि (@ 2 % of Estimated Cost)	निविदा प्राप्त करने का अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खोलने का तिथि एवं समय	Procurement Procedure
1	खूँटी जिले मुरहू प्रखण्ड के सरकारी विद्यालयों में पुस्तकों का क्रय	26	कुल 124 पुस्तक प्रति विद्यालय (चार सेट में)	52,00,000	1,04,000	03.11.2025 till 11:30 AM	03.11.2025 at 03:00 PM	Single Stage Two Envelop Basis

निविदा की शर्ते निम्नवत् है :–
1. सभी निविदायें द्विलिफाफा प्रणाली (Double Envelop System) के अनुसार डाली जायेगी।
2. निविदादाता एक लिफाफे पर साफ शब्दों में "तकनीकी बीड" (Technical Bid) लिखकर उसमें मांगे गये सारे कागजात एवं प्रमाण पत्र (प्रतिभूति राशि का ड्राफ्ट सहित) डालेंगे एवं उसे मुहरबंद करेंगे तथा उस पर अपना नाम एवं पता साफ–साफ अंकित करेंगे।
3. दूसरे लिफाफे पर साफ शब्दों में "वित्तीय बीड" (Financial Bid) अंकित करेंगे। उस लिफाफे में पुस्तकों का दर वित्तीय निविदा के शर्ते के क्रमांक 01 के अनुसार अंकित करेंगे और उसे लिफाफे में डालकर मुहरबंद करेंगे। उस लिफाफे में दर के अलावे कोई अन्य कागजात नहीं डाला जायेगा। उस लिफाफा पर भी नाम एवं पता साफ–साफ अंकित करेंगे।
4. तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड दोनों मुहरबंद लिफाफों को तीसरे लिफाफे में डालकर उस लिफाफे को बंद करेंगे और उस पर साफ–साफ "पुस्तक हेतु निविदा" लिखेगे। लिफाफे पर अपना नाम, पता एवं दूरभाष संख्या अंकित करेंगे। उस लिफाफे को उप विकास आयुक्त, खूँटी के नाम से मुहरबंद कर निबंधित डाक या स्पीड पोस्ट से अथवा व्यक्तिगत रूप से उप विकास आयुक्त, खूँटी का कार्यालय विकास शाखा खूँटी को भेजेगे/जमा करेंगे।
5. निविदा से संबंधितएवं पुस्तकों की सूची की जानकारी के लिए जिला के वेबसाईट www.khunti.nic.in देखा जा सकता है।

ह०/–
उप विकास आयुक्त, खूँटी

PR 364165 District (25-26)_D

सरिया के चार नामों से उलझन, जनप्रतिनिधियों की मांग : एक ही नाम हो 'सरिया', प्रशासन करे सुनवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : झारखंड के गिरिडीह जिले में स्थित सरिया शहर लंबे समय से नामों की बहुलता से जूझ रहा है। स्थानीय लोग इसे सरिया के अलावा हजारीबाग रोड, बड़की सरैया नगर पंचायत और सरिया बगोदर अनुमंडल के नाम से जानते हैं। इन चार नामों की वजह से सरकारी दस्तावेजों, डाक व्यवस्था, बैंकिंग सेवाओं और यहां तक कि रोजमर्रा के संवाद में भ्रम की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कई बार इस समस्या को उजागर करते हुए एकसमान नामकरण की मांग की है, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर अब

तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अब स्थानीय निवासी उम्मीद कर रहे हैं कि आज की इस मांग पर प्रशासन कान खोलेगा ।सरिया, जो गिरिडीह जिले का एक महत्वपूर्ण अनुमंडल है, अपनी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के लिए जाना जाता है। पूर्व में यह हजारीबाग रोड के नाम से प्रसिद्ध था, जहां बंगाली कोठियों की भरमार थी और व्यापारिक गतिविधियां जोरों पर थीं। हाल ही में इसे बड़की सरैया नगर पंचायत के रूप में विकसित किया गया, जबकि सरिया बगोदर अनुमंडल इसका प्रशासनिक नाम बन गया। लेकिन इन नामों की विविधता ने आम आदमी के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। उदाहरण के तौर पर, एक निवासी को सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए एक नाम से आवेदन करना पड़ता है, तो दूसरे नाम से पहचान पत्र जमा करना पड़ता है। इससे देरी, त्रुटियां और कभी-कभी लाभ से वंचित रह जाना आम बात हो गई है ।सरिया निवासी कोडरमा के माननीय पूर्व सांसद डॉ रविंद्र कुमार राय ने बताया, यह समस्या दशकों पुरानी है। हमने लोकसभा में भी इस मुद्दे को उठाया था। सरिया का नाम हजारीबाग रोड होने से न केवल कंफ्यूजन होता है, बल्कि विकास योजनाओं का आवंटन भी प्रभावित होता है। ट्रेन से हजारीबाग रोड उतरने वाले लोग हजारीबाग टाऊन चले जाते हैं तथा हजारीबाग टाउन जाने वाले लोग हजारीबाग रोड में उतर जाते हैं जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सरिया को एक ही नाम से पहचान दिलाने की मांग हम लंबे समय से कर रहे हैं। आज फिर से जिला प्रशासन से अपील है कि इसे प्राथमिकता दें। इसी तरह भाजपा नेता परमेश्वर मोदी ने कहा, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। डाक या पेंशन के लिए नाम सही न होने पर घंटों भटकना पड़ता है। एक नाम 'सरिया' ही काफी है, जो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त भी है।

कार्यालय, दक्षिणी छोटानागपुर प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार, राँची

पत्रांक.................. **–: आम सूचना: –** राँची/दिनांक...............

एतद् द्वारा सभी व्यवसायिक वाहन स्वामियों को सूचित करना है, कि अंकेक्षण दल द्वारा आपके राष्ट्रीय प्राधिकरण परमिट के समाप्ति के उपरान्त अभी तक नवीकरण नहीं कराए जाने पर आपत्ति की गई है, जिसकी सूची निम्नवत है–

NON RENEWAL OF NATIONAL PERMIT OF YEAR 2017-18

Sr No.	Vehicle No.	Due Amount	Sr No.	Vehicle No.	Due Amount
1	JH01Z9085	70000	31	JHOIBU 1738	35000
2	JHOIBA 8014	70000	32	JH08B 5504	35000
3	JHOIZ 2296	70000	33	JH17J 6803	35000
4	JHOIAP 3229	17500	34	JH18B 2289	52500
5	JHOIAV 0638	52500	35	JHOIS 0533	17500
6	JHOIAQ 7057	17500	36	JHOIBC 5730	35000
7	JHOIBK 9829	52500	37	JHOICB 6388	35000
8	JHOIBH 0395	35000	38	JH07F 9427	35000
9	JHOIBJ 0949	35000	39	JHOIAB 2655	17500
10	JHOlAP3230	17500	40	JHOICB 7492	35000
11	JHOIBJ 8854	70000	41	JHOICC 4559	17500
12	JHOIBJ 5883	70000	42	JHOIAK 5961	35000
13	JHOIBH 4443	52500	43	JH01AX5133	17500
14	JHOIBJ 9382	52500	44	JH08D 9805	52500
15	JH08B 8285	17500	45	JHOIBP 4977	35000
16	JHOIAU 6808	70000	46	JHOIAV 6774	17500
17	JH01BA8961	35000	47	JHOIW 8526	35000
18	JH01U 0285	70000	48	JHO1BP 0464	35000
19	JHOIU 2660	35000	49	JHOIBA 7961	35000
20	JHOIBN 3593	52500	50	JH01V 0590	35000
21	JHOIAP 8488	35000	51	JHOICE 9872	17500
22	JHOIBJ 0979	70000	52	Jh01ce 6798	17500
23	JHOIAP 3226	52500	53	JHOICJ 9319	17500
24	JHOlBK4214	52500	54	JHOICJ 5580	17500
25	JHOIAF 5460	52500	55	JHOIAM 7661	17500
26	JH01BT2591	52500	56	JHOICC 0593	17500
27	JHOIBP 8572	35000	57	JHOICL 9481	17500
28	JH01BU0703	17500			
29	JHOIBJ 3834	70000			
30	JHOlAX4591	35000			

अतः उपरोक्त सभी वाहनों स्वामियों को अपने वाहनों का परमिट अवधि समाप्ति के उपरांत परिचालित कर रहे है ,वो अपना राष्ट्रीय प्राधिकरण परमिट का नवीकरण सूचना प्रकाशन की तिथि से सात दिनों के अन्दर करा लेंगे। अन्यथा बिना परमिट वाहन परिचालित होते हुए पाए जाने पर उनके विरुद्ध मोटरवाहन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जायेगी।

उप परिवहन आयुक्त–सह–सचिव,
द0छो0प्रा0परि0प्राधिकार, राँची

PR 364204 (Transport)25-26*D

नये युग में भारत और अफगानिस्तान संबंध

अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों में कोई स्थाई मित्र या शत्रु नहीं होता, सभी राष्ट्र समय और परिस्थितियों के अनुसार पारस्परिक व्यवहार करते हैं। इस समय भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है। तालिबान की पहचान आतंकी संगठन की है किन्तु अफगानिस्तान की तालिबान सरकार अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए वैश्विक जगत से संवाद स्थापित कर रही है। अभी तक तालिबान सरकार को केवल रूस ने ही मान्यता दी है। इस बीच अफगानिस्तान के तालिबान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी सात दिन की भारत यात्रा पर हैं यद्यपि भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है और वह काफी फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। भारत में मुत्ताकी के अनेक कार्यक्रम हो रहे हैं। वह उप्र में मुसलमानों की संस्था दारुल उलूम देवबंद गए, उनकी दो पत्रकार वाताएं भी हो चुकी हैं जिसमें पहली पत्रकार वार्ता में महिला पत्रकारों को प्रवेश न मिलने के कारण विवादों आ गई जिससे अफगानी विदेश मंत्री को दूसरी पत्रकार बुलानी पड़ी जिसमें महिला पत्रकार भी आमंत्रित थीं। अफगान विदेश मंत्री की इस यात्रा से भारत ने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान के विरुद्ध अपना एक नया समर्थक बनाया है। मुत्ताकी की भारत यात्रा से भारत ने एक कूटनीतिक बढ़त यह प्राप्त कर ली है। संयुक्त बयान में अफगानिस्तान ने अप्रैल में जम्मू -कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत की जनता व सरकार के प्रति संवेदना व एकजुटता व्यक्त की है। भारत और अफगानिस्तान के बयान में दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय देशों से उत्पन्न सभी आतंकवादी कृत्यों की स्पष्ट रूप से निंदा की और क्षेत्र में शांति स्थिरता एवं आपसी विश्वास को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया है। अफगान विदेश मंत्री ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया जिससे पाकिस्तान को इतनी चोट पहुंची कि उसने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया। फिर अफगानिस्तान ने पलटवार करते हुए पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मारने का दावा किया और उनकी कई चौकियों पर कब्जा कर लिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी की मुलाकात के बाद बयान जारी किया गया कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते सदियों पुराने हैं तथा इन संबंधों को और मजबूत किया जाएगा। भारत ने काबुल स्थित दूतावास फिर से खोलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह वही तालिबान सरकार है जिस पर कभी कोई भरोसा नहीं कर रहा था। जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से अपनी सेनाओं को वापस बुलाने और अफगानिस्तान की सत्ता तालिबान को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया था उस समय दक्षिण एशिया में भय, आतंक, चिंता व निराशा का वातावरण उत्पन्न हो गया था कि अब क्या होगा? अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी पर चीन और पाकिस्तान बहुत खुश थे। दोनों देशों को लगा कि अब अफगान सरकार उसके कहने पर चलेगी। पाकिस्तान ने सोचा कि वह तालिबान की मदद से जम्मू-कश्मीर को हथिया कर वहां शरिया कानून लागू करा देंगे। किंतु समय बदलने के साथ पाकिस्तान की यह योजना पूरी तरह से धराशायी गयी। आज भारत के तालिबान से सम्बन्ध बेहतर हैं क्योंकि भारत केवल राष्ट्र प्रथम को ध्यान में रख कर चल रहा। सामारिक, आर्थिक, राजनैतिक व मानवीय दृष्टिकोण से भारत का अफगानिस्तान के साथ रिश्ते सुधारना राष्ट्रहित में है। वहां से हिंदू व सिख समाज के लोग अपना कारोबार, संपत्ति और जायदाद आदि छोड़ कर आए हैं। अफगानी विदेश मंत्री मुत्ताकी से भारत ने यह कहलवा लिया है कि अब कोई भी ताकत अफगान की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ नहीं कर सकेगी। इसका स्पष्ट इशारा पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर था। तालिबान विदेश मंत्री मुत्ताकी की भारत यात्रा के लिए काफी समय से होमवर्क किया जा रहा था। जनवरी में ही तालिबान शासन और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कई दौर की वार्ता हो चुकी थी, जिसके बाद मुत्ताकी ने भारत को अहम क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति बताया था। यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते अत्यंत लंबे समय से प्रगाढ़ रहे हैं और अफगानिस्तान के कठिन समय में भारत ने सदा उसकी सहायता की है।

एक लाख एकल शिक्षक स्कूलों की त्रासदी से त्रस्त शिक्षातंत्र

ललित गर्ग

भारत में आज भी कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी विषय पढ़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के साल 2024-25 के आधिकारिक डेटा के मुताबिक देश के कुल 1,04,125 स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं एवं सभी विषयों को पढ़ा रहे हैं। यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दशार्ता ही नहीं रहा है बल्कि चिन्ताजनक स्थिति को बयां कर रहा है। ये आंकडे.हमारे शैक्षणिक विकास पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं। 'शिक्षा किसी राष्ट्र की आत्मा होती है।' स्वामी विवेकानंद का यह वाक्य आज भारत की शिक्षा व्यवस्था पर एक कसक बनकर उभरता है। जब शिक्षा की आत्मा घायल होती है तो राष्ट्र का शरीर कभी स्वस्थ नहीं रह सकता।

शिक्षा मंत्रालय के ये हालिया आंकड़े बताते हैं कि एकल शिक्षक स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाना एक भ्रष्टाचार ही है। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? एकल शिक्षक स्कूलों का परिदृश्य भारत के विकास की पौल खोलने वाला है। भले ही एकल शिक्षक स्कूलों में पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई हो, फिर इतनी बड़ी संख्या में ऐसे स्कूलों का होना हमारी शिक्षा व्यवस्था की बड़ी नाकामी को ही उजागर कर रहा है। यह स्थिति किसी एक आंकड़े की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की गहरी त्रासदी की तस्वीर है।

कल्पना कीजिए-एक शिक्षक जो प्रशासनिक काम भी करता है, मिड-डे मील की निगरानी भी करता है और साथ में सभी कक्षाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाता है। क्या वह शिक्षक शिक्षक रह जाता है या व्यवस्था का बोझ उठाने वाला मजदूर बन जाता है? इन बच्चों की शिक्षा कैसी होगी, जिनके लिए ज्ञान का एकमात्र द्वार ही थकान, उपेक्षा और तंगहाली से भरा है? यह संकट केवल ग्रामीण भारत तक सीमित नहीं है। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी सैकड़ों स्कूल ऐसे हैं जहाँ विषय विशेषज्ञों की कमी, प्रयोगशालाओं की अनुपस्थिति और शिक्षण संसाधनों का अभाव है। नई शिक्षा नीति 2020 समग्र शिक्षा की बात करती है, लेकिन जब आधारभूत ढांचा ही अपूर्ण हो तो नीतियाँ केवल दस्तावेज बनकर रह जाती हैं। हम 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना कर रहे हैं, पर क्या एकल शिक्षक स्कूलों की यह स्थिति उस दिशा में कोई सार्थक कदम का संकेत है?

यह विडंबना है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, पर उसके बचपन की शिक्षा का यह हाल है। शिक्षा पर सरकारी व्यय जीडीपी का केवल 2.9 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 5 से 6 प्रतिशत तक है। जब शिक्षा ही निवेश नहीं बनेगी, तो विकास का आधार कहाँ से आएगा? समस्या केवल शिक्षक संख्या की नहीं, बल्कि शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण और संसाधनों की भी है। राज्यों में नियुक्ति प्रक्रियाएँ वर्षों तक लटकी रहती हैं, स्थानांतरण नीति अव्यवस्थित है, और जो शिक्षक हैं भी, उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति, डिजिटल शिक्षण, नवाचार और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षण के प्रशिक्षण से वंचित रखा गया है। यह स्थिति उस समय और अधिक विडंबनापूर्ण लगती है जब हम हर मंच पर 'नया भारत', 'विकसित भारत' और 'विश्वगुरु भारत' के नारे लगाते हैं। शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखने की आवश्यकता है। रक्षा और स्वास्थ्य की तरह शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो, दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का समुचित समायोजन किया जाए, तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का विस्तार हो और शिक्षकों को केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं बल्कि राष्ट्रनिमार्ता के रूप में सम्मान मिले। महात्मा गांधी ने कहा था, 'यदि हमें भारत को पुनः महान बनाना है, तो शिक्षा को पुनः मानवीय बनाना होगा।' आज शिक्षा केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित हो गई है, जबकि उसका उद्देश्य चरित्र निर्माण और विवेक जागरण होना चाहिए। यदि 34 लाख बच्चे एकल शिक्षक के भरोसे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। भारत तभी विकसित होगा जब हर बच्चा पढ़ेगा-सिर्फ स्कूल में नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में शिक्षित होगा। अन्यथा, एकल शिक्षक की यह पीड़ा आने वाले भारत की मौन त्रासदी बन जाएगी। शिक्षक दीपक की तरह होते हैं, वे स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देते हैं। पर जब दीपक ही अकेला रह जाए, तो अंधकार स्वाभाविक है। अब समय है कि हम इस अंधकार को दूर करने का संकल्प लें, क्योंकि शिक्षा ही राष्ट्र का भविष्य है और शिक्षक उस भविष्य के निर्माता हैं।

सोचने वाली बात है कि एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेलकूल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं योग-व्यायाम जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली इन गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं और ऐसी बीमार बुनियाद पर खड़ा राष्ट्र कैसे स्वस्थ, सक्षम एवं उन्नत होगा?

शिक्षा के प्रति यह उपेक्षा हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है।

कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं, लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का होना देश के नीति-निमार्ताओं एव नायकों के लिये शर्म का विषय होना चाहिए।

क्या यही है 'संघ' के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की सच्चाई?

निर्मल रानी

गत 2 अक्टूबर यानी विजय दशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर एस एस) की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो गये। संघ की स्थापना डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में विजय दशमी के दिन राष्ट्र निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी के 'घोषित उद्देश्य' से की गयी थी। संग्ठन की स्थापना के समय यही बताया गया था कि संघ एक स्वयंसेवी संगठन है, जिसका उद्देश्य देशवासियों में संस्कृति के प्रति जागरूकता, अनुशासन, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाना है। शताब्दी वर्ष के इस अवसर पर देश भर में अनेक आयोजन हुये जिसमें संघ का गुणगान किया गया। संघ समर्थक सत्ताधारियों द्वारा संघ का कसीदा पढ़ने वाले अनेक लेख लिखे गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोकि स्वयं भी संघ प्रचारक रह चुके हैं, ने राष्ट्र निर्माण में आर एस एस के योगदान की सराहना की। मोदी ने संघ के शताब्दी समारोह में कहा कि -'संघ ने पिछली एक सदी में अनगिनत जीवनों को दिशा दी और मजबूत बनाया। जिस तरह सभ्यताएं महान नदियों के किनारे विकसित होती हैं, उसी तरह संघ की धारा के साथ सैकड़ों जीवन खिले और आगे बढ़े हैं। आरएसएस का उद्देश्य हमेशा एक ही रहा राष्ट्र निर्माण।' इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा संघ के नाम पर स्मारक सिक्के और डाक टिकट भी जारी किए गये। संघ के लोग इसे विश्व का सबसे बड़ा समाजसेवी संगठन बताते हैं। आज देशभर में लाखों स्वयंसेवकों के माध्यम से संघ अपने 'घोषित व अघोषित' कार्यों में सक्रिय है।

परन्तु यह भी सच है कि स्थापना के समय से ही संघ विवादों में घिरा रहा है। इतना बड़ा संगठन होने के बावजूद संघ पर संस्था के रजिस्टर्ड संस्था न होने के साथ साथ इस पर साम्प्रदायिकता फैलाने व धर्म जाति के आधार पर नफरत फैलाने का भी आरोप लगता रहा है। देश का एक बड़ा वर्ग महात्मा गाँधी की हत्या में संघ की साम्प्रदायिक विचारधारा को भी जिम्मेदार मानता है। इस बात के भी ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं कि बापू की हत्या के बाद संघ कार्यालय में जश्न मनाया गया था और मिठाइयां बांटी गयीं थीं। देश के विभाजन से लेकर आज तक देश में हुये अनेकानेक साम्प्रदायिक दंगों में संघ के कार्यकर्ता आरोपित रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि संघ के अनेक कार्यकर्ताओं पर चरित्रहीन होने, बलात्कार व बाल व्यभिचारी होने तक के आरोप लगते रहे हैं। और इसे भी अजीब संयोग समझा जाना चाहिये कि संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जब संघ,सत्ता व भाजपा संघ के शताब्दी वर्ष के जश्न में डूबे हुये हैं इसी दौरान संघ द्वारा संचालित शाखाओं में जहां बच्चे 'संस्कार' के नाम पर भेजे जाते हैं,केरल के एक युवक द्वारा संघ व इसके अनेक सदस्यों द्वारा उसके साथ बार-बार किये गये यौन शोषण के बाद आत्महत्या कर लेने जैसे कदम ने संघ के वास्तविक चाल चरित्र और चेहरे को उजागर कर दिया है। केरल के कोट्टायम जिले के एलिकुलम निवासी 26 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल युवक, अनंदु आजी ने 9 अक्टूबर 2025 को तिरुवनंतपुरम के थंपानूर स्थित एक होटल के कमरे में आत्महत्या कर ली। अनंदु आजी की आत्महत्या के बाद उनके द्वारा मलयालम भाषा में लिखा गया 7 से 15 पेज लंबा सुसाइड नोट सार्वजनिक हुआ। इस नोट में अनंदु ने बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसमें आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के सदस्यों द्वारा बचपन से उसके साथ लगातार किये जा रहे यौन शोषण और बलात्कार का जिक्र है। मलयालम भाषा में सुसाइड से पूर्व लिखा गया उसका अंतिम पत्र अथवा सन्देश संघ के शताब्दी वर्ष पर संघ के मुँह पर कालिख पोतने का काम कर रहा है।

26 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल युवक सुसाइड से पूर्व लिखे गये अपने अंतिम नोट में लिखता है कि -- 'मैं अनंदु आजी हूं, कोट्टयम के थम्पल काड से। मैं हमेशा से ही एक शांत और अंतमुर्खी व्यक्ति रहा हूं। लेकिन बचपन से ही मुझे जो दर्द सहना पड़ा, उसने मेरी जिंदिगी को तबाह कर दिया। मैं अपनी जिंदिगी खत्म कर रहा हूं क्योंकि एंग्यजायटी और लगातार पैनिक अटैक ने मुझे जीना मुश्किल बना दिया है। यह ट्रॉमा का नतीजा है जो मुझे 4 साल की उम्र से सता रहा है। मुझे 4 साल की उम्र से ही एक पड़ोसी व्यक्ति द्वारा लगातार यौन शोषण का शिकार बनाया गया। वह मेरे परिवार के करीब था और मुझे धमकाता था। यह शोषण सालों तक चला। मैं एक रेप विक्टिम हूं। बचपन में ही मेरी मासूमियत छीन ली गई। मेरे पिता ने मुझे 3-4 साल की उम्र में ही आरएसएस में शामिल करा दिया। मैं शाखा और कैंपों में जाता रहा। वहां मुझे कई आरएसएस सदस्यों के द्वारा यौन शोषण और बलात्कार का सामना करना पड़ा। मैं नामित करता हूं 'एन.एम.' को, जो आरएसएस और भाजपा का प्रमुख सदस्य है। उसने मुझे कई बार शोषित किया, खासकर कैंपों के दौरान। मैं अकेला नहीं हूं–कई अन्य लड़के भी इसी तरह के दोहन के शिकार हुए हैं। आरएसएस कैंपों में यह एक सिस्टमैटिक पैटर्न है, जहां बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। आरएसएस के कई सदस्यों ने मुझे छुआ, शोषित किया। मैं उनके नाम नहीं जानता क्योंकि डर के मारे चेहरा भी याद नहीं। लेकिन एन.एम.का नाम मैं कभी नहीं भूलूंगा। वह मेरे लिए एक भयानक स्मृति है।'

अनंदु आजी आगे लिखते हैं कि -'इन घटनाओं ने मुझे डिप्रेशन और एंग्यजायटी का मरीज बना दिया। मैं थेरेपी ले रहा था, लेकिन ट्रामा इतना गहरा था कि मैं रोज पैनिक अटैक से जूझता। बचपन का दर्द मुझे कभी शांति नहीं देता। मैंने लड़ने की कोशिश की, लेकिन अब हार मान ली।' मेरे माता-पिता को दोष न दें। उन्होंने मुझे अच्छा जीवन दिया, लेकिन वे नहीं जानते थे कि क्या हो रहा था। मैंने कभी कुछ नहीं बताया क्योंकि डर था। समाज को पता चलना चाहिए कि ऐसे संगठनों में बच्चे सुरक्षित नहीं। लाखों बच्चे शाखाओं में जाते हैं–कुछ को बचाना जरूरी है। अंत में वे लिखते हैं कि -'मैं अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा रहा, लेकिन सच्चाई सामने आनी चाहिए। कृपया जांच करें और दोषियों को सजा दें। पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई हो।' मैं थक गया हूं। अब विदा हो रहा हूं। कृपया मेरी कहानी को दबाएं नहीं। न्याय हो। अलविदा। अनंदु आजी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के जश्न के दौरान एक आईटी प्रोफेशनल युवक द्वारा संगठन के लोगों पर अति गंभीर आरोप लगाते हुये आत्महत्या तक कर लेना निश्चित रूप से यह सवाल जरूर खड़ा करता है कि क्या यही है संघ के 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' की सच्चाई?

सूडोकु नवताल- 7584

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7583 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

गौहत्या पर प्रतिबंध क्यों लगाया जाना चाहिए?

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

हजारों वर्षों के प्रलेखित इतिहास के साथ देशी गाय भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान रखती है। भगवान शिव के वाहन, नंदी बैल की मूर्ति, भारतीय मंदिरों और सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्रों में प्रमुखता से प्रदर्शित की जाती है। प्राचीन काल में गायों का दैनिक जीवन में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता था। गाय के कम वसा वाले दूध को मां के दूध का एक अच्छा विकल्प माना जाता था। इसके अतिरिक्त, खाना पकाने का घी, डेयरी उत्पाद और मिठाइयाँ गाय के दूध से बनाई जाती थीं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि गायों के अतिरिक्त उपयोग भी थे। समृद्ध जैविक खाद, जैसे कि गाय का गोबर, खेत की खाद और फर्श की प्लास्टरिंग दोनों के लिए उपयोग किया जाता था। इसका उपयोग गोबर के उपले के रूप में ईंधन के रूप में भी किया जाता था। इसके अतिरिक्त, गोमूत्र को चिकित्सीय और कीटनाशक गुणों वाला माना जाता था। इसके अतिरिक्त, गायों की प्रजनन और संतानों के लिए आवश्यकता थी। फिर, बैल जैसे भार ढोने वाले जानवर परिवहन और खेत की जुताई दोनों के लिए सहायक थे। इसलिए, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारणों से गाय समाज और लोगों दोनों के लिए एक मूल्यवान और प्रिय संपत्ति बन गई। वास्तव में, कौटिल्य के अर्थशास्त्र के दो अध्याय गायों को समर्पित हैं। इन सामाजिक-आर्थिक लाभों के कारण सदियों तक गोहत्या पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

वृहद आर्थिक स्तर पर, देशी गायें रोजगार पैदा करती हैं और दूध, चारा और चराई के लिए आवश्यक श्रम की आपूर्ति श्रृंखला के लिए आय उत्पन्न करती हैं। भारत जैसे उभरते राष्ट्र में जहाँ दो-तिहाई आबादी अभी भी जीविका के लिए कृषि पर निर्भर है, देशी गाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है, खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए, हालांकि इसे आज वैसी मान्यता नहीं मिली है।

कुछ इतिहासकारों के अनुसार, मोहनजोदड़ो के पुरातात्विक स्थल के हर स्तर पर कूबड़ वाले बैल के अवशेषों की प्रचुरता इस बात का संकेत है कि "सिंधु घाटी मवेशियों की उत्तम नस्लों से विशेष रूप से समृद्ध रही होगी।" चाहे इसकी उत्पत्ति कुछ भी हो, गाय सदियों से भारतीय कृषि की आधारशिला रही है, जो दूध और दुग्ध उत्पादों के माध्यम से किसान परिवारों को पोषण प्रदान करती है, साथ ही कृषि कार्यों जैसे कि जमीन की जुताई और माल के परिवहन के लिए भारवाहक पशु शक्ति भी प्रदान करती है। गाय जीवन की लगभग सभी आवश्यक आवश्यकताओं को पूरा करती थी, जिसमें खेती और खाद, भोजन और जीविका, परिवहन और ईंधन शामिल हैं।

प्राचीन भारत में गायें

जब हम प्राचीन भारत से लेकर वर्तमान तक गाय के इतिहास पर नजर डालते हैं, तो भारतीय देशी गायों को प्राचीन काल से ही विभिन्न वैज्ञानिक कारणों से पूजा जाता रहा है। कृषि भारत की प्राथमिक आर्थिक शक्ति थी, और व्यावहारिक रूप से हर प्रमुख भारतीय त्योहार किसी न किसी कृषि गतिविधि के इर्द-गिर्द घूमता था। भारत के लोगों के लिए, देसी गाय धन का प्रतीक है। भारतीय किसान गाय के गोबर का उपयोग ईंधन और उर्वरक के स्रोत के रूप में करते रहे हैं। यह पूरी तरह से जैविक था और उच्च उपज वाली फसलें पैदा करता था। गायें पर्यावरण के लिए लाभकारी प्रथाओं के साथ स्थायी कृषि का एकमात्र स्रोत थीं। वास्तव में, उस समय गायों का मूल्य सोने से भी अधिक था। गायों को परिवार का सदस्य माना जाता था। 1580 में भारत आने वाले एक शुरूआती अंग्रेज आगंतुक, राल्फ फिच ने अपने घर भेजे पत्र में लिखा, "उनका एक अजीबोगरीब समुदाय है- वे गाय की पूजा करते हैं और अपने घरों की दीवारों को रंगने के लिए गाय के गोबर का उपयोग करते हैं।" वे मांस नहीं खाते और कंद-मूल, अनाज और दूध पर जीवित रहते हैं।

अंग्रेजों ने भारत की आर्थिक वृद्धि को तहस-नहस कर दिया

जब अंग्रेज भारत पहुँचे और पूरे उपमहाद्वीप का अध्ययन किया, तो उन्हें पता चला कि वे सीधे तौर पर इस देश पर शासन नहीं कर सकते। भारतीय अर्थव्यवस्था देसी गाय और जैविक कृषि पर बहुत अधिक निर्भर थी और भारतीय शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से नैतिकता, विज्ञान और गुरुकुल प्रणाली पर आधारित थी, जो संस्कृति में गहराई से समाहित थी। ब्रिटिश भारत के गवर्नर रॉबर्ट क्लाइव ने इस क्षेत्र में कृषि पर व्यापक अध्ययन किया। रॉबर्ट क्लाइव ने पाया कि गायें भारतीय कृषि के लिए आवश्यक हैं और उनके बिना कृषि संभव नहीं है। इस नींव को तोड़ने के लिए गायों का उन्मूलन आवश्यक था।

ब्रिटिश शासन के दौरान बूचड़खाना

इसलिए भारत में पहला बूचड़खाना 1760 में कोलकाता में स्थापित किया गया, जहां प्रतिदिन 30,000 से अधिक देसी गायों का वध किया जाता था, जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में कम से कम एक करोड़ गायों का वध किया जाता था। ब्रिटिश सैनिक इसका उपयोग पोषण के लिए करते थे या इसे इंग्लैंड को बेचते थे। भारत में अंग्रेजों के लिए गोमांस मुख्य आहार बन गया। जब भारतीय कृषि को झटका लगा, तो अंग्रेजों ने व्यावसायिक खेती विकसित की, जो रसायनों और उर्वरकों पर भारी थी और इसे एक अलग वाणिज्य उद्योग में बदल दिया। उन्होंने अपने कुकर्मो से भारत की पूरी आर्थिक व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। देसी गायों के विस्तार को पूरी तरह से रोकने के लिए, उन्होंने जर्सी आयात की और उसे देसी नस्ल की गायों के साथ संकरित किया।

दैनिक पंचांग

16 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

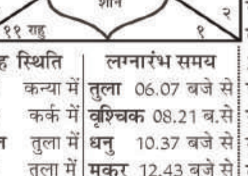

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.07 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृश्चिक	08.21 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.37 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.29 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.02 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.32 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.12 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.11 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कर्क	23.24 बजे से
		सिंह	01.40 बजे से
		कन्या	03.52 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 289 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि दशमी 10.36 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 12.42 बजे को समाप्त।
योग शुभ 02.11 बजे रात्र को समाप्त।
करण विष्टि 10.36 बजे तदनन्तर बव 22.50 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 54'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872499
जूलियन दिन 2460964.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी
तारीख 23

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर हैं अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

रामगढ़ में बिजली चोरी के आरोप में 10 लोगों पर जुर्माना और प्राथमिकी

रामगढ़ : रामगढ़ में बिजली चोरी के आरोप में सहायक विद्युत अभियंता दीपक कुमार सिंह ने थाना में 10 लोगों पर जुमार्ना लगाने के साथ प्राथमिकी भी दर्ज करवाई है। पुलिस की ओर से कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को दिए आवेदन में अभियंता की ओर से बताया गया है कि 14 अक्टूबर को बिजली चोरी रोकथाम के लिए एक छापेमारी दल का गठन किया गया था। छापेमारी के दौरान अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते 10 लोग पाए गए। बिजली विभाग की ओर से कोठार निवासी अजय कुमार जायसवाल पर 30 हजार, रंजीत प्रसाद जायसवाल पर 30 हजार, धीरेन जायसवाल पर 25 हजार, ऊपर टोला कोठार निवासी अजीत करमाली पर 10 हजार 500, दिलेश्वर मुंडा पर 10 हजार 500, चेटर निवासी सुनील मुंडा पर 5 हजार 500, गोसा निवासी एकनाथ महतो पर 15 हजार 500, तपेश्वर महतो पर 15 हजार 500, दिलीप महतो पर 25 हजार 500 और शहजाद अहमद उर्फ शहजाद खान पर 5 हजार 500 का जुमार्ना लगाया गया है। सहायक अभियंता की शिकायत पर पुलिस ने उपरोक्त के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस बिजली चोरी के आरोपियों के खिलाफ कानून संम्मत कार्रवाई कर रही है।

विद्यालय से कंप्यूटर उपकरण की चोरी, दो गिरफ्तार

पलामू : जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसना के आइसीटी लैब से कंप्यूटर उपकरण चोरी मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर उदभेदन कर दिया है। पुलिस ने कम्प्यूटर उपकरण चुराने के लिए चोरी किए गए ऑटो कांड का भी खुलासा किया है। कम्प्यूटर उपकरण को सरकारी शौचालय से बरामद किया गया है। इस सिलसिले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपित हैं। उनकी तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है। एसपी रीष्मा रमेशन ने बुधवार प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। एसपी के अनुसार 13 अक्टूबर की रात बसना में गोविंद राम का ऑटो चोरी हो गया था। इसी रात उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसना के लैब रूम से कम्प्यूटर सहित अन्य उपकरण भी चोरी हो गई। संदेह के अधार पर अभय कुमार राम बसना और दीपरंजन पांडेय उर्फ छोटू पांडेय रजहारा को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि आयुष पांडेय उर्फ चांसी बसना और आयुष कुमार तिवारी तोलरा-रेहला के साथ मिलकर उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसना के लैब रूम से कम्प्यूटर सहित अन्य उपकरणों की चोरी करने की योजना बनायी। 13 अक्टूबर की रात में सबसे पहले गोविंद राम-बसना के ऑटो (जेएच 03 एच 1264) की चोरी की। दोनों आरोपितों की निशानदेही कम्प्यूटर उपकरण और ऑटो बरामद किया गया।

मतदाता गहन पुनरीक्षण को लेकर प्रशिक्षण सह बैठक

पलामू : जिले के पांकी विधानसभा की निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू की अध्यक्षता में बुधवार को जिला आपूर्ति कार्यालय कक्ष में सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी और कंप्यूटर ऑपरेटर, मनातू, तरहसी, नीलांबर पितांबरपुर, सतबरवा एवं पांकी के साथ प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में सभी लोगों को आयोग की ओर से मतदाता गहन पुनरीक्षण से संबंधित प्राप्त दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। किस्कू ने बताया कि आयोग के निर्देश पर मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत सभी मतदाताओं को मतदाता सूची 2003 के आधार पर कैटेगरी ए, बी, सी, डी और ई में विभेदित करने का निर्देश दिया गया है।

वॉलीबॉल के झगड़े में निकाला पिस्टल पांडे गिरोह के शूटर सहित दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिला के पतरातू थाना क्षेत्र में वॉलीबॉल के खेल से शुरू हुआ झगड़ा खूनी संघर्ष में तब्दील हो रहा था, लेकिन पुलिस की सक्रियता से न सिर्फ झगड़ा खत्म हुआ, बल्कि पांडे गिरोह के शूटर इरफान उर्फ रेहान उर्फ छोटू सहित दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले की जानकारी बुधवार को प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक (एसपी) अजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि पतरातू ब्लॉक परिसर में मंगलवार की शाम वॉलीबॉल का खेल चल रहा था। इस दौरान योगेश राम का बेटा विशाल राम और राजेश साव का भतीजा आकाश कुमार के बीच कहासुनी हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट की नौबत आ गई। बुलाया लिया पांडे गिरोह का शूटरइस झगड़े के बाद आकाश के चाचा राजेश साव ने सीधे पांडे गिरोह से संपर्क किया। उसने आकाश की पिटाई का बदला लेने के लिए विशाल राम और उसकी मां को पीटा। इसके बाद उन लोगों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई। मामले में जैसे ही पुलिस को इस खूनी संघर्ष की जानकारी मिली, पुलिस तत्काल सक्रिय हो गई। एसपी ने पतरातू पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीपीओ) गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया। योजना बनाते पकड़े गए अपराधीछापेमारी के दौरान सांकूल गांव में आम बगीचा पहुंचकर पुलिस ने घेराबंदी की। इस दौरान दो व्यक्ति पकड़े गए। इसमें पांडे गिरोह का शूटर पतरातू बस्ती दुर्गा मंडप निवासी इरफान उर्फ रेहान उर्फ छोटू और स्टेशन रोड निवासी राजेश साव उर्फ आर्यन शामिल हैं। छापेमारी के दौरान अंधेरे का लाभ उठाकर चार-पांच अपराधी फरार हो गए। इरफान के पास से 7.65 एमएम लोडेड देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस भी पुलिस ने जब्त किया है। एसपी ने बताया कि इरफान उर्फ रेहान उर्फ छोटू का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ पहले भी बड़कागांव थाना क्षेत्र में रंगदारी मांगने की प्राथमिकी दर्ज हुई है। वर्ष 2021 में इसके खिलाफ बरकाकाना रेलवे थाने में भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। पतरातू थाने में भी उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है। उन्होंने बताया कि इरफान, पांडे गिरोह का सक्रिय सदस्य है।

विधायक ने बच्छई और सिंघरावां में चार योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने बच्छई और सिंघरावां पंचायत में बुधवार को चार योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया और क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान विधायक ने सिंघरावा मोड़ से ग्राम नया सिंघरावां तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य, ग्राम टिटही में उपस्वास्थ्य केंद्र, सिंघरावा देवी मंडप से गोविंदपुर आरईओ रोड तक पथ निर्माण का शिलान्यास और प्राथमिक विद्यालय टिटहिं भवन का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों से उनकी समस्याओं को भी सुना और आश्वासन दिया कि धीरे-धीरे सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। कहा सांसद मनीष जायसवाल का सहयोग से बरही विधानसभा विकास के पथ पर अग्रसर है। कार्यक्रम का सफल संचालन मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी ने किया। इस मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक, पूर्व अध्यक्ष राजदेव यादव, मुखिया संतोष सिंह, पूर्व जीप सदस्य रामस्वरूप पासवान, पंचायत समिति सदस्य सहदेव प्रसाद यादव, विजय मधेसिया, मुख्य भाजपा नेता विकास यादव, रामशीष सिंह, सियाराम सिंह, मनोज मिश्रा, देवल यादव, संजय गुप्ता, सियाराम सिंह, दिलीप सिंह, दीपक गुप्ता, बैजनाथ यादव, राजेश रवानी, शिक्षक विजय सिन्हा, मनोज कुमार, सुभाष राणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

त्योहारों को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग का निरीक्षण अभियान, गोकुल स्वीट्स पर 25 हजार जुर्माना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : अभिहित अधिकारी सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रामगढ़ के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए के विभिन्न होटल एवं मिठाई दुकानों में विशेष निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा सुभाष चौक स्थित मेसर्स गोकुल स्वीट्स से पनीर एवं खोया पेड़ा का नमूना संग्रहित किया गया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि इनके द्वारा केवल मात्र फास्साई पंजीकरण प्राप्त करके ही प्रतिष्ठान चलाया जा रहा है किन्तु खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006 के तहत ऐसे खाद्य कारोबारी जिनका वार्षिक कारोबार 12 लाख से अधिक है को राज्य स्तरीय लाइसेन्स प्राप्त कर ही कारोबार चलाना है। गोकुल स्वीट्स पर 25000/- का जुर्माना लगाया गया। अन्य खाद्य कारोबारियों के प्रतिष्ठान का भी निरीक्षण किया गया एवं जरूरी दिशानिर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, लेबलिंग, एक्सपायरी तिथि और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया। सभी दुकानदारों को निर्देशित किया गया कि वे एक्सपायरी उत्पाद न बेचें, सभी खाद्य सामग्री पर स्पष्ट लेबलिंग करें, नियमित पेस्ट कंट्रोल कराएँ और होटल/रेस्टोरेंट स्टाफ द्वारा एप्रोन, ग्लव्स और हेडगियर का पालन सुनिश्चित करें। खाना बनाने में साफ पानी का उपयोग करने, कर्मियों की स्वच्छता पर ध्यान देने, फास्साई मानक वाले खाद्य पदार्थ का प्रयोग करने, उचित लेबलिंग के साथ खाद्य सामाग्री को पेकिंग करने, सिंथेटिक कलर का प्रयोग न करने और अनावश्यक रंगों के इस्तमाल से परहेज करने का निर्देश दिया।

इलाज के अभाव में 12 वर्षीय बिरहोर बच्ची की मौत, चौपारण अस्पताल की लापरवाही उजागर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के दैहर पंचायत अंतर्गत जमुनियातरी गाँव की 12 वर्षीय बिरहोर बच्ची सरस्वती कुमारी, पिता बिशुन बिरहोर, की मौत ने एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और सरकारी दावों की पोल खोल दी है। इलाज के अभाव में इस मासूम की जान चली गई और यह चौपारण के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की अमानवीय व्यवस्था का ताजा उदाहरण बन गया है। जानकारी के मुताबिक, सरस्वती दो दिनों से बीमार थी। बुधवार को जब हालत बिगड़ी तो परिजन उसे किसी उम्मीद के साथ सामुदायिक अस्पताल चौपारण लेकर पहुंचे। वहां मौजूद चिकित्सक ने जल्दबाजी में कुछ जांच किए बिना ही हजारीबाग रेफर कर दिया। बच्ची को एम्बुलेंस से हजारीबाग भेजा गया, लेकिन रास्ते में – नेशनल पार्क के पास ही उसने दम तोड़ दिया, और हैरानी की बात तो यह रही कि जिस एम्बुलेंस से शव को वापस लाया जा सकता था, उसी वाहन ने बच्ची के शव को गाँव से करीब 8 किलोमीटर पहले ही जंगल में छोड़ दिया। परिजन और ग्रामीण बेबस होकर खटिया (चारपाई) पर सरस्वती के शव को कंधे पर उठाकर गाँव तक लाए। पूरा गाँव मातम में डूब गया, चीख-पुकार मच गई, लेकिन तंत्र को इस त्रासदी से कोई फर्क नहीं पड़ा। ग्रामीणों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि, जब हम बिरहोर लोग अस्पताल जाते हैं, तो सही इलाज नहीं मिलता। जो दवा दी जाती है, उससे तबियत और बिगड़ जाती है। डॉक्टर लोग बस रेफर कर के पीछा छुड़ा लेते हैं। बताया गया कि जमुनियातरी गाँव प्रखंड मुख्यालय से करीब 27 किलोमीटर दूर घने जंगल और पहाड़ों के बीच बसा है। यहाँ तक पहुँचने के लिए सड़कें भी टूटी-फूटी हैं। यह इलाका विलुप्तप्राय आदिम जनजाति बिरहोर समाज का मुख्य निवास स्थल है। सरकार एक ओर बिरहोर समुदाय के लिए विशेष योजनाओं की घोषणाएँ कर रही है, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि इन योजनाओं का लाभ इन तक पहुँच ही नहीं पा रहा। चौपारण के सामुदायिक अस्पताल की लचर व्यवस्था ने अब तक चार बिरहोरों की जान ले ली है, लेकिन न किसी अधिकारी की जवाबदेही तय हुई, न कोई सुधार दिखा। बड़ा सवाल यह उठता है की,जब सरकारी अस्पताल ही आदिवासी समाज के लिए मौत का अड्डा बन जाए, तो इन मासूमों का सहारा कौन बनेगा।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जयनगर में बेबी किट का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : जयनगर प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समाज कल्याण विभाग अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत नवजात बालिकाओं को बेबी किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने की। इस अवसर पर डॉ. कुमार आर्यन, ब्लॉक प्रोग्राम प्रबंधक शैलेन्द्र तिवारी, सीडीपीओ कार्यालय के संतोष कुमार, भारत भूषण कुमार, एलएस अनीता कुमारी, तथा एस्पिरेशनल ब्लॉक फेलो अशोक कुमार सहित सभी चो उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान आयशा फतमा (माता- साजरा प्रवीण, पता - जयनगर) और मिशिका कुमारी (माता- निशा कुमारी, पता झ कांझीयाडीह) को बेबी किट प्रदान की गई। स अवसर पर बच्चियों के जन्म पर हर्ष व्यक्त करते हुए अभिभावकों को बच्चियों की उचित देखभाल एवं शिक्षा के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रोत्साहित किया गया। बीडीओ गौतम कुमार ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान समाज में बालिकाओं के सम्मान और सशक्तिकरण का प्रतीक है।

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में 'डेटा माइनिंग टेक्नोलॉजी' पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बुधवार को राधा गोविंद विश्वविद्यालय, रामगढ़ में आज वन डे वर्कशॉप ऑन डेटा माइनिंग टेक्नोलॉजी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक तकनीकी युग में डेटा माइनिंग के महत्व, उसके उपयोग और व्यावहारिक पक्षों से अवगत कराना था। इस कार्यशाला में एमिटी यूनिवर्सिटी रांची के ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ पुरूषोतम कुमार को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में छात्रों को डेटा माइनिंग की बारिकियों, उसके अनुप्रयोगों तथा इंडस्ट्री में इसकी बढ़ती आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में डेटा माइनिंग केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि निर्णय-निर्माण और नवाचार का आधार बन चुकी है। कुमार ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया और उन्हें इस दिशा में निरंतर सीखने की सलाह दी। कार्यशाला के आयोजक डॉ. संजय कुमार, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को वास्तविक दुनिया की तकनीकी चुनौतियों से परिचित कराते हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं और डेटा विश्लेषण की आधुनिक तकनीकों को व्यवहार में उतारें। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने अपने संबोधन में कहा कि डेटा माइनिंग जैसे उभरते क्षेत्रों पर इस तरह की कार्यशालाएं छात्रों में नवाचार और अनुसंधान की भावना को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने आयोजकों और स्पीकर का आभार व्यक्त करते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि वे नई तकनीकों के प्रति जिज्ञासा बनाए रखें। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो (डॉ.) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ.) निर्मल मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ.) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी सफल बनाया। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉ. विश्व दीपक कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर (फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी), ने कार्यशाला के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पूरे कार्यक्रम का कुशल प्रबंधन करते हुए सुनिश्चित किया कि छात्र व्यावहारिक सत्रों और इंटरैक्टिव चचाओं से अधिकतम ज्ञान अर्जित कर सकें।

संक्षिप्त खबरें

श्री अग्रसेन स्कूल में मनी डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती

बोकारो : श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई। समारोह की शुरूआत डॉ. कलाम के प्रेरक कथनों के साथ की गई, जिनसे बच्चों को मेहनत, लगन और ईमानदारी का संदेश मिला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को डॉ. कलाम के जीवन पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म दिखाई गई, जिसमें उनके बचपन से लेकर मिसाइल मैन ऑफ इंडिया बनने तक की प्रेरक यात्रा को दशार्या गया। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. अब्दुल कलाम केवल एक महान वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि एक सच्चे कर्मयोगी और आदर्श व्यक्ति थे। उन्होंने अपने जीवन में कभी परिस्थितियों को बाधा नहीं बनने दिया, बल्कि उन्हें सफलता की सीढ़ी बना लिया। उनका संपूर्ण जीवन इस बात का उदाहरण है कि यदि लक्ष्य ऊँचा हो और नीयत सच्ची, तो कोई भी सपना असंभव नहीं। डॉ. कलाम ने हमेशा युवाओं पर विश्वास किया। वे कहते थे कि युवा ही देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। इसलिए हमें भी अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखकर, मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। श्री राजगढ़िया ने बच्चों से आह्वान किया कि वे केवल अच्छे विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि अच्छे नागरिक भी बनें।ऐसे नागरिक जो समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दें। डॉ. कलाम का जीवन हर छात्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यदि बच्चे उनके बताए मार्ग पर चलें, तो वे निश्चित ही देश का भविष्य बदल सकते हैं। जयंती के अवसर पर डॉ कलाम के जीवन, उनके संघर्ष, उपलब्धियों पर आधारित क्विज का आयोजन हुआ। इसमें जयदीप प्रसाद, समीक्षा कुमारी, कुणाल राज, अंकित कुमार, अभिजीत कुमार, ईशा कुमारी, अर्णव कुमार, तरुण कुमार, सौरव तुरी, फरहीन अफसरा, आतिफ अहमद, अरिशा इस्लाम, वैष्णवी कुमारी ने प्रश्नों का उत्तर देकर पुरस्कार जीता। आयोजन को सफल बनाने साधना सिन्हा, नाजिया तौहिद, संतोष कुमार, धनंजय कुमार, कुसुम कुमारी उपस्थित थे।

जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में सुलभ शौचालय का हुआ उद्घाटन

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में संचालित जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में एनटीपीसी के सौजन्य से सुलभ शौचालय का निर्माण कराया गया। इस सुलभ शौचालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि जागृति महिला संघ के अध्यक्ष अनिता दास एवं विशिष्ट अतिथि विदिशा पॉल एवं रंजना रावत ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़ कर किया किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभा भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने एक से बढ़कर एक नृत्य, नाटक एवं संगीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम को देखकर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने छात्राओं की प्रशंसा की। मौके पर जागृति महिला संघ के अध्यक्ष अनिता दास विशिष्ट अतिथि विदिशा पॉल एवं रंजना रावत एनटीपीसी कर्मचारी कमला राम रजक, रजनीश कुमार, अरशद जमाल, विद्यालय के सचिव सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, पूर्व प्रधानाध्यापिका मालती कुमारी, विद्यालय प्रधानाध्यापक राम लखन महतो, वरिष्ठ शिक्षिका विमिली कुमारी, अशोक कुमार, अख्तर हुसैन, शोभा कुमारी, कुलदीप कुमार, शंकर महतो, शंकर राणा, मीना वर्मा, जितेंद्र कुमार, प्रमिला देवी, अर्जुन सिंह एवं बालिकाएं उपस्थित थे।

चौपारण की पलक कुमारी ने राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

चौपारण : प्रखंड के सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल की छात्रा पलक कुमारी ने नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में जूनियर ग्रुप में स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया है। यह चैंपियनशिप छत्तीसगढ़ की राजधानी भिलाई में 11, 12 और 13 अक्टूबर को आयोजित की गई थी और इसमें 500 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया था। कक्षा 10 की छात्रा पलक कुमारी ने भी अपने सीनियर ग्रुप में रजत पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। वह गतका में स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाली पहली छात्रा हैं। स्कूल की प्रिंसिपल रीना पांडे ने पलक कुमारी के स्वर्ण पदक जीतने पर खुशी जाहिर की और शुभकामनाएं दीं। सभी विजेता छात्रों को सुबह की सभा में सम्मानित किया गया और मेडल और प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर पूरे स्कूल परिवार ने पलक कुमारी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पलक कुमारी के अलावा अनन्या रितुराज (9वीं), सुहानी (10वीं), मयूरी सिन्हा (9वीं), आदर्श और आर्यन (9वीं) ने भी रजत पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रधानाचार्या रीना पांडे ने सभी विजेताओं को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार और सभी शिक्षकगण आज पलक कुमारी की इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ में आयोजित नेशनल्स में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय परिवार, प्रखंड, जिला, राज्य और देश का नाम रोशन किया है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत राष्ट्रीय शिविर के दसवें दिन गूंजा देशभक्ति और सांस्कृतिक उत्साह

हजारीबाग : बिहार एंड झारखंड निदेशालय के तत्वावधान में, ग्रुप हेडक्वार्टर हजारीबाग के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर एस. गोपीकृष्णन (सेना मेडल) के मार्गदर्शन और 45 झारखंड बटालियन एनसीसी, कोडरमा के कमांडिंग ऑफिसर विजय कुमार (सेना मेडल) के कुशल नेतृत्व में ₹एक भारत श्रेष्ठ भारत-1/25 राष्ट्रीय शिविर का सफल आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दसवें दिन, देश के विभिन्न राज्यों झ आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, बिहार एवं झारखंड से आए कुल 601 एनसीसी कैडेट्स ने पूरे जोश और उत्साह के साथ शिविर की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। शिविर के मुख्य आकर्षण में नेशनल इंटीग्रेशन अवेयरनेस प्रोग्राम शामिल रहा, जिसमें विभिन्न राज्यों के कैडेट्स ने अपने-अपने राज्य की संस्कृति, परंपरा, रीति-रिवाज, प्रसिद्ध स्थल और इतिहास को रोचक प्रेजेंटेशन व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से साझा किया।

एक नजर

तैमूर टोला उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, गंगा नदी के कटाव में समाया

साहिबगंज : जिला के उधवा प्रखंड के दक्षिण पलाशागाछी पंचायत अंतर्गत तैमूर टोला स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गंगा नदी के कटाव की चपेट में आकर ध्वस्त हो गया। विद्यालय के सचिव मो फैजुद्दीन शेख ने बताया कि इस विद्यालय में 186 से अधिक बच्चे नामांकित हैं, जिनके भविष्य पर अब संकट आ गया है। कटाव की भेंट चढ़ने से पठन पाठन प्रभावित हो गया है। नदी के किनारे बने स्कूल के दो क्लासरूम कटाव की वजह से पूरी तरह गंगा में समा गए हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय का कंप्यूटर रूम फिलहाल सुरक्षित है, लेकिन इस बात का गहरा डर है कि यह कमरा भी कभी भी ध्वस्त हो सकता है और पूरा विद्यालय गंगा में समा जाएगा।कटाव की भयावह स्थिति को देखते हुए विद्यालय परिसर से जरूरी सामानों को पहले ही खाली करवा लिया गया था जिससे बड़े नुकसान को टाला जा सका। बुधवार को उक्त स्कूल धीरे धीरे गंगा की भेंट चढ़ता गया। इस भयावह दृश्य को देखने के लिए घटनास्थल पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। कुछ ग्रामीणों ने पास खड़े लोगों को सुरक्षा के मद्देनजर वहाँ से हटने के लिए कहा।विद्यालय के सचिव ने संबंधित विभाग को इसकी जानकारी दे दी है।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय बटाईल में बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज : जिला के बरहरवा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय बटाईल हाई स्कूल में बुधवार को बाल संरक्षण पदाधिकारी, साहेबगंज की अध्यक्षता में बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सामाजिक कुरीतियों, अपराधों एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, पोक्सो अधिनियम, अपहरण, एसिड अटैक, गुड टच–बैड टच तथा बाल अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बच्चों को बताया गया कि बाल विवाह और बाल श्रम कानूनन अपराध हैं, जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा उत्पन्न करते हैं। बाल संरक्षण पदाधिकारी ने पोक्सो अधिनियम के अंतर्गत बाल यौन शोषण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी, ताकि बच्चे स्वयं को और अपने साथियों को सुरक्षित रख सकें। साथ ही एसिड अटैक और अपहरण जैसे गंभीर अपराधों से बचाव के उपाय भी समझाए गए। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों और शिक्षकों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में बताया गया, जो 247 नि:शुल्क संचालित है और किसी भी बच्चे या नागरिक को संकट की स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करती है। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन टीम साहेबगंज, विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षक–शिक्षिका, तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर संकल्प लिया कि वे अपने क्षेत्र में बाल संरक्षण का संदेश फैलाएंगे और बच्चों के अधिकारों की रक्षा हेतु सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

डीसी ने किया छठ घाटों का निरीक्षण सुरक्षा और साफ-सफाई के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आगामी महापर्व छठ पूजा को लेकर जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती ने बुधवार को विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गंगा नदी के जलस्तर, घाटों की भौगोलिक स्थिति तथा सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में डीसी द्वारा बिजली घाट, शंकुतला घाट, मुक्तेश्वर घाट, ओझाटोली घाट, चानन घाट एवं कबूतर खोपी घाट

का निरीक्षण किया गया। उन्होंने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को साफ-सफाई, बेरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीसी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, अतः प्रत्येक घाट पर सभी मानकों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। गंगा नदी के जलस्तर एवं स्थल निरीक्षण के आधार पर बिजली घाट, शंकुतला घाट एवं मुक्तेश्वर घाट को सुरक्षित घाट के रूप में चिन्हित किया गया है। वहीं अधिक जलस्तर एवं मिट्टी कटाव के कारण ओझाटोली घाट को असुरक्षित घाट घोषित किया गया है, जहां छठ पूजा का आयोजन न करने की सलाह दी गई है। डीसी हेमंत सती ने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए घाटों की तैयारी समय पर पूरी करें ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पुलिस प्रशासन को भी निर्देश दिया कि भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था एवं आपातकालीन सेवाओं की तैनाती की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि महापर्व छठ शांति, श्रद्धा और सुरक्षा के साथ सम्पन्न हो सके।

"ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते" के तहत साहिबगंज आरपीएफ ने एक नाबालिग लड़के को बचाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बुधवार को मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन और आशिम कुमार कुल्लू, मंडल सुरक्षा आयुक्त, मालदा के पर्यवेक्षण में, मालदा मंडल का रेलवे सुरक्षा बल "ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते" के तहत बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने समर्पित प्रयास जारी रखे हुए है। सुरक्षित रेल यातायात और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच के दौरान, साहिबगंज पोस्ट की सतर्क आरपीएफ टीम ने बुधवार को साहिबगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर फुट ओवर ब्रिज के पास एक नाबालिग लड़के को इधर-उधर घूमते हुए देखा। पूछताछ में लड़के ने अपनी पहचान झारखंड के साहिबगंज निवासी अरमान शेख (13 वर्ष) के रूप में बताई। उसने बताया कि अभिभावक की डाँट के बाद वह घर छोड़कर चला गया था। उसकी सुरक्षा और भलाई को ध्यान में रखते हुए, आरपीएफ टीम उसे सुरक्षा के लिए चौकी ले आई और सभी आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी कीं। बाद में, बचाए गए बच्चे को उचित देखभाल, परामर्श और पुनर्वास के लिए चाइल्डलाइन साहिबगंज को सौंप दिया गया। आरपीएफ, साहिबगंज द्वारा की गई संवेदनशील और समय पर की गई कार्रवाई, कमजोर बच्चों की सुरक्षा और रेलवे नेटवर्क में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

अपर सचिव ने जिले के विभिन्न केंद्रों और विद्यालयों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार नीतीश्वर कुमार ने आज आंगनबाड़ी केंद्र सोनाजोड़ी रसीकटोला, सदर अस्पताल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सोनाजोड़ी, राज +2 हाई स्कूल, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पहाड़िया टोला एवं निःशुल्क खढरउ और खररउ की तैयारी के लिए बनाए जा रहे भवन का निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्र एवं प्री-नर्सरी स्कूल सोनाजोड़ी रसीकटोला का निरीक्षण करते हुए बच्चों का ऑनलाइन एनरोलमेंट, वजन और लंबाई मापन, भोजन की गुणवत्ता और गर्भवती महिलाओं को पोषण किट वितरण की स्थिति की जांच की। साथ ही सेविका एवं सहायिका से आंगनबाड़ी संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। सदर अस्पताल सोनाजोड़ी का निरीक्षण के दौरान मल्न्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर, डॉक्टर्स और

एम्बुलेंस की उपलब्धता का जायजा लिया गया एवं उपलब्ध उपचार और सुविधाओं की जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर सोनाजोड़ी में सीएचओ और जीएनएम से मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की गई। अपर सचिव ने राज +2 उच्च विद्यालय का निरीक्षण कर शिक्षकों और विद्यार्थियों से पढ़ाई संबंधी पूछताछ की। इसके अलावा उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पहाड़िया टोला का भ्रमण कर मूलभूत सुविधाओं और पढ़ाई की स्थिति का भी जायजा लिया। अपर सचिव ने कहा कि इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य बच्चों, महिलाओं और विद्यार्थियों तक उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। हम सुनिश्चित करेंगे कि आंगनबाड़ी केंद्रों, अस्पतालों, आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्रों और शैक्षणिक संस्थानों में सभी सुविधाएँ सुचारू रूप से उपलब्ध हों और जिला प्रशासन द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं का लाभ सभी तक पहुंचे। मौके पर प्रशासक, नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा समेत अन्य उपस्थित रहे।

विद्युत अधीक्षण अभियंता ने मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना पीभीटीजी कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहेबगंज : जिला में बुधवार को विद्युत अधीक्षण अभियंता डॉ० नत्थन रजक के अध्यक्षता में उनके कार्यालय परिसर साहिबगंज में जिला के विद्युत कार्यपालक अभियंता की उपस्थिति में बिलिंग एजेंसी के प्रतिनिधि, स्मार्ट मिटिरिंग, वितरण क्षेत्र पूर्ण उद्यान योजना, मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना पीभीटीजी कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक बुलाई गई थी। आरडीएसएस, मुजी, पीभीटीजी, स्कीम में चलने वाले कामों के बारे में जानकारी हासिल किया। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना के तहत दिसम्बर 2025 एवं पीभीटीजी के तहत जिला में सभी गांव एवं पहाड़िया टोला गांव में छुटे हुए कामों को अक्टूबर 2025 के अंत तक निश्चित रूप से पूर्ण करायेंगे। जिस गांव मोहल्ले में बिजली लाइन का पॉल एवं केवल तार जर्जर अगर है तो उसे इस स्कीम के तहत जल्द से जल्द बदला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिपावली एवं छठ पूजा को लेकर विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ रखने का निर्देश दिया गया, ताकि उपभोक्ताओं को नियमित रूप से विद्युत व्यवस्था विद्युत आपूर्ति की जा सके। इस बैठक में बिलिंग एजेंसी के प्रतिनिधि को सख्त निर्देश दिया गया कि नेवर बिल एवं नो बिल उपभोक्ताओं को निश्चित रूप से विद्युत बिल नियमित रूप से उपलब्ध करायेंगे, ताकि राजस्व की उगाई में बढ़ोतरी हो सके। उधर इस बैठक में विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, साहेबगंज शंभूनाथ चौधरी एवं शैलेन्द्र बेसरा, विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, पाकुड़ को विभिन्न योजनाओं में चल रहे कार्यों की समीक्षा प्रतिदिन करने एवं विशेष कर राजस्व, बिलिंग, आदि की उगाई पर पूरा ज्यादा ध्यान देने को कहा गया।

मॉडल कॉलेज में अब्दुल कलाम जयंती एवं विश्व छात्र दिवस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के राजमहल प्रखंड में बुधवार को भारत रत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की जयंती एवं विश्व छात्र दिवस के अवसर पर मॉडल कॉलेज राजमहल, में एकदिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने की। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में डॉ. कलाम के आदर्शों, उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सेवा भावना को आत्मसात करने की प्रेरणा देना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अरविंद प्रसाद सिंह (पूर्व विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग, साहिबगंज कॉलेज एवं पूर्व अध्यक्ष, झारखंड अकादमिक काउंसिल, रांची), डॉ. मृदुला सिन्हा तथा प्रो. कमल महावर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न डॉ.

ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र से स्वागत किया गया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में प्रो. कमल महावर ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास एवं उद्देश्य से परिचित कराते हुए कहा कि एनएसएस युवाओं में सामाजिक दायित्व, अनुशासन एवं सहिष्णुता का भाव जागृत करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे एक सशक्त, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनकर देश के विकास में अपनी भूमिका निभाएं।

धनतेरस, दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान पाकुड़ जिले में यातायात व्यवस्था के मद्देनजर विशेष दिशा-निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में धनतेरस, दिवाली एवं छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए नागरिकों की सुविधा एवं यातायात की सुगमता सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

वन वे रूट की घोषणा:
नगर परिषद क्षेत्र एवं अन्य प्रमुख सड़क मार्गों पर भारी यातायात और लोगों की सुविधा को देखते हुए दिनांक 18.10.2025 से 20.10.2025 तथा 27.10.2025 एवं 28.10.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक कुछ मार्गों को वन वे (एक तरफा) घोषित किया गया है।

वन वे मार्ग विवरण:-
मुफस्सिल थाना रेलवे फाटक होकर आने वाले तथा पाकुड़ कोर्ट मुख्य

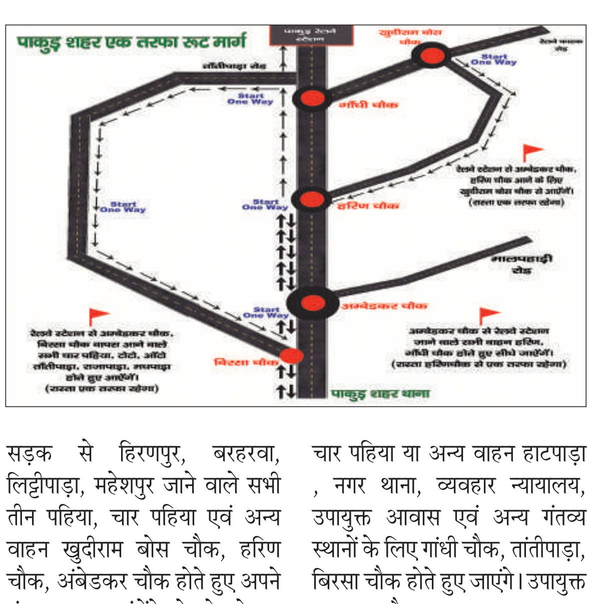

सड़क से हिरणपुर, बरहरवा, लिट्टीपाड़ा, महेशपुर जाने वाले सभी तीन पहिया, चार पहिया एवं अन्य वाहन खुदीराम बोस चौक, हरिण चौक, अंबेडकर चौक होते हुए अपने गंतव्य स्थल पहुंचेंगे। रेलवे स्टेशन, गांधी चौक से आने वाले तीन पहिया, चार पहिया या अन्य वाहन हाटपाड़ा , नगर थाना, व्यवहार न्यायालय, उपायुक्त आवास एवं अन्य गंतव्य स्थानों के लिए गांधी चौक, तांतीपाड़ा, बिरसा चौक होते हुए जाएंगे। उपायुक्त आवास चौक, व्यवहार न्यायालय, नगर थाना और अंबेडकर चौक से मुफस्सिल थाना एवं चांदपुर, पश्चिम बंगाल जाने वाले सभी तीन पहिया एवं अन्य छोटे वाहन हरिण चौक, गांधी चौक, खुदीराम बोस चौक, रेलवे फाटक होते हुए अपने गंतव्य स्थल पहुंचेंगे।

प्रवेश निषेध निर्देश:
वहीं 18.10.2025 से 20.10.2025 (धनतेरस एवं दिवाली): शहर में भारी एवं व्यवसायिक वाहनों का प्रवेश एवं निकास दोपहर 02 बजे से 04 बजे तक निषेध रहेगा। एवं 27.10.2025 एवं 28.10.2025 (छठ पूजा): शहर में भारी एवं व्यवसायिक वाहनों का प्रवेश एवं निकास 27.10.2025 पूर्वाहन 6:00 बजे से 28.10.2025 दोपहर 02 बजे तक निषेध रहेगा।

वाहन पड़ाव व्यवस्था:
सभी तीन पहिया, चार पहिया एवं छोटे वाहनों का प्रवेश सर्किट हाउस चौक, डीसी आवास चौक के रास्ते शहर के पूजा पंडाल में आने वाले आम लोगों की सुविधा हेतु सिद्धो कान्हु पार्क के समीप ठहराव सुनिश्चित किया जाएगा। ओभर ब्रिज, सुभाष चंद्र बोस चौक एवं मालपहाड़ी मार्ग से आने वाले छोटे वाहन स्कूल के मैदान में ठहराव सुनिश्चित करेंगे। मुफस्सिल थाना से रेलवे स्टेशन, रेलवे फाटक एवं हरिन चौक आने वाले छोटे वाहन विवेकानंद चौक के समीप अपने वाहनों का ठहराव करेंगे। बड़हरवा एवं अन्य मार्गों से आने वाले वाहन तथा मुफस्सिल थाना के रास्ते पश्चिम बंगाल जाने वाले वाहन किताझोर चौक, के.के.एम. कॉलेज, ईशाकपुर रेलवे फाटक, मालगोदाम रोड होते हुए चांचकी के रास्ते पश्चिम बंगाल की ओर प्रस्थान करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांगजनों को आलिमको द्वारा सहायक उपकरणों का हुआ वितरण

साहिबगंज: सदर प्रखंड सभागार में आर्टिफिशियल लिंबस मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा हुडको के सीएसआर मद से प्राप्त सहायक उपकरणों का वितरण शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिले के दिव्यांगजन को आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान किए गए, जिनमें बैटरी युक्त ट्राइसाइकिल, ओटीई हियरिंग एड, बैसाखी सहित अन्य आवश्यक उपकरण शामिल थे। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी बास्किनाथ टुडू, आलिमको प्रतिनिधि संजय मंडल तथा नीति आयोग फेलो मनीष मिश्रा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने दिव्यांगजन को उपकरण प्रदान कर उनके आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त पहल बताया। इस अवसर पर कुल 103 लाभुकों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन में सुविधा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करना रहा। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि सभी पात्र लाभुकों को चिन्हित कर उन्हें समुचित सहायता उपलब्ध कराई जाए। कार्यक्रम में लाभुकों ने खुशी व्यक्त करते हुए सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया।

पगली दुर्गा मंदिर के गेट तोड़कर अज्ञात चोरों ने की लाखों रुपये के आभूषण की चोरी

साहिबगंज: जिला के राजमहल थाना क्षेत्र के गुनीहारी पंचायत के मंडई पगली दुर्गा मंदिर के गेट तोड़कर अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को सुबह मंदिर के पुजारी सपन अवस्थी रोजाना की तरह पूजा करने जैसे ही मंदिर पहुंचा तो देखा कि मंदिर के मुख गेट के पास छोटा गेट और शिव मंदिर के मुख्य गेट का ताला टूटा पड़ा हुआ है और अंदर के सामान गायब हैं। उन्होंने तुरंत मंदिर कमेटी के सचिव संजीव दे सहित अन्य सदस्यों को दिया सभी तुरंत मंदिर पहुंचकर स्थिति को देखा और तुरंत इसकी सूचना थाना पुलिस को दिया गया। सूचना मिलते ही राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी, पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन, प्रभारी थाना प्रभारी ओम प्रकाश चौहान, एसआई पवन कुमार आदि दल–बल के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दिया। इस दौरान देखा गया कि चोरों के द्वारा मुख्य गेट के ताला तोड़कर मंदिर के अंदर घुसकर पगली दुर्गा मां के चांदी के चरण पादुका, चांदी का थाली, ग्लास और दो दान पेटी में से एक का ताला तोड़कर अंदर रखें नगद और दुर्गा मंदिर के सटे शिव मंदिर का भी में गेट का ताला तोड़कर दो लोहे के दान पेटी को अपने साथ उठाकर मंदिर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर तोड़कर उससे सामान निकाल कर धान के खेत में फेंक दिया। जिसे पुलिस ने जब्त कर मंदिर परिसर लाया है। पुलिस मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज भी कंगाल रही है जिसमें घटना का लगभग रात के 1 बजे से लेकर 1:30 बजे रात के बीच की है। जिसमें चार लोग कमरे में दिखाई पड़ रहा है, जो नकाबपोश है पूरा मुंह ढका हुआ है, चोरों के द्वारा से सीसीटीवी में चेहरा ना आने जिसे लेकर मंदिर से कुछ दूरी पर एक नवनिर्मित घर के बाहर से बस का सीढ़ी लगाकर कैमरे के ऊपर मिट्टी से ढाका और घटना को अंजाम दिया। हालांकि अन्य कैमरे में चोरों की तस्वीर कैद हो गई है। पुलिस चोर तक पहुंचने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। सीढ़ी को भी बरामद कर लिया गया है। पूर्व में भी हो चुका है मंदिर में चोरी, उक्त मंदिर में 3 सितंबर 2023 की रात को भी अज्ञात चोरों के द्वारा मंदिर का गेट का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया था,उस समय भी मुख्य गेट के बगल में छोटे गेट का ताला तोड़कर मंदिर का दान पेटी मंदिर से कुछ दूरी पर खेत में ही मिला था। उस समय भी चोरों के द्वारा सीसीटीवी कनेक्शन को काट दिया गया था और घटना को अंजाम दिया था। हालांकि चोरों की चोरी करने की कोशिश नाकाम रही थी दान पेटी का ताला नहीं तोड़ पाया था। बाद में कमेटी के द्वारा उक्त दान पेटी को खोला गया तो उसमें 49 हजार 20 रुपए कमेटी के फंड में जमा किया गया था। उस समय तत्कालीन थाना प्रभारी के कुंदन कांत विमल द्वारा काफी छानबीन के बाद भी पुलिस के हाथ खाली रह गए थे।

बंदरगाह में गार्ड बहाली पर स्थानीय ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

साहिबगंज: साहिबगंज बंदरगाह में सेक्युरिटी गार्ड बहाली को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया हैं। सकरीगली समदा के ग्रामीण अशोक यादव, गौतम यादव, संजय यादव, अनिल चौधरी, भूवेश मण्डल, पवन कुमार, सहित आज दर्जनों की संख्या में बंदरगाह पहुंचकर सेक्युरिटी एजेंसी का विरोध किया और मांग की की बंदरगाह निर्माण में हमलोगो का जमीन गया हैं और उस वक्त सरकार ने हमलोगो को यह आश्वासन दिया था की बंदरगाह में जितनी भी बहाली होंगी उसमे स्थानीय युवक को पहली प्राथमिकता मिलेगी। जिससे यहाँ के लोगो का बेरोजगारी खत्म हो सके। पांच साल से इसी इंतजार में हमलोग हैं और आज जब सेक्युरिटी गार्ड की बहाली हुआ तो सभी बाहरी लोगो को बहाल कर दिया गया। हमलोग यह नहीं चलने देंगे। यहाँ जितने भी नॉन टेक्निकल रोजगार हैं उसपर पहले हमारा अधिकार हैं। ज्ञात हो की साहिबगंज सकरीगली बंदरगाह में सेक्युरिटी की जिम्मा पटना के सीमांचल सेक्युरिटी एजेंसी को दी गई हैं। जिनके द्वारा 9 आर्म और 9 नॉन आर्म गार्ड की बहाली की गई हैं। जिसका ग्रामीण विरोध शुरू कर दिए हैं। एजेंसी के एमडी बी के सिंह ने ग्रामीण के विरोध के बाद कहा की ये जितने भी बहाल गार्ड हैं सभी एक्स आर्मी मैन हैं और गार्ड की बहाली के लिए एक प्रोसेस हैं। जिसमे हो युवक सेक्युरिटी गॉर्ड के प्रशिक्षण प्राप्त होते हैं उन्ही की बहाली की जाति हैं। यहाँ भी जो भी ग्रामीण प्रशिक्षित हैं वो प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र लेकर आवे उनको हम जॉब देंगे हमारे पुरे देश में रिक्तियां हैं। लेकिन ग्रामीण मनाने को तैयार नहीं हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री को उतारा, 7 बार के विधायक का टिकट काटा

पटना। भारतीय जनता पार्टी इस बार बड़े प्रयोग के साथ आई है। एक बड़ा प्रयोग बेगूसराय में किया है और दूसरा पटना में। बेगूसराय में प्रयोग का विरोध केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह कर चुके हैं, जहां भाजपा ने अपने लिए सिर्फ दो सीटें रखीं और हजार से कम अंतर से हारी सीट भी सहयोगी चिराग पासवान को दे दी। इधर, पटना में एक सीट पर पूर्व केंद्रीय मंत्री को मौका दिया है। सात बार के विधायक और मौजूदा विधानसभा अध्यक्ष को बेटिकट कर दिया। जातीय जनगणना रिपोर्ट को देखकर कायस्थों को छांटने की आशंका भी यहां सही साबित की गई। इसके अलावा, बड़ी बात यह कि अपेक्षाकृत नए चेहरों को मौका दिया गया है। भारतीय जनता पार्टी ने पटना की दानापुर सीट पूर्व सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव को दी है। यहां से पिछली बार राजद के रीत लाल यादव ने भाजपा प्रत्याशी आशा देवी को 15924 मतों से हराया था। रामकृपाल यादव ने राष्ट्रीय जनता दल के साथ कॅरियर की शुरूआत की थी। राजद में बिहार की राजनीति के बाद भाजपा से केंद्र तक का सफर तय किया। लोकसभा चुनाव 2024 में राजद प्रत्याशी और लालू प्रसाद यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती ने रामकृपाल यादव को पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र से हरा दिया था। हार के बावजूद रामकृपाल आदत के अनुसार लगातार क्षेत्र में मेलजोल कर रहे थे। अब उन्हें भाजपा ने दानापुर सीट से उतारा है।भारतीय जनता पार्टी ने पटना साहिब सीट से विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव का टिकट काट दिया। लगातार सात बार विधायक रहे नंद किशोर यादव ने पिछली बार इस सीट पर कांग्रेस के प्रवीण सिंह कुशवाहा को 18300 मतों से हराया था। इस सीट पर भाजपा ने अधिवक्ता और अपने युवा पदाधिकारी रत्नेश कुमार कुशवाहा को उतारा है। रत्नेश भाजपा के प्रदेश सचिव हैं। बिहार भाजपा में लोकसभा प्रभारी रहे हैं। प्रदेश अनुशासन समिति के सदस्य और भाजपा जल प्रबंधन मंच के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के रूप में काम कर चुके हैं। वह पटना महानगर भाजपा के उपाध्यक्ष भी रहे हैं और कार्यसमिति सदस्य भी। कुम्हरार : कायस्थ बहुल सीट से गुप्ता को मौका भाजपा ने कुम्हरार सीट के विधायक अरुण कुमार सिन्हा को भी बेटिकट कर दिया। अरुण सिन्हा ने पिछली बार राजद के धर्मेंद्र कुमार को 26463 मतों से हराया था। बिहार की जातीय जनगणना में कायस्थों की संख्या बहुत कम दिखाए जाने के बाद से यह माना जा रहा था कि भाजपा यह सीट जरूर किसी दूसरे को दे देगी। इसपर कभी मंगल पांडेय का नाम भी चला, लेकिन अंतिम तौर पर सूची में नाम आया युवा और कम पहचाने गए चेहरे संजय गुप्ता का। संजय गुप्ता पटना के जीडी पाटलिपुत्रा स्कूल और वाणिज्य महाविद्यालय के छात्र रहे हैं। बिहार भाजपा के प्रदेश सचिव, भारतीय जनता युवा मोर्चा के राज्य महासचिव भी रहे हैं।

CISF जवानों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त, 25 घायल

सीवान। विधानसभा चुनाव ड्यूटी पर जा रहे उक्रक्रजवानों से भरी एक बस छपरा-सीवान मुख्य मार्ग (NH-531) पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। रसूलपुर थाना क्षेत्र के पाण्डेय छपरा गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक से बस की टक्कर हुई। यह घटना बुधवार सुबह करीब 3 बजे हुई, जिसमें 25 से अधिक जवान घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से तत्काल एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर कौशलेंद्र कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल जवानों को छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। उन्हें एकमा, मांझी और लालहलादपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से एम्बुलेंस से भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही एकमा एडीपीओ राजकुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार, रसूलपुर थानाध्यक्ष राहुल कुमार और एकमा थानाध्यक्ष ध्रुव प्रसाद सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने राहत और बचाव कार्य का निरीक्षण किया। एडीपीओ राजकुमार ने बताया कि बस में कुल 40 CISF जवान सवार थे। ये जवान दिल्ली से ट्रेन से सीवान स्टेशन पहुंचे थे और वहां से बस से छपरा जिले के डोरीगंज में चुनाव ड्यूटी के लिए जा रहे थे। NH-531 पर रसूलपुर थाना क्षेत्र के पाण्डेय छपरा गांव के पास एकमा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बस को टक्कर मार दी। सीट से उछलकर बस के फर्श पर गिरे जवान जवानों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि कई जवान सीटों से उछलकर बस के फर्श पर गिर गए। बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके शीशे टूट गए। जवानों ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को बस से निकालने में मदद की। ट्रक छोड़कर ड्राइवर मौके से फरार घटना के बाद प्रशासन ने मौके का निरीक्षण किया और घायलों के इलाज की व्यवस्था की। फिलहाल सभी घायल जवानों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। ट्रक चालक हादसे के बाद ट्रक छोड़ कर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

शेखपुरा में 2 पिस्तौल, 7 कारतूस बरामद

शेखपुरा। में बुधवार तड़के कोसुंभा थाना पुलिस ने शेखपुरा-शेखोपुर सराय मुख्य सड़क मार्ग पर देवले गांव के पास से 2 पिस्तौल और 7 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस को देखकर आपराधिक घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से पीपल के पेड़ के नीचे बैठे 4 बदमाश खेत में कूदकर फरार हो गए। कोसुंभा थाना अध्यक्ष अमरेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस सब इंस्पेक्टर त्रिपुरारी कुमार अपनी टीम के साथ शेखपुरा-शेखोपुर सराय मार्ग पर गश्त कर रहे थे। तड़के 3 बजे, गश्ती टीम ने गाड़ी की लाइट बुझाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए पीपल के पेड़ के नीचे 4 संदिग्धों को बैठे देखा। पुलिस गाड़ी को अचानक अपने करीब देखकर हथियारबंद अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर खेत में कूदकर भाग निकले। दोनों पिस्तौल और 7 जिंदा कारतूस जब्त पुलिस ने मौके से बदमाशों द्वारा छोड़ी गई दोनों पिस्तौल और 7 जिंदा कारतूस जब्त कर लिए। थाना अध्यक्ष ने बताया कि सभी बदमाश कृपा बीघा गांव और दूसरी दिशा की ओर अलग-अलग होकर भागे। इस संबंध में स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फरार अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

हरियाणा डी.जी.पी. की साली को बिहार में टिकट

हिसार। बॉलीवुड के दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के परिवार के लिए ये हफ्ता दोहरी खुशी लेकर आया है। सुशांत सिंह राजपूत के बहनोई 1991 बैच के IPS अफसर ओपी सिंह को हरियाणा का कार्यवाहक उऋढ बनाया गया है। वहीं उनकी ममेरी बहन दिव्या गौतम को बिहार विधानसभा चुनाव में भाकपा (माले) ने उम्मीदवार बनाया है। भाकपा बिहार में विपक्षी दल की भूमिका में है। सियासी हलकों में चर्चा है कि ओपी सिंह को कार्यकारी DGP बनाने के पीछे बिहार चुनाव भी एक वजह हो सकती है। राजपूत वोटबैंक कई सीटों पर अहम है। बिहार के करीब 30 से 35 विधानसभा क्षेत्र में राजपूत जाति जीत या हार में निर्णायक भूमिका निभाती रही है। यही वजह है कि सत्तापक्ष हो या विपक्ष दोनों इस जाति को समय-समय पर अपने फैसलों के जरिए अपने साथ लाने की कोशिश करते रहे हैं। ओपी सिंह बिहार के जमुई जिले के रहने वाले हैं। वे इससे पहले अंबाला-पंचकूला, फरीदाबाद के पुलिस कमिश्नर और हरियाणा में ADGP के पद पर रह चुके हैं। हाल ही में हरियाणा में क्ढर वाई. पूरन कुमार के सुसाइड केस में नामजद होने के बाद DGP शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेजा गया है।वाई. पूरन मामले में फंसे शत्रुजीत कपूरः हरियाणा के सीनियर आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन सिंह के सुसाइड मामले में DGP शत्रुजीत कपूर का नाम आने से उन पर कार्रवाई की तलवार लटक रही थी। इस मामले के 8 दिन के बाद DGP पद से शत्रुजीत कपूर की छुट्टी हो गई। उनकी जगह 1991 बैच के आईपीएस ओमप्रकाश (ओपी) सिंह को कार्यकारी DGP बनाया गया है। सिंह की इसी साल 31 दिसंबर को रिटायरमेंट है। हरियाणा में नशे के खिलाफ राहगीरी चलाईः ओपी सिंह हरियाणा में नशे के खिलाफ राहगीरी अभियान का कॉन्सेप्ट लाकर चर्चा में आए थे। बाद में राहगीरी को सरकार ने एडॉप्ट किया और काफी पॉपुलर हुआ। यही नहीं उट व मंत्री तक इसमें भाग ले चुके हैं। ओपी सिंह तत्कालीन सीएम मनोहरलाल खट्टर के विशेष सलाहकार के तौर पर भी काम कर चुके हैं। सुशांत ने अपनी मां के निधन के बाद ओपी सिंह के यहां रह कर ही पढ़ाई-लिखाई की थी। बिहार इलेक्शन में फायदाः बिहार चुनाव में राजपूत वोटरों को साधने के लिए भाजपा ने ओपी सिंह पर दांव चला। राजपूतों का 30 से 35 विधानसभा सीटों पर प्रभाव माना जाता है। सुशांत राजपूत डेथ मिस्ट्री देश भर में सुर्खियों में रही। ओपी सिंह ने उन्हें न्याय दिलाने की लड़ाई भी लड़ी। सुशांत राजपूत के चचेरे भाई नीरज कुमार सिंह बबलू बिहार के छातापुर विधान सभा से वर्तमान विधायक एवं नीतीश कुमार सरकार मे पर्यावरण और वन मंत्री हैं। ओपी सिंह मूल रूप से बिहार के जमुई जिले के नमून गांव के रहने वाले हैं। उनकी शुरूआती पढ़ाई जमुई में हुई और आगे की शिक्षा के लिए वे दिल्ली चले गए। ओपी सिंह न सिर्फ तेजतर्रार पुलिस अफसर माने जाते हैं, बल्कि लेखक और खेल प्रेमी भी हैं। उन्होंने तीन किताबें लिखी हैं। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद ओपी सिंह काफी चर्चा में आए थे। उन्होंने इस मामले में न्याय के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी थी। अब DGP बनने के बाद एक बार फिर उनका नाम सुर्खियों में है। सुशांत सिंह राजपूत की ममेरी बहन दिव्या गौतम अब बिहार की राजनीति में उतर चुकी हैं। भाकपा (माले) ने उन्हें पटना की दीघा विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। ये सीट बीजेपी का गढ़ मानी जाती है, इसलिए दिव्या का चुनावी मैदान में उतरना चर्चा का विषय बन गया है। दिव्या गौतम छात्र राजनीति से जुड़ी रही हैं। उन्होंने पटना विमेंस कॉलेज से मास कम्युनिकेशन में ग्रेजुएशन किया है और यूजीसी-नेट पास करने के बाद पीएचडी कर रही हैं। वह पहले पटना यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन का चुनाव भी लड़ चुकी हैं और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की सक्रिय सदस्य रही हैं।

बिहारशरीफ में आज होगा राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन:बीजेपी प्रत्याशी डॉ. सुनील कुमार करेंगे नामांकन

नालंदा। विधानसभा चुनाव में भाजपा का राजनीतिक दांव आज बिहारशरीफ में दिखाई देगा, जब दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी यहां पहुंचेंगे। दोनों नेता बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. सुनील कुमार के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होंगे। नामांकन कार्यक्रम में बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और सांसद कौशलेंद्र कुमार भी मौजूद रहेंगे। डॉ. सुनील कुमार, जो इस क्षेत्र से पांच बार विधायक रह चुके हैं, उन्होंने ने बताया कि नामांकन के बाद किसान कॉलेज में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा, जहां पार्टी अपनी ताकत का प्रदर्शन करेगी।भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है, जिसमें बिहारशरीफ से एक बार फिर डॉ. सुनील कुमार को टिकट दिया गया है। लगातार 5वीं बार प्रत्याशी बनाए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. कुमार ने कहा कि बिहारशरीफ के सम्मानित मतदाताओं ने मुझे लगातार स्नेह, प्यार और आशीर्वाद के साथ समर्थन दिया है।इसी विश्वास के बल पर मैं बार-बार यहां से चुनाव जीतता आया हूं। पहले दिल जीता, तभी चुनाव जीता विपक्षी गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान पर टिप्पणी करते हुए डॉ. सुनील कुमार ने आत्मविश्वास जताया, बिहारशरीफ में कोई चुनौती नहीं है। मैंने पहले दिल जीता, तभी चुनाव जीता। मेरे काम की पहचान जनता खुद करती है।उन्होंने अपने विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि मेरा संकल्प है कि बिहारशरीफ पूरे बिहार राज्य की सबसे उत्कृष्ट विधानसभा बने। मैं लगातार विकास कार्यों में लगा हुआ हूं। एनडीए सरकार को मजबूत करने का संकल्प भाजपा के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिए गए विश्वास पर डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि मैं इस भरोसे पर खरा उतरूंगा। यह सीट जीतकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनने वाली एनडीए सरकार को मजबूत करूंगा।

रोहतास में जदयू को झटके, एनडीए बागियों का हाथी का सहारा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में हुए सीट बंटवारे के बाद रोहतास जिले की कई विधानसभा सीटों पर मुकाबला अब काफी दिलचस्प होता दिख रहा है। एनडीए से टिकट पाने की होड़ में जुटे कई पूर्व विधायकों ने, सीटें अन्य घटक दलों के खाते में जाने से नाराज होकर बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) का दामन थाम लिया है और अब वे समीकरण बिगाड़ने में लगे हैं। हालांकि एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही गठबंधनों की ओर से अभी तक उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि जैसे ही उम्मीदवारों की घोषणा होगी, टिकट कटने वाले नेताओं की संख्या और बढ़ेगी। ऐसे में कई नेता अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए निर्दलीय या अन्य दलों से चुनावी मैदान में उतर सकते हैं।बता दें कि जिले की दिनारा और सासाराम विधानसभा सीटें उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम के खाते में जाने से जदयू के कई नेताओं में नाराजगी है।पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह ने जदयू छोड़ी, बीएसपी में हुए शामिलदिनारा विधानसभा सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे पूर्व मंत्री और जदयू नेता जयकुमार सिंह ने सीट आरएलएम के खाते में जाने पर नाराजगी जताते हुए पार्टी छोड़ दी है। दो बार बिहार सरकार में मंत्री रह चुके जयकुमार सिंह अब बीएसपी के टिकट पर दिनारा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। उनके इस कदम से एनडीए के भीतर नई राजनीतिक हलचल मच गई है।वहीं, सासाराम विधानसभा सीट से टिकट की उम्मीद लगाए बैठे पूर्व विधायक अशोक सिंह कुशवाहा ने भी आरएलएम के खाते में सीट जाने से असंतोष जताया और जदयू से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अब बीएसपी का दामन थाम लिया है। बीएसपी ने उन्हें सासाराम से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। गौरतलब है कि सासाराम क्षेत्र कुशवाहा समाज का मजबूत गढ़ माना जाता है। ऐसे में इस समाज से आने वाले डॉ. अशोक सिंह के बीएसपी टिकट पर चुनाव लड़ने से इस सीट पर मुकाबला और भी रोचक होने की संभावना है। जदयू में बढ़ी नाराजगी, कई नेताओं ने थामा जन सुराज का दामन एनडीए के सीट बंटवारे के बाद रोहतास जिला जदयू में बिखराव के संकेत साफ दिखने लगे हैं। पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक के पार्टी छोड़ने के बाद अब जदयू जिला अध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा ने भी इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने भाई डॉ. निर्मल कुशवाहा के साथ जन सुराज का दामन थाम लिया है। सूत्रों के मुताबिक, डॉ. निर्मल कुशवाहा जन सुराज के टिकट पर सासाराम से चुनाव लड़ सकते हैं। सीट बंटवारे से नाराज अन्य जदयू नेता भी पार्टी लाइन से अलग होने पर विचार कर रहे हैं। जन सुराज के बढ़ते प्रभाव से अप्रत्याशित हो सकते हैं नतीजे राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार में जन सुराज की ताकत बढ़ने से इस बार कई सीटों पर अप्रत्याशित नतीजे देखने को मिल सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में जन सुराज के कार्यक्रमों में उमड़ती भीड़ को देखकर यह स्पष्ट है कि यह पार्टी इस बार एनडीए और महागठबंधन, दोनों के उम्मीदवारों को कड़ी टक्कर दे सकती है। वहीं, एनडीए के बागी नेता भी निर्दलीय या अन्य दलों के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। ऐसे में कई सीटों पर बहुकोणीय मुकाबले के आसार बन गए हैं, जिससे रोहतास समेत पूरे बिहार में सियासी समीकरण उलटने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

संक्षिप्त डायरी

भोजपुर के संदेश में जन सुराज प्रत्याशी का विरोध

भोजपुर। में जन सुराज पार्टी में टिकट वितरण को लेकर मचा विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। संदेश विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के कई सक्रिय कार्यकर्ताओं ने टिकट आवंटन को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी नेतृत्व और प्रशांत किशोर पर पक्षपात, धनबल, पैराशूट उम्मीदवारों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि संदेश सीट से कुल सात योग्य लोगों ने दावेदारी पेश की थी, लेकिन सभी को दरकिनार कर आरा से रिजेक्ट किए गए राजीव रंजन सिंह, पुत्र सीरी कुमार सिंह को संदेश से टिकट दे दिया गया। कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया, क्या हमारे सातों उम्मीदवार अयोग्य थे। अगर हां, तो फिर राजीव रंजन सिंह को कौन सी विशेष योग्यता के आधार पर यहां से टिकट दिया गया, जो आरा के लिए अयोग्य साबित हुए।कार्यकर्ताओं ने प्रशांत किशोर पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि वे लगातार अपने भाषणों और पॉड कास्ट में कहते आए हैं। किसी भी माफिया या भ्रष्ट व्यक्ति को टिकट नहीं देंगे, लेकिन जिनके पिता पर कई गंभीर आरोप लगे हैं उनके पुत्र को टिकट देकर पार्टी ने अपने ही सिद्धांतों की धज्जियां उड़ा दी हैं।संदेश विधानसभा के नेता संजीव कुमार सिंह उर्फ मियां सिंह ने कहा कि गुड़ खाएंगे लेकिन गुलगुला से परहेज करेंगे। प्रशांत किशोर जी का यह दोहरा चरित्र बिहार की जनता के साथ ठगी है। उन्होंने हमें सपने दिखाए और अब वही सपने तोड़ दिए। पार्टी गरीब के बेटे को टिकट देने की बात करती है, लेकिन सच्चाई यह है कि उम्मीदवार बनने के लिए आर्थिक बोझ इतना ज्यादा था कि कोई गरीब इसमें शामिल ही नहीं हो सकता। आवेदन शुल्क 21,000 रखा गया, साथ ही पार्टी द्वारा अनिवार्य किए गए टास्क में 7 कैंप लगाना, 30,000 पिक कार्ड बनाना, लगातार प्रचार अभियान चलाना, पद यात्रा कराना और प्रशांत किशोर की सभाओं में भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी शामिल थी। कर्जा लेकर हमलोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने का काम किया। लड़कों ने अपने पॉकिट से पैसा देकर पिक कार्ड बनवाया। बिहार में सभी काम पूरा होने के बाद अब नेताओं को टिकट नहीं दिया गया। हमलोग इतना पैसा कहां से देंगे। गरीब के बेटा को टिकट नहीं दिया गया। किसी कार्यकर्ता से बात तक नहीं की गई मियां सिंह ने आगे कहा कि पार्टी नेतृत्व ने यह दावा किया था कि टिकट वितरण ग्राउंड सर्वे के आधार पर होगा, लेकिन संदेश विधानसभा की रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। जो व्यक्ति खुद को आरा विधानसभा का उम्मीदवार घोषित कर रहा था, वह अचानक संदेश की सर्वे रिपोर्ट में अव्वल कैसे हो गया। उम्मीदवारों के साथ कोई टेबल-टॉक चर्चा तक नहीं की गई, जबकि पार्टी के संविधान में आंतरिक लोकतंत्र की बात प्रमुखता से कही गई है। टिकट आवंटन में पारदर्शिता पूरी तरह नदारद रही। टिकट के लिए बड़े पैमाने पर घपला हुआ है। पार्टी के अंदर के भ्रष्टाचार पर नियंत्रण नहीं हो पाया, तो बिहार के स्तर पर संरचनात्मक भ्रष्टाचार को कैसे खत्म किया जाएगा।टकट वितरण से नाराज भोजपुर जिले की कोर कमिटी, ब्लॉक प्रभारी, पंचायत प्रभारी, बूथ एजेंट और अन्य पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफा देने की घोषणा की है। यही स्थिति नवादा और शाहाबाद क्षेत्र के अन्य इलाकों में भी बन रही है।नाराज नेताओं ने कहा कि जन सुराज अब व्यक्ति विशेष पर निर्भर पार्टी बनकर रह गई है। जो पार्टी लोकतंत्र और ईमानदारी का दावा कर रही थी, आज वही अपनी बैठकों में तय नियमों की अनदेखी कर रही है। यहां तक कि जन सुराज पार्टी की उम्मीदवार सूची से अलग नाम घोषित किए गए।

दरभंगा के बॉर्डर इलाकों में 8 चेक पोस्ट बनाए गए

दरभंगा। में बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सख्त बरती जा रही है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ ही जिले की सीमाओं पर आठ से अधिक स्टेटिक चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। जहां 24 घंटे चेकिंग अभियान चला जा रहा है। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। चेक पोस्ट बिठौली(मुजफ्फरपुर सीमा), राजे टोल प्लाजा, राजनगर सीमा, पुनाच(सहरसा सीमा), तिलकेश्वर(खगड़िया सीमा), जमालपुर(समस्तीपुर सीमा), चंदौना (सीतामढ़ी सीमा) और मोतगाह(रोसड़ा-बहेड़ी पथ) पर टीम सक्रिय है। अधिकारियों की तैनाती की गई है। ताकि चुनाव अवधि में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। जसमलपुर, घेपुरा केवटी और रोसड़ा-बहेड़ी मार्ग पर सैकड़ों वाहनों की जांच की गई।जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे आदर्श आचार संहिता का पूर्ण पालन करें और निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग दें। चुनाव को लेकर मद्य निषेध विभाग भी एक्टिव हो गया है। सहायक आयुक्त के नेतृत्व में अवैध शराब के खिलाफ लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।13 अक्टूबर को हुई विशेष कार्रवाई में 63 स्थानों पर छापेमारी, 09 अभियोग दर्ज और 12 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई। इनमें 10 लोग शराब सेवन के आरोप में, जबकि 2 लोग शराब परिवहन व बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किए गए। कुल 2.200 लीटर चुलाई शराब जब्त और ड्रोन से हुई कार्रवाई में 275 लीटर चुलाई शराब और 7550 किलोग्राम जावा महुआ (गुड़ का घोल) बरामद कर मौके पर नष्ट किया गया।

जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 83,130 रुपए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में पसपुर निवासी राजकुमार महतो की पत्नी रेखा देवी और गठुल्ली निवासी सुबोध भगत की पत्नी सुनैना देवी है।सीएपीएफ की संयुक्त छापेमारी मद्य निषेध टीम ने सीएपीएफ जवानों और ड्रोन कैमरे की मदद से जंगल-झाड़ियों में छापेमारी की। इस कार्रवाई में RPSF बटालियन-2 (गोरखपुर) और CISF 41-इ कंपनी के जवान शामिल थे। संयुक्त तलाशी के दौरान 362 प्लास्टिक डब्बों में रखे गए 7550 किलोग्राम जावा गुड़ का घोल और 275 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद कर नष्ट किया गया।

अमृतसर लगभग साढे चार सौ वर्ष से अस्तित्व में है। सबसे पहले गुरू रामदास ने 1577 में 500 बीघा में गुरूद्वारे की नींव रखी थी। यह गुरूद्वारा एक सरोवर के बीच में बना हुआ है। यहां का बना तंदूर बड़ा लजीज होता है। यहां पर सुन्दर कृपाण, आम पापड, आम का आचार और सिक्खों की दस गुरूओं की खूबसूरत तस्वीरें मिलती हैं।

स्वर्ण मंदिर
सिक्खों की आस्था का केंद्र

अमृतसर में पहले जैसा आकर्षण नहीं रहा। अमृतसर के पास उसके गौरवमयी इतिहास के अलावा कुछ भी नहीं है। अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के अलावा देखने लायक कुछ है तो वह है अमृतसर का पुराना शहर। इसके चारों तरफ दीवार बनी हुई है। इसमें बारह प्रवेश द्वार हैं। यह बारह द्वार अमृतसर की कहानी बयान करते हैं। अमृतसर दर्शन के लिए सबसे अच्छा साधन साईकिल रिक्शा और ऑटो हैं। इसी प्रचालन को आगे बढ़ाने और विरासत को सँभालने के उद्देश्य से पंजाब पर्यटन विभाग ने फाजिल्का की एक गैर सरकारी संस्था ग्रेजुएट वेलफेयर एसोसिएशन फाजिल्का से मिलकर, फाजिल्का ईकोफ्रेंडली रिक्शा को नए रूप, 'ईको- कैब' अमृतसर में किया है। अब अमृतसर में रिक्शा की सवारी करते समय ना केवल पर्यटकों की जानकारी के लिए ईको- कैब में शहर का पर्यटन मानचित्र है, बल्कि पीने के लिए पानी की बोतल, पढ़ने के लिए अखबार और सुनने के लिए एफएम रेडियो जैसे सुविधाए भी हैं।

स्वर्ण मंदिर अमृतसर का सबसे बड़ा आकर्षण है। इसका पूरा नाम हरमंदिर साहब है लेकिन यह स्वर्ण मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। पूरा अमृतसर शहर स्वर्ण मंदिर के चारों तरफ बसा हुआ है। स्वर्ण मंदिर में प्रतिदिन हजारों पर्यटक आते हैं। अमृतसर का नाम वास्वत में उस तालाब के नाम पर रखा गया है जिसका निर्माण गुरू रामदास ने अपने हाथों से कराया था।

सिक्ख भगवान में विश्वास नहीं करते। उनके लिए गुरू ही सब कुछ हैं। स्वर्ण मंदिर में प्रवेश करने से पहले वह मंदिर के सामने सर झुकाते हैं, फिर पैर धोने के बाद सीढ़ियों से मुख्य मंदिर तक जाते हैं। सीढ़ियों के साथ-साथ स्वर्णमंदिर से जुड़ी हुई सारी घटनाएं और इसका पूरा इतिहास लिखा हुआ है। स्वर्ण मंदिर बहुत ही खूबसूरत है। इसमें रोशनी की सुन्दर व्यवस्था की गई है। सिक्खों के लिए स्वर्ण

मंदिर बहुत ही महत्वपूर्ण है। सिक्खों के अलावा भी बहुत से श्रद्धालु यहां आते हैं। उनकी स्वर्ण मंदिर और सिक्ख धर्म में अटुट आस्था है।

हरमंदिर साहब परिसर में दो बड़े और कई छोटे-छोटे तीर्थस्थल हैं। ये सारे तीर्थस्थल जलाशय के चारों तरफ फैले हुए हैं। इस जलाशय को अमृतसर और अमृत झील के नाम से जाना जाता है। पूरा स्वर्ण मंदिर सफेद पत्थरों से बना हुआ है और इसकी दिवारों पर सोने की पत्तियों से नक्काशी की गई है। हरमंदिर साहब में पूरे दिन गुरु बानी की स्वर लहरियां गूंजती रहती हैं। मंदिर परिसर में पत्थर का स्मारक लगा हुआ है। यह पत्थर जांबाज सिक्ख सैनिकों को श्रद्धाजंलि देने के लिए लगा हुआ है।

जलियांवाला बाग

13 अप्रैल 1919 को इस बाग में एक सभा का आयोजन किया गया था। यह सभा ब्रिटिश सरकार के विरूद्ध थी। इस सभा को बीच में ही रोकने के लिए जनरल डायर ने बाग के एकमात्र रास्ते को अपने सैनिकों के साथ घेर लिया और भीड़ पर अंधाधुंध गोली बारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में बच्चों, बूढ़ों और महिलाओं समेत लगभग 300 लोगों की जान गई और 1000 से ज्यादा घायल हुए। यह घटना को इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक माना जाता है।

जलियां वाला बाग हत्याकांड इतना भयंकर था कि उस बाग में स्थित कुआं शवों से पूरा भर गया था। अब इसे एक सुन्दर पार्क में बदल दिया गया है और इसमें एक संग्राहलय का निर्माण भी कर दिया गया है। इसकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी जलियांवाला बाग ट्रस्ट की है। यहां पर सुन्दर पेड़ लगाए गए हैं और बाड़ बनाई गई है। इसमें दो स्मारक भी बनाए गए हैं। जिसमें एक स्मारक रोती हुई मूर्ति का है और दुसरा स्मारक अमर ज्योति है। बाग में घूमने का समय गर्मियों में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक और सर्दियों में सुबह 10 बजे से शाम 5 तक रखा गया है।

अन्य दर्शनीय स्थल

गुरुद्वारे

अमृतसर की दक्षिण दिशा में संतोखसर साहब और बिबेसर साहब गुरूद्वार है। इनमें से संतोखसर गुरूद्वारा स्वर्ण मंदिर से भी बड़ा है। महाराजा रणजीत सिंह ने रामबाग पार्क में एक समर पैलेस बनवाया था। इसकी अच्छी देखरेख की गई जिससे यह आज भी सही स्थिति में हैं। इस महल की बाहरी दीवारों पर लाल पत्थर लगे हुए हैं। इस महल को अब महाराजा रणजीत सिंह संग्राहलय में बदल दिया गया है। इस संग्राहलय में अनेक चित्रों और फर्नीचर को प्रदर्शित किया गया है। यह एक पार्क के बीच में बना हुआ है। इस पार्क को बहुत सुन्दर बनाया गया है। इस पार्क को लाहौर के शालीमार बाग जैसा बनाया गया है। संग्राहलय में घूमने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है। यह सोमवार को बंद रहता है।

हाथी गेट मंदिर

प्राचीन हिन्दू मंदिर हाथी गेट क्षेत्र में स्थित हैं। यहां पर दुर्गीयाना मंदिर है। इस मंदिर को हरमंदिर की तरह बनाया गया है। इस मंदिर के जलाशय के मध्य में सोने की परत चढ़ा गर्भ गृह बना हुआ है। दुर्गीयाना मंदिर के बिल्कुल पीछे हनुमान मंदिर है। दंत कथाओं के अनुसार यही वह स्थान है जहां हनुमान अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को लव-कुश से वापस लेने आए थे और उन दोनों ने हनुमान को परास्त कर दिया था।

खरउद्दीन मस्जिद

यह मस्जिद गांधी गेट के नजदीक हॉल बाजार में स्थित है। नमाज के समय यहां बहुत भीड़ होती है। इस समय इसका पूरा प्रागंण नमाजियों से भरा होता है। उचित देखभाल के कारण भारी भीड़ के बावजूद इसकी सुन्दरता में कोई कमी नहीं आई है। यह मस्जिद इस्लामी भ व न निर्माण कला की जीती जागती तस्वीर पेश करती है मुख्य रूप से इसकी दीवारों पर लिखी आयतें। यह बात ध्यान देने योग्य है कि जलियांवाला बाग सभा के मुख्य वक्ता डॉ सैफउद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल इसी मस्जिद से ही सभा को संबोधित कर रहे थे।

बाबा अटल राय स्तंभ- यह गुरु हरगोविंदसिंह के नौ वर्षीय पुत्र का शहादत स्थल है।

तरन तारन- अमृतसर से करीब 22 किलोमीटर दूर इस स्थान पर एक तालाब है। ऐसी मान्यता है कि इसके पानी में बीमारियों को दूर करने की ताकत है।

राम तीर्थ- यह भगवान राम के पुत्रों लव तथा कुश का जन्म स्थल माना जाता है।

बाघा बोर्डर- बाघा बोर्डर पर हर शाम भारत की सीमा सुरक्षा बल और पाकिस्तान रेंजर्स की सैनिक टुकड़ियां इकट्ठी होती है। विशेष मौकों पर मुख्य रूप से 14 अगस्त के दिन जब पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस समाप्त होता है और भारत के स्वतंत्रता दिवस की सुबह होती है उस शाम वहां पर शांति के लिए रात्रि जागरण किया जाता है। उस रात वहां लोगों को एक-दुसरे से मिलने की अनुमति भी दी जाती है। इसके अलावा वहां पर पूरे साल कंटिली तारें, सुरक्षाकर्मी और मुख्य द्वार के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता।

खानपान

अमृतसर के व्यंजन पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। यहां का बना चिकन, मक्के की रोटी, सरसों का साग और लस्सी बहुत प्रसिद्ध है। अमृतसर पंजाब में स्थित है। खाने-पीने के शौकीन लोगों के लिए पंजाब स्वर्ग माना जाता है।

दरबार साहिब के दर्शन करने के बाद अधिकतर श्रद्धालु भीजे भठुर, रसीली जलेबी और अन्य व्यंजनों का आनंद लेने के लिए भरावन के ढाबे पर जाते हैं। यहां की स्पेशल थाली भी बहुत प्रसिद्ध है। इसके अलावा लारेंस रोड की टिक्की, आलू-पूरी और आलू परांठे बहुत प्रसिद्ध हैं। अमृतसर के अमृतसरी कुल्चे बहुत प्रसिद्ध है। अमृतसरी कुल्चों के लिए सबसे बेहतर जगह मकबूल रोड के ढ़ाबे हैं। यहां केवल दो बजे तक ही कुल्चे मिलते हैं।

पपड़ी चाट और टिक्की के लिए बृजवासी की दुकान प्रसिद्ध है। यह दूकान कपूर रोड पर स्थित है। लारेंस रोड पर बी.बी.डी.ए.वी. गर्ल्स कॉलेज के पास शहर के सबसे अच्छे आम पापड़ मिलते हैं। शाकाहारी खाने के साथ-साथ अमृतसर अपने मांसाहारी व्यंजनों के लिए भी प्रसिद्ध है। मासंहारी व्यंजनों में अमृतसरी मच्छी बहुत प्रसिद्ध है। इस व्यंजन को चालीस साल पहले चिमन लाल ने तैयार किया था। अब यह व्यंजन अमृतसर के मांसाहारी व्यंजनों की पहचान है। लारेंस रोड पर सूरजीत चिकन हाऊस अपने भूने हुए चिकन के लिए और कटरा शेर सिंह अपनी अमृतसरी मच्छी के लिए पूरे अमृतसर में प्रसिद्ध है।

बाजार-हाट

अमृतसर का बाजार काफी अच्छा है। यहां हर तरह के देशी और विदेशी कपड़े मिलते हैं। यह बाजार काफी कुछ लाजपत नगर जैसा है। अमृतसर के पुराने शहर के हॉल बाजार के आस-पास के क्षेत्र मुख्यतः कोतवाली क्षेत्र के पास परंपरागत बाजार हैं। इन बाजारों के अलावा यहां पर अनेक कटरे भी हैं। यहां पर आभूषणों से लेकर रसोई तक का सभी सामान मिलता है। यह अपने अचारों और पापड़ों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। पंजाबी पहनावा भी पूरे विश्व में बहुत प्रसिद्ध है। खासकर लड़कियों में पंजाबी सूट के प्रति बहुत चाव रहता है। सूटों के अलावा यहां पर पगड़ी, सलवार-कमीज, रूमाल और पंजाबी जूतियों की बहुत मांग हैं।

दरबार साहब के बाहर जो बाजार लगता है। वहां पर स्टील के उच्च गुणवत्ता वाले बर्तन और कृपाल मिलते हैं। कृपाण को सिक्खों में बहुत पवित्र माना जाता है। तलवारों की कीमत 125 रू से शुरू होती है। इन सब के अलावा यहां पर सिक्ख धर्म से जुड़ी किताबें और साहित्य भी प्रचुर मात्रा में मिलता है।

कैसे जाएं

रेलमार्ग और सड़क मार्ग से 9 घंटे, वायुमार्ग से 1 घंटा। यह भारत के बिल्कुल पश्चिम छोर पर स्थित है। यहां से पाकिस्तान केवल 25 किमी. की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 1 द्वारा करनाल, अम्बाला, खन्ना, जलंधर और लुधियाना होते हुए अमृतसर पहुंचा जा सकता है।

दूरी- यह दिल्ली से उत्तर पूर्व में 447 किमी. की दूरी पर स्थित है। अमृतसर जाने के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च है

वायु मार्ग- अमृतसर का राजा सांसी हवाई अड्डा दिल्ली से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

रेल मार्ग- दिल्ली से टाटानगर-जम्मूतवी एक्सप्रैस और गोल्डन टेम्पल मेल द्वारा आसानी

से अमृतसर रेलवे स्टेशन पहुंचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- अपनी कार से भी ग्रैंड ट्रंक रोड द्वारा आसानी से अमृतसर पहुंचा जा सकता है। बीच में विश्राम करने के लिए रास्ते में सागर रत्ना, लक्की ढाबा और हवेली अच्छे रस्तरां है। यहां पर रूककर कुछ देर आराम किया जा सकता है और खाने का आनंद भी लिया जा सकता है। इसके अलावा दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से भी अमृतसर के लिए बसें जाती हैं।

कप्तान शुभमन सहित भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई, विराट और रोहित भी थे टीम के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई। इसमें नये एकदिवसीय कप्तान शुभमल गिल के अलावा अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई अन्य खिलाड़ी शामिल थे। भारत के ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से सीरीज शुरु होगी। इस दौरे पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के अलावा 5 मैच की टी20 सीरीज भी खेलेगी। इस दौरे पर एकदिवसीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे जबकि टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास रहेगी। रोहित और विराट एकदिवसीय सीरीज से सात माह बाद मैदान में वापसी करेंगे।

रवाना होने वाले खिलाड़ियों में कप्तान शुभमन , रोहित, विराट, श्रेयस अय्यर, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा,

केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा आदि थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से ही ये भारतीय टीम की पहली एकदिवसीय सीरीज होगी।

भारत की एकदिवसीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (वीसी), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल।

भारत की टी20 टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

एकदिवसीय सीरीज कार्यक्रम-

पहला एकदिवसीय- 19 अक्टूबर ; सुबह 9 बजे
दूसरा एकदिवसीय- 23 अक्टूबर ; सुबह 9 बजे
तीसरा एकदिवसीय- 25 अक्टूबर ; सुबह 9 बजे

टी20 कार्यक्रम

पहला टी20- 29 अक्टूबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
दूसरा टी20- 31 अक्टूबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
तीसरा टी20- 2 नवंबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
चौथा टी20- 6 नवंबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
पांचवां टी20- 8 नवंबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से

राशिद खान ने रचा इतिहास, बने दुनिया के नंबर 1 वनडे गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्टार लेग-स्पिनर राशिद खान ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी वनडे गेंदबाज़ी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। राशिद ने सीरीज में कुल 11 विकेट झटके, जिसमें एक पांच विकेट हॉल (फाइव-विकेट हॉल) भी शामिल था।

इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज, श्रीलंका के महेश थीक्षाना, इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर, भारत के कुलदीप यादव और नामीबिया के बर्नार्ड स्कॉल्ट्ज को पछाड़कर शीर्ष स्थान अपने नाम किया।

राशिद खान का प्रदर्शन

अफग़ानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान अबू धाबी में बांग्लादेश पर 3-0 की जीत के बाद वनडे में नंबर 1 गेंदबाज बन गए हैं। राशिद ने सीरीज में 6.09 की औसत और 2.73 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए।

अफगान खिलाड़ियों का दबदबा

राशिद के साथी अजमतुल्लाह ओमरजई ने भी सीरीज़ में 7 विकेट झटके और आईसीसी ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया। वहीं इब्राहिम जद्रान, जिन्होंने लगातार दो मैचों में 95-95 रन की शानदार पारियां खेलीं, वनडे बल्लेबाज़ी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

जद्रान को सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा, 'सेंचुरी से चूकना थोड़ा दुखद था, लेकिन मैं टीम के लिए 100त्न देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। राशिद और पूरी टीम ने इस जीत को खास बना दिया।'

भारत के लिए अच्छी खबर

वहीं भारतीय क्रिकेटरों की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला है। कुलदीप यादव सात स्थान की छलांग लगाकर आईसीसी टेस्ट गेंदबाज़ी रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

महिला विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए भारत पर जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशाखापत्तनम में रविवार (12 अक्टूबर) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। गत चैंपियन टीम ने भारत के 330 रनों के लक्ष्य को एक ओवर और तीन विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। समय सीमा को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि भारत अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे था। यह जुर्माना एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के मिशेल पेरेरा ने लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार - जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है - खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड स्वीकार कर लिया, जिसका अर्थ है कि किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी। यह आरोप मैदानी अंपायर सू रेडफर्न और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर किम कॉटन और चौथे अंपायर जैकलीन विलियम्स द्वारा लगाया गया था।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में रुट , एकदिवसीय में शुभमन व टी20 में अभिषेक शीर्ष पर

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को तीनों प्रारूपों टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 के लिए खिलाड़ियों की रैंकिंग जारी की। इसमें टेस्ट बल्लेबाजी में इंग्लैंड के जो रुट शीर्ष पर है। वहीं एकदिवसीय बल्लेबाजी में भारत के शुभमन गिल जबकि टी20 में अभिषेक शर्मा शीर्ष पर हैं। गेंदबाजों में भारत के जसप्रीत बुमराह टेस्ट जबकि अफगानिस्तान के राशिद खान एकदिवसीय में नंबर एक पर हैं। भारत के ही वरुण चक्रवर्ती टी20 रैंकिंग में नंबर एक पर हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लंबी छलांग लगाकर जहां टेस्ट फॉर्मेट में पांचवें स्थान पर पहुंचे हैं, वहीं अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान आठ स्थान की छलांग लगाते हुए एकदिवसीय रुप में दूसरे नंबर के बल्लेबाज बने हैं। शीर्ष पर शुभमन हैं। टी20 में भारत के अभिषेक शर्मा तो गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं।

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग

1. जो रूट (इंग्लैंड), 2. हैरी ब्रूक (इंग्लैंड), 3. केन विलियमसन (न्यूजीलैंड), 4. स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया), 5. यशस्वी जायसवाल (भारत), 6. टेंबा बवुमा (दक्षिण अफ्रीका), 7. कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका), 8. ऋषभ पंत (भारत), 9. डेरिल मिचेल (न्यूजीलैंड), 10. बेन डकेट (इंग्लैंड)

एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग

1. शुभमन गिल (भारत), 2. इब्राहिम जादरान (अफगानिस्तान), 3. रोहित शर्मा (भारत), 4. बाबर आजम (पाकिस्तान), 5. विराट कोहली (भारत), 6. डेरिल मिचेल (भारत), 7. चरिथ असालंका (श्रीलंका), 8. हैरी टैक्टर (आयरलैंड), 9. श्रेयस अय्यर (भारत), 10. शाई होप (वेस्टइंडीज)

टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग

1. अभिषेक शर्मा (भारत), 2. फिल साल्ट (इंग्लैंड), 3. तिलक वर्मा (भारत), 4. जोस बटलर (इंग्लैंड), 5. पथुम निसांका (श्रीलंका), 6. ट्रेविस हेड (श्रीलंका), 7. टिम सिफर्ट (न्यूजीलैंड), 8. सूर्यकुमार यादव (भारत), 9. कुसाल परेरा (श्रीलंका), 10. मिशेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया)

टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग

1. जसप्रीत बुमराह (भारत), 2. कगिसो रबाडा (दक्षिण अफ्रीका), 3. मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), 4. पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया), 5. जोश हेजलवुड (ऑस्ट्रेलिया), 6. नोमान अली (पाकिस्तान), 7. स्कॉट बोलैंड (ऑस्ट्रेलिया), 8. नाथन लियोन (ऑस्ट्रेलिया), 9. मार्को यानसेन (दक्षिण अफ्रीका), 10. मिचेल स्टॉर्क (ऑस्ट्रेलिया)

एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग

1. राशिद खान (अफगानिस्तान), 2. केशव महाराज (दक्षिण अफ्रीका), 3. महिश तिक्षाणा (श्रीलंका), 4. जोफ्रा आर्चर (इंग्लैंड), 5. कुलदीप यादव (भारत), 6. बर्नार्ड स्कोल्ट्ज (नामीबिया), 7. मिचेल सेंटनर (न्यूजीलैंड), 8. आदिल राशिद (इंग्लैंड), 9. मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), 10. रवींद्र जडेजा (भारत)

टी20 गेंदबाजी रैंकिंग

1. वरुण चक्रवर्ती (भारत), 2. अकील हुसैन (वेस्टइंडीज), 3. राशिद खान (अफगानिस्तान), 4. एडम जांपा (ऑस्ट्रेलिया), 5. जैकब डफी (न्यूजीलैंड), 6. आदिल रशीद (इंग्लैंड), 7. वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका), 8. अबरार अहमद (पाकिस्तान), 9. नुवान तुषारा (श्रीलंका), 10. कुलदीप यादव (भारत)

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में इंपेक्ट प्लेयर रहे सिराज

नई दिल्ली ।वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम की टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत के बाद इंपैक्ट प्लेयर का अवार्ड तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मिला है।बीसीसीआई ने इस पदक समारोह का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। सिराज इस वीडियो में कह रहे हैं, 'यह सीरीज बहुत अच्छी रही क्योंकि हम अहमदाबाद में खेले थे, जहां तेज गेंदबाज़ों को काफी मदद मिली थी पर फिर हम दिल्ली आ गए, और हमें यहां काफी ओवर फेंकने पड़े।हर विकेट 5 विकेट जैसा लगा। एक तेज गेंदबाज के तौर पर, जब आपको अपनी मेहनत का फल मिलता है, तो आपको काफी अच्छा अनुभव होता है। आप रेसिंग रूम के प्रभावशाली खिलाड़ी भी होते हैं, इसलिए ये सब बहुत अच्छा लगता है।

उन्होंने आगे कहा, जब आप कुछ हासिल करते हैं, तो आपको अपने बारे में बहुत अच्छा लगता है। मुझे अपने पर बहुत गर्व है।मैं इसी तरह अपना प्रदर्शन जारी रखूंगा, क्योंकि मेरा पसंदीदा प्रारुप टेस्ट क्रिकेट है। इसमें कई चुनौतियां होती हैं। आपको पूरे दिन शारीरिक और मानसिक रूप से मैदान पर टिके रहना होता है। मुझे योगदान देने में सक्षम होने पर बहुत गर्व है।सिराज अब ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेलते नजर आयेंगे।

नीतीश को लेकर अश्विन ने चयन समिति पर निशाना साधा

-बोले, गेंदबाजी नहीं करानी थी तो किसी और को रखते

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के मामले को लेकर चयन समिति पर निशाना साधा है।अश्विन ने कहा कि जब नीतीश से गेंदबाजी ही नहीं करानी तो उन्हें टीम में शामिल ही क्यों किया गया था।अश्विन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में नीतीश को अंतिम ग्यारह में रखे जाने के कारणों पर भी सवाल उठये हैं।वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा भी था कि इस ऑलराउंडर को इसलिए रखा गया जिससे कि उसे अभ्यास का अवसर मिले सकें क्योंकि विदेशी पिचों पर भारत को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की जरूरत होती है।वहीं कोच गौतम गंभीर ने भी कहा कि नीतीश को टीम में रहने से अनुभव तो हो रहा है।दूसरी ओर अश्विन का कहना है कि जब उसे गेंदबाजी ही नहीं दी गयी तो अंतिम ग्यारह में रहने से किस प्रकार से अनुभव मिलेगा।गौरतलब है कि नीतीश ऑलराउंडर के तौर पर दोनों ही मैचों में रखे गये थे।पहले टेस्टम में उन्होंने केवल 4 ओवर गेंदबाजी की, जबकि दूसरे टेस्ट में एक ओवर भी नहीं फेंका था।इसी को लेकर अश्विन ने कहा कि जब रेड्डी से गेंदबाज करानी ही नहीं थी तो उनकी जगह पर किसी विशेषज्ञ बल्लेबाज को खिलाया जा सकता था। या फिर अक्षर पटेल जैसे स्थापित ऑलराउंडर को रखा जा सकता था।अश्विन ने कहा, अगर नीतीश रेड्डी की यही भूमिका है तब तो मुझे लगता है कि आप एक विशेषज्ञ बल्लेबाज या गेंदबाज को खेला सकते हैं। आप अक्षर पटेल को खिला सकते थे।

एशिया कप तनाव के बाद भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने मिलाया हाथ

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। मलेशिया के जोहोर बाहरू में सुल्तान ऑफ जोहोर कप में भारत और पाकिस्तान के बीच जूनियर हॉकी मैच मंगलवार को राष्ट्रगान के बाद दोनों पक्षों के खिलाड़ियों के बीच हाई-फाइव के साथ शुरू हुआ और 3-3 से ड्रॉ रहे कड़े मुकाबले के बाद हाथ मिलाने के साथ समाप्त हुआ।

यह घटनाक्रम पिछले महीने हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के विपरीत है, जहां भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैदान पर किसी भी तरह की बातचीत से परहेज किया था। एशिया कप में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर अपने पाकिस्तानी समकक्षों के साथ पारंपरिक हाथ मिलाने से परहेज किया और अपनी जीत

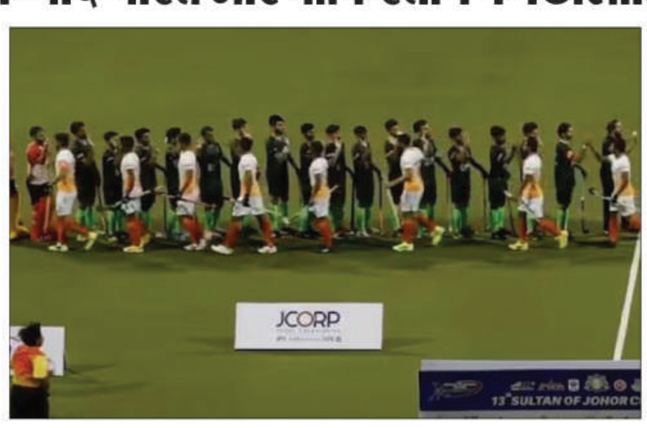

पहलगाम आतंकवादी हमले से प्रभावित परिवारों को समर्पित की। बाद में भारत ने PCB और ACC प्रमुख मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

सूर्यकुमार ने कहा था, 'मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा। दिल्ली अभी बहुत दूर है। मुझे नहीं पता कि अगले मैच में पाकिस्तान के साथ क्या होगा। वैसे भी, हम सिर्फ बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही खेलते हैं, लेकिन उस समय जो भी होगा, हम देखेंगे। फिलहाल, यही वो पल है जिसका हम आनंद लेना चाहते हैं।'

इसके विपरीत भारत और पाकिस्तान की जूनियर टीमों के बीच सुल्तान जोहोर कप हॉकी मैच का माहौल हमेशा की तरह सामान्य था। राष्ट्रगान के बाद खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को हाई-फाइव दिए और 3-3 से रोमांचक ड्रॉ के बाद हाथ मिलाए। मैच से पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) ने कथित तौर पर अपने खिलाड़ियों को किसी भी तरह के टकराव से बचने और पूरी तरह से खेल पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया था - इस कदम से मैदान पर माहौल सम्मानजनक और खेल भावना से भरा रहा।

ऑस्ट्रेलिया में रोहित और विराट के खेल का जादू देखना चाहते हैं सभी : शुभमन

मुम्बई ।अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब सात महीने के बाद मैदान पर खेलते नजर आयेंगे।ये दोनो ही भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना हुए हैं।टीम के रवाना होने से पहले एकदिवसीय प्रारुप के नये कप्तान बने शुभमन गिल ने कहा कि सभी लोग इन दोनो अनुभवी खिलाड़ियों के कौशल को देखना चाहते हैं।शुभन ने कहा कि टीम चाहती है कि दोनों खिलाड़ी अपने खेल का जादू सभी को दिखाएं।गिल ने कहा, ये दोनो ही पिछले एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम को जीत दिलाते रहे हैं। साथ ही कहा कि उनका अनुभव हर कप्तान और हर टीम के लिए बेहद अहम होता रहा है।ऐसे में हम बस यही चाहते हैं कि वो जाएं और अपना कमाल दिखाएं।साथ ही कहा कि भारतीय टीम पिछले दो-तीन साल से एकदिवसीय प्रारुप में बेहतरीन खेल दिखा रही है। इसी लय में वह बनाये रखना चाहती है।उन्होंने कहा, हमने पिछले कुछ सालों में काफी अच्छा क्रिकेट खेला है।टीम लगभग वही है, इसलिए किसी प्रकार के बदलाव की जरूरत नहीं है।ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा ही रोमांचक होता है और इसी को लेकर हम सब बेहद उत्साहित हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू होगी।वहीं कई दिग्गज को मानना है कि इस सीरीज के आधार पर ही रोहित और विराट का आगे का करियर निर्भर करेगा।

शुभमन गिल ने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है: गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि शुभमन गिल के लिए कप्तानी के अभी शुरुआती दिन हैं और उन्होंने अभी तक अपने सबसे कठिन दिनों का सामना नहीं किया है। गंभीर ने गिल की दबाव और कठिन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता की तारीफ़ की। गिल ने रोहित शर्मा के स्थान पर भारतीय टेस्ट टीम की कमान संभाली और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में 2-2 से ड्रॉ कर शानदार शुरुआत की।

कप्तानी की शुरुआत और दबाव

गिल का यह पहला पूर्णकालिक टेस्ट कप्तानी कार्यकाल चुनौतीपूर्ण रहा। दिल्ली में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट में सात विकेट से जीत के साथ उन्होंने भारतीय कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीत दर्ज की। गंभीर ने बताया कि गिल ने अपनी टीम को दबाव में भी संभालने की क्षमता दिखाई और यह दिखाया कि वह मुश्किल हालात में भी शांत रह सकते हैं।

गंभीर का समर्थन और मार्गदर्शन

गंभीर ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका कर्तव्य है कि वह गिल के कंधों से दबाव और आलोचना को कम करें, बशर्ते गिल टीम के लिए सही निर्णय लें और ड्रेसिंग रूम में ईमानदार और पारदर्शी रहें। उन्होंने कहा, 'अब तक, वह शानदार रहे, पारदर्शी, मेहनती और टीम के हित में निर्णय लेने वाले। एक कोच इससे अधिक क्या उम्मीद कर सकता है?'

इंग्लैंड दौरे में कठिन परीक्षा

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे को गिल की कप्तानी की सबसे कठिन परीक्षा बताया। उन्होंने याद किया कि गिल को युवा टीम के साथ एक बेहतरीन इंग्लैंड टीम के सामने खड़ा किया गया। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड में बनाए गए रन महत्वपूर्ण नहीं थे, बल्कि दबाव में टीम का नेतृत्व करना असली परीक्षा थी। उन्होंने गिल की नेतृत्व क्षमता और मानसिक मजबूती की सराहना की।

सफलता के हकदार

गंभीर ने कहा कि गिल ने 25 दिनों के कड़े क्रिकेट के दौरान कभी निराशा या दबाव का संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए नेतृत्व किया और टीम को एकजुट रखा। गंभीर के अनुसार, गिल अब और भविष्य में हर सफलता के हक़दार हैं, क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी खुद को साबित किया।

आगामी वनडे श्रृंखला की तैयारी

वेस्टइंडीज़ पर टेस्ट सीरीज़ जीत के बाद, गिल अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं। गंभीर ने उम्मीद जताई कि गिल आगामी सीरीज़ में भी दबाव में शांत और प्रभावशाली नेतृत्व दिखाएंगे। गिल के लिए यह नया अनुभव उनकी कप्तानी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

मैक्सवेल की ऑलटाइम एकदिवसीय टीम में छह भारतीय और पांच ऑस्ट्रेलियाई

-इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को नहीं मिली जगह

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने एक ऑलटाइम एकदिवसीय टीम चुनी है। इसमें सबसे अधिक छह भारतीय और पांच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को शामिल किया गया है पर हैरानी की बात है कि इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को इसमें जगह नहीं मिल है। मैक्सवेल की इस टीम में सचिन तेंदुलकर और विराट सहित छह भारतीय खिलाड़ियों को लिया गया है। वहीं रिकी पोंटिंग, माइकल बेवन, शेन वॉटसन सहित पांच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल हैं।टीम में इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को जग नहीं मिलना उसकी बेइज्जती माना जा रहा है। सलामी बल्लेबाज के लिए मैक्सवेल ने तेंदुलकर और रोहित को शामिल किया है। वहीं हैरानकी की बात है कि डेविड वॉर्नर, मैथ्यू हेडन और एडम गिलक्रिस्ट को इस टीम में जगह नहीं मिली है। तीसरे नंबर पर मैक्सवेल ने विराट कोहली को शामिल करते हुए उन्हें अपनी पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज करार दिया।

मैक्सवेल की टीम में पोंटिंग चौथे जबकि माइकल बेवन पांचवें नंबर पर हैं।इस नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के इयोन मोर्गन और बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ियों को जगह नहीं दी है। ऑलराउंडर के लिए मैक्सवेल ने शॉन वॉटसन को रखा है।

वहीं विकेट कीपर के रूप में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को रखा है। इंग्लैंड के जोस बटलर और ऑस्ट्रेलिया से एडम गिलक्रिस्ट को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं मैक्सवेल ने अपने गेंदबाजी आक्रमण में ब्रेट ली, ग्लेन मैक्ग्रा और जसप्रीत बुमराह को रखा है। स्पिनर के तौर पर अनिल कुंबले को रखा गया है।

फीफा क्वालिफायर में रोनाल्डो ने रचा इतिहास, मेसी से आगे निकले

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल के महानतम गोलस्कोरर्स में शुमार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। हंगरी के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उन्होंने दो गोल दागकर नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि मैच 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन रोनाल्डो की यह शानदार परफॉर्मेंस चर्चा में रही।

पहले हाफ के 22वें मिनट में रोनाल्डो ने क्लोज रेंज से गोल दागा और अपने वर्ल्ड कप क्वालिफायर करियर का 40वां गोल पूरा किया। इस गोल के साथ उन्होंने ग्वाटेमाला के पूर्व खिलाड़ी कार्लोस रुइज़ (39 गोल) को पीछे छोड़ दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में उन्होंने एक और गोल कर रिकॉर्ड को 41 तक पहुंचा दिया।

इसके साथ ही रोनाल्डो के नाम अब सबसे ज़्यादा वर्ल्ड कप क्वालिफायर गोल (41) हैं – जो उन्हें लियोनेल मेसी (36) से काफी आगे ले जाता है। वहीं मेसी ने अब तक 72 क्वालिफायर मैचों में 36 गोल किए हैं।

रोनाल्डो के नाम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में कई रिकॉर्ड

सबसे ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल- 143
सबसे ज़्यादा मैच (कैप्स)- 215+
यूरोपीय चैम्पियनशिप में सबसे ज़्यादा गोल- 14

फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले टॉप-5 खिलाड़ी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो - 41 गोल (51 मैच)
कार्लोस रुइज़ - 39 (47 मैच)
लियोनेल मेसी - 36 (72 मैच)
अली दाई - 35 (51 मैच)
रॉबर्ट लेवानडोव्स्की - 33 (42 मैच)

मैच में 78वें मिनट तक पुर्तगाल 2-1 से आगे था, लेकिन हंगरी के डोमिनिक स्जोबोज़लाइ ने इंजरी टाइम में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। मैच के बाद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर लिखा – 'हम अपने लक्ष्य के करीब हैं! चलो पुर्तगाल!'

कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने माना कि टीम आखिरी 10 मिनट में मैच को सही तरह से मैनेज नहीं कर पाई। फिर भी, इस ड्रॉ के बावजूद पुर्तगाल ग्रुप एफ में 10 अंकों के साथ टॉप पर बना हुआ है।

6 माह बाद सामने आया पत्नी के कातिल डॉक्टर का असली चेहरा, फॉरेंसिक साइंस रिपोर्ट से खुला सच

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में डॉक्टर दंपति की शादी के 11 महीने बाद एक दर्दनाक सच्चाई सामने आई है। अस्पताल के जनरल सर्जन डॉक्टर महेंद्र रेड्डी ने अपनी पत्नी डॉक्टर कृतिका रेड्डी की हत्या कर दी। कृतिका विक्टोरिया अस्पताल में डर्मेटोलॉजिस्ट थीं और बीते कुछ दिनों से बीमार थीं। घटना अप्रैल 2025 की है, जब कृतिका अपने पिता के घर रह रही थीं। तभी महेंद्र ने दो दिन तक उन्हें आईवी इंजेक्शन दिए जिसके बाद 23 अप्रैल को उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उस समय मराठाहल्ली पुलिस ने यूडीआर (अप्राकृतिक मृत्यु रिपोर्ट) दर्ज की थी। 6 महीने बाद फॉरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट में कृतिका के शरीर में एनस्थीसिया ड्रग प्रोपोफेल मिला। यह दवा सिर्फ ऑपरेशन थियेटर में इस्तेमाल होती है। इसके बाद पुलिस ने मामला को हत्या में बदल कर आरोपी डॉक्टर महेंद्र रेड्डी को मणिपाल से गिरफ्तार कर लिया। कृतिका की बहन डॉक्टर निकिता रेड्डी ने ही शक जताया था और केस दर्ज कराया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के परिवार पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज थे जिन्हें शादी के समय छुपाया गया था। कृतिका के पिता मुनी रेड्डी ने कहा कि उनकी बेटी ने अपने पति पर भरोसा किया था, लेकिन पति ने ही उसका विश्वास तोड़ा। परिवार ने सख्त सजा की मांग की है।

हाथियों की आबादी में 18 फ़ीसदी की गिरावट?

नई दिल्ली (एजेंसी) ।जंगली हाथियों की डीएनए के आधार पर पहली बार गणना की गई है। गणना के जो परिणाम सामने आए हैं। उसके अनुसार हाथियों की संख्या 2017 में 27312 थी। वह 2021 की जनगणना में घटकर 22446 रह गई है। जो पिछली जनगणना के मुकाबले 18 फ़ीसदी कम है। यह रिपोर्ट 4 साल के बाद सार्वजनिक की गई है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने डीएनए आधारित गणना की जानकारी को गलत बताते हुए कहा है। इस बार की जनगणना वैज्ञानिक तरीके से की गई है। जिसके कारण हाथियों की जनसंख्या में कमी देखने को मिल रही है। इस बार की गणना पूरी तरीके से सही है। वही रिपोर्ट के अनुसार सड़क अतिक्रमण, रेल निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचा की परियोजनाओं के चलते जंगल काटे जा रहे हैं ।उसको लेकर मानवों और हाथियों के बीच लगातार संघर्ष बढ़ रहा है ।इस संघर्ष में हाथियों की संख्या कम हो रही है। जो चिंता का विषय है।

'जिनका आंदोलन से कोई वास्ता नहीं वो आज ट्रस्टी'- जगदगुरु रामभद्राचार्य

अयोध्या (एजेंसी)। जगद्गुरू रामभद्राचार्य रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में कौशल्या की गोद में बैठे लाडले राम के मंदिर का निर्माण कराए जाने की जानकारी दी है। उन्होंने हनुमान गढ़ी मंदिर में दर्शन किया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से भी मुलाकात की। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह जो आज ट्रस्टी बने हुए हैं, यह कभी भी संघर्ष के दौरान नहीं थे। सिर्फ मैं और महंत नृत्य गोपाल दास, अशोक सिंघल, महंत अवैद्यनाथ जी थे। हम लोग जानते हैं, संघर्ष की लीला। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट को निरंकुश नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के मर्यादा की रक्षा करनी चाहिए और यह ट्रस्टियों की जिम्मेदारी भी है। मथुरा और काशी विवाद रामभद्राचार्य ने कहा कि हमारी भूमिका वही रहेगी, जो अयोध्या में राम मंदिर को लेकर रही है। उन्होंने अयोध्या में भव्य दीपोत्सव के आयोजन पर कहा कि अयोध्या निरंतर सजती रहेगी। प्रभु रामलला के दर्शन की इच्छा हुई तो अयोध्या आ गए हैं, यहां बहुत ही अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का आगमन बहुत ही हर्ष का विषय है। महंत नृत्य गोपाल दास से मुलाकात को लेकर रामभद्राचार्य ने कहा हमारी पुरानी मित्रता है। हम मित्रों की मुलाकात आनंद ही कुछ और होता है। वह अब बहुत कम पहचान पाते है, लेकिन मुझे पहचान लिया।

राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए खोला पैसा का पिटारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता योजनाओं में 100 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दे दी है। बुधवार को इस बारे में जानकारी देकर रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू होती हैं। वित्तीय सहायता में की गई प्रमुख बढ़ोतरी के तहत अनुदान 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी किया गया है। यह सहायता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन मिलेगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है और जो गैर-पेंशनभोगी हैं। वहीं शैक्षणिक अनुदान 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए प्रति माह प्रति विद्यार्थी किया गया है। यह सहायता अधिकतम दो आश्रित बच्चों को कक्षा 1 से स्नातक तक या दो वर्षीय परास्नातक कोर्स कर रही आश्रित विधवाओं को दी जाएगी। विवाह अनुदान में भी बढ़ोतरी की गई है। विवाह अनुदान को 50,000 रुपए से बढ़ाकर 1,00,000 रुपए प्रति लाभार्थी किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अनुदान अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह अथवा विधवा पुनर्विवाह के लिए लागू होगा, बशर्ते विवाह आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुआ हो। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मंजूरी की गई नई दरें 1 नवंबर 2025 से प्राप्त आवेदनों पर लागू होंगी। इससे प्रति वर्ष करीब 257 करोड़ रुपए का वित्तीय भार पड़ेगा, जो आर्म्ड फोर्सेस फ्लैग डे फंड से वहन किया जाएगा।

बारिश ने बढ़ाया चेन्नई के जलाशयों का जलस्तर, आपूर्ति होगी मजबूत

चेन्नई(एजेंसी)। बारिश और जलग्रहण क्षेत्रों से बढ़ते जलप्रवाह के साथ चेन्नई के प्रमुख पेयजल जलाशय पूरी क्षमता के करीब हैं। इससे आने वाले महीनों में शहर में जल आपूर्ति की मजबूत होगी। तमिलनाडु जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पूंडी, पुझल, चेम्बरमबक्कम, रेड हिल्स और चोलावरम जलाशय, जो मिलकर चेन्नई की पेयजल जरूरतों को पूरा करते है, उनमें अब 8.328 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी है, जबकि उनकी संयुक्त क्षमता 11.757 टीएमसी फीट है, जो 70.9 फीसदी का एक स्वस्थ जल संग्रहण स्तर दर्शाता है।

महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार, कांग्रेस-राजद में 65-55 में फंसा पेंच

कांग्रेस ने 43 सीट पर किए उम्मीदवार चयनित, जल्द हो सकती है नामों की घोषणा

पटना(एजेंसी)। बिहार में चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार खत्म नहीं हो रही है। कांग्रेस चुनाव में 65 सीटें चाहती है और राष्ट्रीय जनता दल 55 सीटें देने को तैयार है। इधर पार्टी सूत्रों के मुताबिक महागठबंधन में पहले चरण की जिन सीटों पर सहमति बनी है उनके नाम आज घोषित हो सकते हैं। कांग्रेस ने अब तक कुल 43 सीट पर उम्मीदवार चयनित किए हैं। महागठबंधन में कांग्रेस 65 सीटों की मांग पर अड़ी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीटों की अदला-बदली को देखते हुए पार्टी 74 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को अंतिम रूप दे रही है। ऐसे कांग्रेस ने सभी 243 सीटों पर दावेदारों से आवेदन मंगाए थे। महागठबंधन समन्वय समिति के समन्वयक तेजस्वी यादव के साथ बातचीत में कोई फार्मूला तय नहीं होने से मंगलवार को दिल्ली में पार्टी ने उम्मीदवारों के नाम पर विचार किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक की अध्यक्षता की। कांग्रेस मंगलवार को भी सभी सीटों पर प्रत्याशियों के नाम को अंतिम रूप नहीं दे सकी है।

दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंगलवार को 18 नामों पर चर्चा हुई। 3 घंटे चली बैठक में इन सीटों पर प्रत्याशी के नाम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में 40 सीट की चर्चा हुई। शेष सीटों पर उम्मीदवार के नाम तय करने के लिए सब कमेटी का गठन किया गया है। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि सभी मजबूत सीटों पर चर्चा हुई है। अब आगे की तैयारी कर रहे हैं।

कांग्रेस को डर सता रहा है। दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद टिकट दावेदारों ने जमकर नारेबाजी भी की थी। इस कारण सदाकत आश्रम में हमेशा दिखने वाले नेताजी अब गायब हैं। दरअसल इस बार पार्टी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों से आवेदन मंगाए थे। इस कारण दावेदारों की संख्या चार हजार से ज्यादा है। चुनावी साल में संगठन के अभाव में इन दावेदारों के सहारे ही पार्टी ने कार्यक्रमों और अभियान को सफल बनाया। कांग्रेस इन्हें आश्वस्त करती रही कि कार्यक्रमों में मेहनत के अनुसार ही टिकट मिलेगा। नई दिल्ली में दावेदारों ने डेरा जमा लिया है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। कार्यकर्ता हाल ही में पार्टी में शामिल हुए नेताओं को तवज्जो देने से नाराज हैं।

जैसलमेर बस अग्निकांड: 2 अफसर सस्पेंड, मृतकों की संख्या 21 पहुंची

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में हुए भीषण बस अग्निकांड के बाद सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को परिवहन विभाग ने चित्तौड़गढ़ के कार्यवाहक डीटीओ सुरेंद्र सिंह और सहायक प्रशासनिक अधिकारी चुन्नी लाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। जांच में सामने आया कि हादसे का शिकार हुई बस की बॉडी को चित्तौड़गढ़ परिवहन विभाग से ही अनुमोदन (अप्रूवल) मिला था। इस बीच, हादसे को लेकर पहली एफआईआर दर्ज की गई है। मृत पत्रकार राजेंद्र चौहान के भाई ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर सदर थाने में केस दर्ज कराया है। मृतकों की संख्या अब 21 हो गई है। बुधवार सुबह 10 वर्षीय यूनुस ने जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, अभी भी चार घायल मरीज वेंटिलेटर पर हैं, जिनकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा मंगलवार दोपहर करीब 3:30 बजे हुआ, जब जैसलमेर से जोधपुर जा रही प्राइवेट एसी स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। बस में सवार कई यात्री झुलस गए थे। शुरुआती जांच में संभावना जताई जा रही है कि बस के इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग फैली, जिसने देखते ही देखते पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और परिवहन विभाग को बस बॉडी अप्रूवल की प्रक्रिया की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए मुआवजा और घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की घोषणा की है।

दिल्ली में फिर हवा हुई जहरीली, एक्यूआई 206 पर पहुंचा, ग्रैप-1 लागू

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हवा जहरीली हो गई है। करीब चार महीने के बाद दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। बुधवार की सुबह दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में धुंध की मोटी चादर छाई रही। प्रदूषण की बढ़ती स्थिति को देखते हुए मंगलवार को ही ग्रैप-1 लागू कर दिया गया था। इसके तहत प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई कड़े कदम उठाए गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार सुबह 7:30 बजे तक दिल्ली का एक्यूआई 206 दर्ज किया, जो खराब श्रेणी में आता है। वहीं, एनसीआर के अन्य शहरों में भी स्थिति चिंताजनक है। फरीदाबाद में एक्यूआई 189, गुरुग्राम में 156, गाजियाबाद में 145, ग्रेटर नोएडा में 123 और नोएडा में 136 दर्ज किया गया।

श्रेया घोषाल ने लता मंगेशकर के साथ गाने की अपनी ख्वाहिश पर की बात

एजेंसी

मुंबई : भारत का सबसे पसंदीदा सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल, एक नए सीजन के साथ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर लौट आया है, जो हर दिल को छूने के लिए तैयार है। इस बार शो की थीम है यादों की प्लेलिस्ट: जहाँ आवाजें आज वाली और गाने आप वाले, जो पुरानी यादों, धुनों और भावनाओं का जश्न मनाता है। शो की सबसे बड़ी खासियत यह है कि श्रेया घोषाल इस सीजन में जज के रूप में वापसी कर रही हैं, जो अपने अनुभव, अपनेपन और प्रोत्साहन से कंटेस्टेंट्स और दर्शकों दोनों को प्रेरित करती नजर आएंगी। श्रेया घोषाल, जो भारत की सबसे प्यारी गायिकाओं में से एक हैं, न सिर्फ अपनी सुरीली आवाज के लिए जानी जाती हैं, बल्कि संगीत के प्रति अपने गहरे प्यार और सम्मान के लिए भी मशहूर हैं। जब उनसे पूछा गया कि वे किन संगीत के दिग्गजों की प्रशंसा करती हैं, तो उन्होंने दिल से अपने विचार साझा किए। श्रेया ने कहा, यदि मुझे किसी पुराने संगीत के दिग्गज के साथ काम करने का मौका मिलता, तो ऐसे बहुत से लोग हैं। मुझे नहीं लगता कि यह किसी के लिए हैरानी की बात होगी, क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि मैं लता मंगेशकर जी और आशा जी की बहुत बड़ी शिष्या और प्रशंसक हूँ। यदि मुझे उस दौर में लता जी के साथ गाने का मौका मिलता या सिर्फ उन्हें लाइव परफॉर्म करते हुए देखने का, उन्हें सामने गाते सुनने का, चाहे मैं सिर्फ एक दीवार पर बैठी मक्खी ही क्यों न होती, फिर भी मैं खुद को बहुत धन्य मानती।

तमिलनाडु में हिंदी पर बैन की तैयारी: सीएम स्टालिन की भाषाई स्वाभिमान नीति आई फिर चर्चा में

-हिंदी फिल्में, गाने, विज्ञापन बोर्ड्स और होर्डिंग्स पर रोक का प्रस्ताव

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार राज्य में हिंदी भाषा के इस्तेमाल पर बैन लगाने वाला विधेयक विधानसभा में पेश करने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि प्रस्तावित बिल में हिंदी फिल्मों, गानों, विज्ञापन बोर्डों और होर्डिंग्स में हिंदी भाषा के प्रयोग पर रोक लगाने का प्रावधान शामिल हो सकता है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने मंगलवार देर रात कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई, जिसमें बिल के मसौदे पर विस्तार से चर्चा हुई। यह बिल 14 से 17 अक्टूबर तक चल रहे विधानसभा के विशेष सत्र में पेश किया जा सकता है। गौरतलब है कि तमिलनाडु में लंबे समय से हिंदी भाषा को लेकर विवाद चलता रहा है। डीएमके और अन्य द्रविड़ दल केंद्र की 'तीन-भाषा नीति' का विरोध करते रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कई मौकों पर कहा है कि राज्य के लोगों पर हिंदी थोपने का कोई भी प्रयास स्वीकार्य नहीं होगा।

मार्च 2025 में पेश किए गए राज्य बजट के दौरान भी स्टालिन सरकार ने एक प्रतीकात्मक भाषाई कदम उठाते हुए बजट दस्तावेजों और सिंबल से रुपए का हिंदी प्रतीक हटाकर तमिल अक्षर का उपयोग किया था, जो ÷रुबाई (रुपया)÷ शब्द का पहला अक्षर है। यह निर्णय उस समय भी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा था।

संभावित प्रभाव और राजनीतिक संदेश

प्रस्तावित बिल पारित होने के बाद राज्य में सार्वजनिक स्थलों, विज्ञापनों, सिनेमा हॉलों, रेडियो प्रसारणों और गानों में हिंदी के प्रयोग पर रोक लगाई जा सकती है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक मसौदा सार्वजनिक नहीं किया गया है। यदि यह बिल लाकर पारित किया जाता है, तो तमिलनाडु देश का पहला राज्य बन जाएगा जहां हिंदी भाषा के सार्वजनिक उपयोग पर औपचारिक प्रतिबंध लागू होगा। सीएम स्टालिन का कहना है कि हम तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान और भाषाई स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। किसी पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 29 अक्टूबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई टल गई। अब मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। बात दें कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिका में संशोधन करने की इजाजत मांगी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ को सुनवाई करनी है। इससे पहले, केंद्र सरकार और अन्य प्राधिकारियों से जवाब मांगा गया था। लेह प्रशासन ने अपने हलफनामे में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत वांगचुक की हिरासत का बचाव किया है। लेह के जिलाधिकारी रोमिल सिंह डोंक ने कहा कि हिरासत आदेश 26 सितंबर को पारित किया गया था। उन्होंने कहा कि वह इस बात से संतुष्ट थे और अभी भी संतुष्ट हैं कि व्यक्ति को हिरासत में रखा जाए। हिरासत का आधार राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और समुदाय के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए हानिकारक गतिविधियों को बताया गया है।

केरल में हिजाब विवाद छात्रा के पिता और स्कूल प्रबंधन ने बैठकर सुलझाया

-कुछ तत्व इसे लेकर सांप्रदायिक माहौल खराब करने की कर रहे थे कोशिश

एर्नाकुलम (एजेंसी)। केरल के एर्नाकुलम जिले में एक छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति न देने से उपजा विवाद सुलझ गया। छात्रा के पिता ने बातचीत के बाद स्कूल के ड्रेस कोड का पालन करने की बात कही। वहीं, शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट ने छात्रा को धार्मिक स्वतंत्रता के तहत हिजाब पहनने की अनुमति देने की सिफारिश की है। मामला कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल पल्लुरुथी का है, जहां कक्षा 8 की छात्रा के पिता पीएम अनस ने अपनी बेटी को कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल प्रशासन ने इसे यूनिफॉर्म नीति का उल्लंघन बताते हुए अस्वीकार कर दिया था। सोमवार और मंगलवार को स्कूल में तनाव के बाद कक्षाएं निलंबित कर दी गई थीं। मंगलवार को कांग्रेस सांसद हिबी ईडन की मध्यस्थता में छात्रा के माता-पिता और स्कूल प्रबंधन के बीच बातचीत हुई, जिसके बाद अनस ने कहा कि वह और उसकी बेटी स्कूल प्रबंधन के निर्देशों का पालन करेंगे। वह नहीं चाहते कि यह मामला सांप्रदायिक रंग ले। हमें समाज में भाईचारा बनाए रखना है। हिबी ईडन ने कहा कि कुछ तत्व इस विवाद के बहाने सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छात्रा के पिता का यह फैसला केरल की धर्मनिरपेक्ष परंपरा को मजबूत करने वाला है। इस बीच राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने बताया कि जांच में स्कूल की ओर से गंभीर चूक पाई गई है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा- छात्रा को हिजाब पहनने के कारण कक्षा से बाहर करना संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। यह गंभीर अनुशासनहीनता है। जांच रिपोर्ट में अनुशंसा की गई है कि छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति दी जाए और स्कूल चाहें तो उसके रंग और डिजाइन तय कर सकता है। मंत्री ने कहा कि केरल की धर्मनिरपेक्ष पहचान के विपरीत कोई शैक्षणिक संस्था कार्य नहीं कर सकती। ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। इससे पहले केरल हाईकोर्ट ने स्कूल प्रबंधन को संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए पुलिस सुरक्षा देने का आदेश दिया था।

चुनाव में धनबल, शराब, नशे व उपहारों के इस्तेमाल को लेकर आयोग सख्त

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने व्यय पर्यवेक्षकों को भी किया तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव में धनबल, शराब, नशे और मुफ्त उपहारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाया है। आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके। चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर को बिहार विधानसभा के आम चुनाव और 8 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की घोषणा की थी। अब आयोग ने चुनाव खर्च और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की है।

चुनाव आयोग ने इस अभियान में कई एजेंसियों को शामिल किया है, जिनमें राज्य पुलिस विभाग, आबकारी विभाग, आयकर विभाग, एफआईयू-आईएनडी, आरबीआई, एसएलबीसी, डीआरआई, सीजीएसटी, एसजीएसटी, कस्टम्स, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, डाक विभाग, वन विभाग और राज्य सहकारी विभाग शामिल हैं। इन सभी को निर्देश दिया है कि चुनाव के दौरान धन, शराब, ड्रग्स या अन्य प्रलोभनों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके।

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने के लिए व्यय पर्यवेक्षकों को तैनात किया है। ये अधिकारी अधिसूचना जारी होते ही अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच गए हैं और वहां व्यय निगरानी से जुड़ी टीमों से मिलकर नजर रख रहे हैं। आयोग ने कहा कि फ्लाइंग स्क्वॉड, सर्विलांस टीमें और वीडियो मॉनिटरिंग टीमें चौबीसों घंटे सक्रिय रहेंगी ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

चीन ब्रह्मपुत्र बना रहा सबसे बड़ा बांध, पड़ोसी देशों पर बनाना चाहता है दबाव

-भारत ने जलविद्युत योजना का अनावरण का फैसला कर दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाकर मनमानी करने की सोच रहा है। इस बांध के जरिए वह अपने पड़ोसी देशों को रौंदकर अपना व्यापार बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहा है। अब भारत ने भी इसका जवाब देने का फैसला लिया है। दरअसल, भारत सरकार ने ब्रह्मपुत्र नदी पर ही 6.4 लाख करोड़ रुपए की जलविद्युत योजना का अनावरण किया। भारत के इस फैसले के पीछे रणनीति है जो कि भविष्य में भारत के कई राज्यों को फायदा पहुंचाने वाली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस जलविद्युत परियोजना के बनने से पूर्वोत्तर राज्यों की बिजली की जरूरत आसानी से पूरी होगी। इसके अलावा अन्य राज्यों को भी बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने कहा है कि केंद्र सरकार ने बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से 76 गीगावाट से ज्यादा जलविद्युत क्षमता स्थानांतरित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपए की पारेषण योजना तैयार की है।

सोमवार को जारी रिपोर्ट में सीईए ने कहा कि इस योजना में पूर्वोत्तर राज्यों के 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली परियोजनाएं शामिल की गई हैं, जिनकी संभावित क्षमता 64.9 गीगावाट और पंप-स्टोरेज संयंत्रों से अतिरिक्त 11.1 गीगावाट है। बेसिन की सीमापारीय प्रकृति और चीन से निकटता के कारण जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की योजना एक रणनीतिक मुद्दा बन गया है। चीन के ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाए जाने के बाद भारत को डर सता रहा है कि यह बांध भारतीय क्षेत्र में पानी के प्रवाह को 85 फीसदी कम कर सकता है। इतना ही नहीं, कभी युद्ध की स्थिति आई तो चीन इस बांध का दुरुपयोग भी कर सकता है। इससे ब्रह्मपुत्र के निचले इलाके को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

बता दें ब्रह्मपुत्र नदी, जो चीन के तिब्बत से निकलती है और भारत-बांग्लादेश से होकर बहती है, अपने भारतीय क्षेत्र में विशेषकर चीन सीमा के निकट अरुणाचल प्रदेश में, अहम जलविद्युत क्षमता रखती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र बेसिन अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिज़ोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को कवर करता है और भारत की अप्रयुक्त जलविद्युत क्षमता का 80 फीसदी से ज्यादा इसमें समाहित है। अकेले अरुणाचल प्रदेश में 52.2 गीगावाट की क्षमता है। बता दें चीन ने जुलाई में दक्षिण-पूर्वी तिब्बत में भारत की सीमा के पास ब्रह्मपुत्र पर एक बड़े बांध का निर्माण शुरू किया है। भारत ने इस साल की शुरुआत में

इस परियोजना को लेकर चिंता जताई थी। जनवरी में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि चीन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि ब्रह्मपुत्र के निचले इलाकों के हितों को ऊपरी इलाकों में हो रही गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**